निसर्ग

सर्व विदः सृजन सर्गः

परिचयात्मक विवरण

1.	स्थापना	: 2001 पंजीकरण संख्या-1297
2.	पता	: निसर्गः सी-136/14, शिवानी विहार, कल्याणपुर, लखनऊ-226022 (उ0प्र0) भारत।
3.	दूरभाष	: 9839020107
4.	ई-मेल	: nisargindia@rediffmail.com
5.	उद्देश्य	: रंगमंच एवं इतर सृजन माध्यमों से व्यक्ति और समाज के मानवतापरक विकास हेतु संलग्न सृजन संस्था।

कार्यवृतः बिन्दुगत विवरण

- बालकों और युवाओं को नाट्यकला का ज्ञान देने एवं व्यक्तित्व विकास हेतु नाट्य प्रशिक्षण कार्यक्रम, नाट्य कार्यशालाओं का संचालन एवं नाट्य मंचन।
- शास्त्रीय (संस्कृत) नाट्य परम्परा के संरक्षण एवं प्रचार-प्रसार द्वारा भारतीय दर्शन, संस्कृति एवं जीवन मूल्यों के संरक्षण हेतु नाट्यकार्यशालाएँ, नाट्यमंचन एवं गोष्ठियों का आयोजन।
- लोकनाट्य परम्परा के प्रचार-प्रसार द्वारा भारतीय दर्शन, संस्कृति एवं जीवन मूल्यों के संरक्षण हेतु नाट्यकार्यशालाएँ, नाट्यमंचन, गोष्ठी एवं कलाकार-सम्मान कार्यक्रमों का आयोजन।
- श्रेष्ठ साहित्य के द्वारा व्यक्ति और समाज विकास के गुणात्मक विकास हेतु विख्यात साहित्यकारों की रचना का मंचन।
- रंगमंच के महत्वपूर्ण नाटकों का मंचन (संवेदनशीलता, सकारात्मकता और नैतिकता के संरक्षण हेतु)।
- बालकों का व्यक्तित्व विकास करने एवं उन्हें सुसंस्कारों की प्रेरणा देने हेतु नाट्य कार्यशालाएँ एवं नाट्यमंचन।
- सामाजिक-आर्थिक रूप से दुर्बल वर्ग के कल्याण हेतु लघु नाट्यकार्यशालाएँ।
- ग्रामीण, अपवंचित एवं अनाथ बालकों के कल्याणार्थ लघु नाट्यकार्यशालाएँ एवं नाट्यमंचन।
- साहित्य, लोक, पर्यावरण, चित्रकला एवं अन्य विषयक आयोजन।
- विशिष्ट कार्यः लखनऊ में बॉण्ड स्ट्रीट थिएटर न्यू यॉर्क (अमेरिका), एक्ज़ाइल थिएटर काबुल (अफगानिस्तान) और पूर्वाभ्यास थिएटर नयी दिल्ली के कलाकारों के द्वारा मलिन बस्ती के बालकों के कल्याणार्थ नाट्यमंचन और कार्यशालाओं का आयोजन।

उपलब्धियाँ

निसर्ग के रंगकर्म की स्तरीयता तथा सामाजिक, सांस्कृतिक, नैतिक और मानवीय उद्देश्यपरकता से प्रभावित होकर अनेक राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक शासकीय संस्थाओं द्वारा सहयोग-

'संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार 'केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी 'उ0प्र0 क्षेत्र गुवाहटी (असम) 'राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नयी दिल्ली 'साहित्य अकादमी-नयी दिल्ली 'भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद लखनऊ 'संस्कृति विभाग उ0प्र0 'उ0प्र0 हिन्दी संस्थान लखनऊ 'संस्कृति विभाग मध्य प्रदेश 'मध्य प्रदेश नाट्य विद्यालय भोपाल

कार्यवृतः विस्तृत विवरण

1. युवाओं के लिए नाट्य प्रशिक्षण कार्यक्रम, नाट्य कार्यशालाएँ एवं नाट्य मंचन

क्रम	समयावधि	नाटक	मंचन तिथि	मंचन स्थान
1.	पैंतालीस दिवसीय 06 सितम्बर से 20 नवम्बर 2006	फाँसी से बढ़कर	21.11.2006	वाल्मीकि रंगशाला, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ।
2.	त्रैमासिक 20 फरवरी से 23 मई 2009	फाँसी से बढ़कर	21.11.2010	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ
3.	त्रैमासिक 08 अगस्त से 08 नवम्बर	अंतिम प्रजा	09.11.2010	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ
4.	त्रैमासिक 01 सितम्बर से 30 नवम्बर 2011	स्वाधीनता की शैलगाथा	07.12.2011	रविन्द्र भवन भोपाल (म0प्र0)
5.	पैंतालीस दिवसीय 20 दिसम्बर 2011 से 05 फरवरी 2012	गीताजंलि	06.02.2012	थ्रस्ट प्रेक्षागृह, भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ
6.	त्रैमासिक 01 सितम्बर से 29 नवम्बर 2013	कोई सूरज को समझा दो	30.11.2013	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ
7.	पैंतालीस दिवसीय 01 जून से 15 जुलाई 2014	कैम्प	19.07.2014	बी0एम0शाह प्रेक्षागृह, बी0एन0ए0 लखनऊ
8.	चतुर्मासिक 01 सितम्बर से 31 दिसम्बर2014	हर रंग में पहचान	24.01.2015	थ्रस्ट प्रेक्षागृह, भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ
9.	चर्तुमासिक 15 अप्रैल से 15 अगस्त 2015	युगावतार	18.08.2015	यशपाल सभागार उ0प्र0 हिंदी संस्थान, लखनऊ
10.	चर्तुमासिक 01 फरवरी से 31 मई 2016	वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली	01.06.2016	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी लखनऊ
11.	त्रैमासिक 01 दिसम्बर 2016 से 03 मार्च2017	खुसरो रैन सुहाग की	04.03.2017	थ्रस्ट प्रेक्षागृह, भारतेन्दु नाट्य अकादमी लखनऊ
12.	त्रैमासिक 15 जनवरी से 15 अप्रैल, 2018	प्रेतशिशु	25.04.2018	संग गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीत नाट्य अकादमी लखनऊ
13.	पैंतालीस दिवसीय 15 मई से 07 जुलाई 2018	खटर पटर की टक्कर	09.07.2018	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह, उ0प्र0 संगीत नाट्य अकादमी लखनऊ
14.	पैंतालीस दिवसीय 15 अप्रैल से 31 मई 2019	केवल कार्यशाला	–	संगीत नाटक अकादमी परिसर, लखनऊ

2. शास्त्रीय (संस्कृत) नाट्य परम्परा से सम्बन्धि नाट्य कार्यशालाएं/नाट्य मंचन

क्रम	समयावधि	नाटक	मंचन तिथि	मंचन स्थान
1.	त्रैमासिक 01 अक्टूबर से 29 दिसम्बर 2009	उरूभंगम	30 दिसम्बर, 2009	वाल्मीकी रंगशाला उ0प्र0, संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ
2.	–	उरूभंगम (राष्ट्रीय संस्कृत से संस्थान नयी दिल्ली के सहयोग से)	18 फरवरी, 2010	राष्ट्रीय संस्कृत समारोह अगरतल्ला (त्रिपुरा)
3.	पैंतालीस दिवसीय 01 फरवरी से 15 मार्च 2011	उरूभंगम (निसर्ग और प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान नयी दिल्ली का संयुक्त आयोजन)	16 मार्च 2011	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीतनाटक अकादमी, लखनऊ
4.	–	मध्यम व्यायोग (निसर्ग एवं प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान नयी दिल्ली का संयुक्त आयोजन–आमंत्रित प्रस्तुति)	17 मार्च 2011	संग गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी लखनऊ
5.	–	चारूदत्त (निसर्ग एवं प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान नयी दिल्ली द्वारा आयोजित संस्कृत नाट्य समारोह आमंत्रित प्रस्तुति)	18 मार्च 2011	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी लखनऊ
6.	–	प्रतिभा यौगान्धारायण (निसर्ग नाट्य समारोह 2015 के अन्तर्गत आमंत्रित प्रस्तुति)	24 मार्च 2015	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ
7.	–	दूत घटोत्कच (निसर्ग नाट्य समारोह 2016 के अन्तर्गत आमंत्रित प्रस्तुति)	31 मई 2016	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी लखनऊ।

3

3

3. लोक नाट्य परम्परा की नाट्य कार्यशालाएँ एवं नाट्य मंचन

क्रम	समयावधि	नाटक	मंचन तिथि	मंचन स्थान
1.	त्रैमासिक 15 जुलाई से 15 अक्टूबर 2001	गाँव रहे एक झनझनझनिया रे (थारू जनजाति की अभिव्यक्तिपरक लोक परम्पराओं का नाट्य प्रयोग) सहयोग- मानव संसाधन मंत्रालय भारत सरकार	17.10.2007	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह लखनऊ
2.	-	नगाड़े ख़ामोश हैं (कुमाऊँ की लोक परम्पराओं का नाट्य प्रयोग)	27.08.2011	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0संगीत नाटक अकादमी लखनऊ
3.	त्रैमासिक 01 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2011	स्वाधीनता की शैलगाथा *(कुमाँउनी नाट्य शैली)* (आदि विद्रोह नाट्य समारोह स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग, म0प्र0 शासन का आयोजन)	07.10.2011	रवीन्द्र भवन, भोपाल (म0प्र0)
4.	त्रैमासिक 01 मार्च से 31 मई 2011	वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली *(कुमाँउनी नाट्य शैली)* निसर्ग नाट्य समारोह 2016	01.06.2016	संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी लखनऊ।

6

4. श्रेष्ठ साहित्यकारों की रचनाओं का मंचन

क्रम	नाटक	साहित्यकार–नाटककार	आयोजन सहयोग	मंचन तिथि एवं स्थान
1.	प्रधानमंत्री	यशपाल	उ0प्र0 हिन्दी संस्थान लखनऊ	28 मार्च 2006 यशपाल सभागार उ0प्र0 हि0सं0 लखनऊ
2.	पड़ोसन की चिट्ठियाँ	अमृतलाल नागर	उ0प्र0 हिन्दी संस्थान लखनऊ	28 मार्च 2006 यशपाल सभागार उ0प्र0 हि0सं0 लखनऊ
3.	दो बाँके	भगवती चरण वर्मा	उ0प्र0 हिन्दी संस्थान, लखनऊ	28 मार्च, 2006 यशपाल सभागार उ0प्र0 हि0स0 लखनऊ
4.	तितली	एन्तोन चेखव	–	21 नवम्बर 2008 वाल्मीकि रंगशाला, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी लखनऊ
5.	महाभोज	मन्नू भण्डारी	–	30 मई 2008 वाल्मीकि रंगशाला, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ
6.	गुनाहों का देवता	धर्मवीर भारती	–	20 अप्रैल 2009 वाल्मीकि रंगशाला उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी
7.	अतुल्य भारत (तीन कहानियों का समन्वय)	हरिशंकर परसाई	–	3 अप्रैल 2011 राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ
8.	गीतांजलि	रवीन्द्र नाथ टैगोर	आदर्श सेवा संस्थान बाराबंकी निसर्ग लखनऊ	06 फरवरी 2012 थ्रस्ट प्रेक्षागृह भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ
9.	हवालात	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना	–	बी0एम0 शाह प्रेक्षागृह, भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ
10.	यथार्थ	रामधारी सिंह दिनकर	म0प्र0 नाट्य विद्यालय, भोपाल	24 अप्रैल 2014 बेगूसराँय, बिहार (रामधारी सिंह 'दिनकर' जी का पैतृक स्थान)
11.	युगावतार	अमृतलाल नागर	उ0प्र0 हिन्दी संस्थान लखनऊ	18 अगस्त, 2015 यशपाल सभागार, उ0प्र0 हिन्दी संस्थान–लखनऊ
12.	संवाद	धन सिंह मेहता की काव्य रचनाओं का मंचन	–	01 अक्टूबर, 2015 बी0एम0 शाह प्रेक्षागृह, भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ
13.	युगावतार	अमृत लाल नगर	साहित्य अकादमी दिल्ली	20 अगस्त 2016 यशपाल सभागार, उ0प्र0 हिन्दी संस्थान, लखनऊ

5. कुछ विशेष महत्वपूर्ण नाटकों का मंचन

क्रम	नाटक का नाम	लेखक/निर्देशक	मंचन–तिथि एवं स्थान
1.	एक घण्टा सन्ताईस मिनट (लखनऊ महोत्सव नाट्य समारोह)	ललित सिंह पोखरिया	30 नवम्बर 2004 राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ
2.	साहिब कहाँ हैं! (वरिष्ठ रंगकर्मी–विचारक स्व0 के0एन0 कक्कड़ की स्मृति में)	अजीत प्रताप सिंह	04 मार्च 2005 बी0एम0 शाह प्रेक्षागृह भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ
3.	तकिया कलाम	कृष्ण कुमार नीरज	07 अक्टूबर 2005 राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ
4.	एक घण्टा सत्ताईस मिनट सम्भागीय नाट्य समारोह सोनभद्र द्वारा उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी	ललित सिंह पोखरिया	22 सितम्बर 2005, विवेकानन्द प्रेक्षागृह सोनभद्र (उ0प्र0)
5.	रक्तबीज (लखनऊ महोत्सव नाट्य समारोह)	शंकर शेष ललित सिंह पोखरिया	01 दिसम्बर 2005 राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ
6.	मॉडल विहार (बाबू हरदयाल वास्तव हास्य नाट्य समारोह)	ललित सिंह पोखरिया	28 दिसम्बर 2007 रवीन्द्रालय–लखनऊ
7.	परिवार–पुराण (बाबू हरदयाल वास्तव हास्य नाट्य समारोह	ललित सिंह पोखरिया	14 दिसम्बर 2008 रवीन्द्रालय लखनऊ
8.	बाबू जी धीरे चलना	संदीप यादव	7 अगस्त 2009 लामार्टीनियर गर्ल्स कॉलेज, लखनऊ
9.	धर्मधुरन्धर (बाबू हरदयाल वास्तव हास्य)	ललित सिंह पोखरिया नि0–अजीत बहादुर	18 नवम्बर 2009 रवीन्द्रालय लखनऊ
10.	जागो! जागो!	संदीप यादव	12 जनवरी 2011 रामकृष्ण मठ निराला नगर, लखनऊ
11.	मॉडल विहार सौजन्य– भारतीय सांस्कृतिक सम्बद्ध परिषद भारत सरकार	ललित सिंह पोखरिया	25 जनवरी 2012 बी0एम0 शाह प्रेक्षागृह, भारतेन्दु नाट्य अकादमी–लखनऊ
12.	गुलाम ।रेश्ते	लेखक– असलम ख़ान नि0–ललित सिंह पोखरिया	22 अप्रैल 2012 संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी–लखनऊ
13.	मॉडल विहार (लखनऊ महोत्सव नाट्य समारोह)	ललित सिंह पोखरिया	07 दिसम्बर 2012 राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ
14.	आवर्तन	पीयूष वर्मा	24 अक्टूबर 2014 बी0एम0 शाह प्रेक्षागृह, भारतेन्दु नाट्य अकादमी–लखनऊ

15.	मॉडल विहार (केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार)	ललित सिंह पोखरिया	06 अप्रैल 2014 रंगभवन ऑडीटोरियम मालीगाँव, गुवाहाटी (असम)
16.	मॉडल विहार (निसर्ग नाट्य समारोह)	ललित सिंह पोखरिया	25 मार्च 2015 संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ
17.	गुलाम रिश्ते (निसर्ग नाट्य समारोह)	लेखक. मो0 असलम ख़ान निर्देशक– ललित सिंह पोखरिया	26 मार्च 2015 संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ
18.	प।गलघर	लेखक– नन्दकिशोर आचार्य निर्देशक– योगेश उपाध्याय	26 अक्टूबर 2015 बी0एम0शाह प्रेक्षागृह, भारतेन्दु नाट्य अकादमी–लखनऊ
19.	दुखवा में बीतल रतिया (रामेश्वर उपाध्याय की कहानी पर आधारित)	लेखक– ललित सिंह पोखरिया निर्देशक– वसंत रावत	02 जून 2016 संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी–लखनऊ
20.	कोठी मदहोश	लेखक– मो0 असलम ख़ान निर्देशक– ललित सिंह पोखरिया	12 अप्रैल 2017 संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी–लखनऊ
21.	खिलौनों की बारात	लेखक– मो0 असलम ख़ान निर्देशक–ललित सिंह पोखरिया	20 अगस्त 2018 संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी–लखनऊ
22.	एण्टीगनी	लेखक– सोफ़ोक्लीज़ निर्देशक–ललित सिंह पोखरिया	08 अप्रैल 2019 संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी–लखनऊ

6. बालकों के व्यक्तित्व विकास एवं सुसंस्कारों की प्रेरणा देने हेतु नाट्य कार्यशालाएँ एवं नाट्य मंचन

(अ) मध्यम एवं उच्च वर्ग के बालक

क्रम	कार्यशाला समयावधि एवं स्थल	नाटक, लेखक, निर्देशक	मंचन तिथि	मंचन स्थान
1.	तीस दिवसीय 15 दिसम्बर 2000 से 14 जनवरी 2001 डालीबाग, लखनऊ	नाटक–रेनेसाँ लेखक–निर्देशक– ललित सिंह पोखरिया	15 जनवरी से 12 फरवरी 2001 (12 मंचन)	लखनऊ के विभिन्न स्कूल (स्प्रिंग डेल, सी०एम०एस०, पायनियर माण्टेसरी)
2.	पैंतालीस दिवसीय 15 मई से 29 जून 2004 लालबहादुर शास्त्री इंस्टीट्यूट कुर्सी रोड, लखनऊ	नाटक–(1) शातिर मियाँ (2) जंगल मेरा जीवन ले०नि०– शम्स हैदर नक़वी	30 जून 2004	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह लखनऊ
3.	पैंतीस दिवसीय 01 जून से 05 जुलाई 2007 फैकल्टी क्लब, पी०जी०आई० लखनऊ	नाटकः गुमसुम गुड़िया लेखकःललित सिंह पोखरिया निर्देशकः संदीप यादव	06 जुलाई 2004	फ़ैकल्टी क्लब ओडीटोरियम पी०जी०आई० लखनऊ
4.	पैंतीस दिवसीय 15 मई से 20 जून 2009 (फ़ैकल्टी क्लब, पी०जी०आई० लखनऊ	नाटकः चरणदास चोर लेखकः हबीब तनवीर निर्देशकः संदीप यादव	20 जून 2009	फ़ैकल्टी क्लब ऑडीटोरियम पी०जी०आई०, लखनऊ
5.	पैंतीस दिवसीय 15 मई से 20 जून 2016 विद्या ट्री मॉडर्न वर्ल्ड कॉलेज लखनऊ	नाटकः जूता आविष्कार *(गुरुदेव की कविता पर आधारित)* ले०नि०–ललित सिंह पोखरिया	19 जून 2016	विद्या ट्री मॉडर्न वर्ल्ड कॉलेज ऑडीटोरियम, लखनऊ
6.	पैंतीस दिवसीय 12 मई से 16 जून 2018 (सदगुरू कृपाकुन्ज महानगर–लखनऊ) सहयोग–फेवर फाउण्डेशन	नाटकः जूता आविष्कार *(गुरुदेव की कविता पर आधारित)* लेखकः ललित सिंह पोखरिया निर्देशकः संदीप यादव	17 जून 2018	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह लखनऊ
7.	पैंतीस दिवसीय 15 मई से 19 जून 2019 सदगुरू कृपाकुन्ज, महानगर,लखनऊ सहयोग– फेवर फाउन्डेशन	नाटकः वन हैं तो हम हैं लेखक,निर्देशक–संदीप यादव	20 जून 2019	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ

8

8

(ब) ग्रामीण, अनाथ, बेसहारा एवं अपवंचित वर्ग के बच्चों के कल्याण तथा उनके प्रति सामाजिक संवेदनशील को जागृत करने हेतु नाट्य कार्यशालाएँ–नाट्य मंचन

क्रम	कार्यशाला समयावधि एवं स्थल	नाटक, लेखक, निर्देशक	मंचन तिथि	मंचन स्थान
1.	दस दिवसीय अप्रैल 2002 (सहभागी शिक्षण केन्द्र, बख्शी का तालाब, लखनऊ) सौजन्य–सी.आर.एस.उत्तर भारत)	नाटकः खुदी को कर बुलन्द इतना ले0निर्देशक–ललित सिंह पोखरिया सहायक नि0–सुखेश मिश्रा	अप्रैल, 2002	सहभागी शिक्षण केन्द्र बख्शी तालाब, लखनऊ
2.	दस दिवसीय सितम्बर 2002 पर्यटक आवास गृह चित्रकूट (उ0प्र0) सौजन्य–सी0आर0एस0– नार्थ इण्डिया ग्रामोदय संस्थान राजापुर चित्रकूट	नाटकः जब दिया जलेगा, सबसे बड़ा वरदान, इंसान बनो लेखक नि0– ललित सिंह पोखरिया सहायक नि0– सुखेश मिश्रा,परमेश वर्मा,राजेश श्रीवास्तव	18 सितम्बर 2002	पर्यटक आवास गृह चित्रकूट (उ0प्र0)
3.	पाँच दिवसीय जनवरी–2003 लोकार्पण–बेला विधूना, जनपद औरय्या (उ0प्र0)सौजन्यः सी.आर.एस. नार्थ इण्डिया, लोकार्पण–औरय्या (उ0प्र0)	नाटकः जब दिया जलेगा सबसे बड़ा वरदान ले0–नि0–ललित सिंह पोखरिया सहायक–सुखेश मिश्र	07 जनवरी–2003	लोकार्पण संस्था, बेला विधूना जनपद–औरय्या
4.	त्रैमासिक 16 अगस्त से 14 नवम्बर 2003 (एहसास–अम्बालिका बिल्डिंग चारबाग–लखनऊ सौजन्य–एहसास, लखनऊ (रेलवे स्टेशन पर जीवन संघर्ष कर रहे बच्चों की नाट्य कार्यशाला)	नाटकः एक अनोखा बचपन लेखक–नि0–ललित सिंह पोखरिया	14 नवम्बर 2003	रवीन्द्रालय, लखनऊ
5.	तीस दिवसीय 21 जून से 21 जुलाई 2004 (एहसास संस्था, ए.पी.सेन रोड, लखनऊ) सौजन्य–सर्च फार इण्डिया	नाटकः इंसान बनो लेखक निर्देशनः ललित सिंह पोखरिया	22 जुलाई 2004	राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह लखनऊ
6.	पैंतालीस दिवसीय 20 मई से 3 जुलाई 2007 एहसास बाल केन्द्र विकास नगर, लखनऊ (सौ0–राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नयी दिल्ली)	नाटक सफ़र साहसी सोनू का ले0नि0 ललित सिंह पोखरिया	03 जुलाई 2007	वाल्मीकि रंगशाला, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी लखनऊ
7.	पाँच दिवसीय (5 मार्च से 09 मार्च 2008) भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ	प्रशिक्षक –जोआन शेरमन, सारा–बॉड स्ट्रीट थियेटर न्यूयार्क) –जमील, अली (अफ़ग़ाइल थियेटर काबुल) –सुभाष रावत, रीना (पूर्वाभ्यास थियेटर–दिल्ली	केवल कार्यशाला	–

8.	नाट्य मंचन–काइट्सटेल कलाकार– 1–माइकल मैकुगन,2–जोआना शेरमन 3–सारा (बॉण्ड स्ट्रीट थियेटर) 4–जमील 5–अली,(एक्ज़ाइल थियेटर काबुल–अफगानिस्तान) 6– सुभाष रावत 7–रीना (पूर्वाभ्यास थियेटर दिल्ली)	सामूहिक प्रयास	3 मार्च से 13 मार्च 2008	गढ़ी कनौरा मलिन बस्ती बालू बड्डा–मलिनबस्ती एहसास–चारबाग केन्द्र, एहसास–विकास नगर केन्द्र, लीलावती मुंशी बालिकागृह, ज्योतिकिरण स्कूल, मित्रपुर गाँव, कुर्सी रोड. लखनऊ देवा–जिला बाराबंकी
9.	पाँच दिवसीय (05 मार्च से 9 मार्च 2008) देवा–बाराबंकी	प्रशिक्षक: जोआन शेरमन, माइकल मेकुगन, सारा (बॉड स्ट्रीटथियेटर–न्यू यॉर्क) जमील, अली (अक्ज़ाइल थियेटर, काबुल अफगानिस्तान) सुभाष रावत, रीना मिश्रा (पूर्वाभ्यास थियेटर–दिल्ली)	केवल कार्यशाला	–
10.	पन्द्रह दिवसीय 11 अप्रैल से 25 अप्रैल 2009 (अहिरनपुरवा प्राथमिक विद्यालय, छतामील, लखनऊ) (सौजन्य पृथ्वी इनोवेशन्स) ग्रामीण बच्चों की कार्यशाला	नाटक: बहादुर चिड़िया लेखक–निर्देशक– ललित सिंह पोखरिया सहायक संदीप यादव	26 अप्रैल 2009	आई0आई0एम0 प्रेक्षागृह लखनऊ
11.	पैंतालीस दिवसीय 16 मई से 30 जून 2010 (एहसास बालकेन्द्र–इन्दिरानगर, लखनऊ) के बच्चों की कार्यशाला	नाटक–बहादुर चिड़िया लेखक–निर्देशक– ललित सिंह पोखरिया	01 जुलाई 2010	बी0एम0 शाह प्रेक्षागृह भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ
12.	चारबाग़ रेलवे स्टेशन पर जीवन संघर्ष कर रहे पुनर्वासित बच्चों की नाट्य प्रस्तुति	नाटक–यात्री सुरक्षा जिम्मेदार कौन लेखक–निर्देशक ललित सिंह पोखरिया	20 दिसम्बर 2012	चारबाग रेवले स्टेशन लखनऊ
13.	चारबाग रेलवे स्टेशन लखनऊ में जीवन संघर्ष कर रहे पुनर्वासित बच्चों की नाट्य प्रस्तुति	नाटक–असली आज़ादी लेखक–निर्देशक– ललित सिंह पोखरिया	13 अगस्त 2014	चारबाग रेलवे स्टेशन लखनऊ

रंगमंच के माध्यम से अन्य सामाजिक–मानवीय सरोकार के कार्य

- **नारी सशक्तीकरण हेतु ग्रामीण महिलाओं की प्रस्तुतिपरक नाट्यकार्यशाला–2004**
  सौजन्यः महिला समाख्या–प्रतापगढ़ (उ0प्र0)
  आयोजन स्थलः महिला समाख्या केन्द्र, प्रतापगढ़ (उ0प्र0)
  नाटकः हे जगजननी, लेखक–ललित सिंह पोखरिया प्रशिक्षक–सुखेश मिश्रा, भूपेन्द्र सिंह

- **ग्रामीण लोक कलाकारों की अभिव्यक्ति क्षमता के विकास हेतु नाट्य कार्यशाला–2004**
  सौजन्यः विज्ञान फाउन्डेशन, इन्दिरा नगर, लखनऊ
  आयोजन स्थलः पारिजात गेस्ट हाउस, इन्दिरा नगर, लखनऊ
  प्रशिक्षकः ललित सिंह पोखरिया

- **श्रमिक बन्धुओं के कल्याणार्थ नाट्य कार्यशाला–2004**
  सौजन्यः विज्ञान फाउन्डेशन, इन्दिरा नगर, लखनऊ
  आयोजन स्थलः श्रमिक भवन, गोमती दायाँ तट, लखनऊ
  प्रशिक्षक–ललित सिंह पोखरिया

- **दृष्टिबाधित बच्चों की प्रतिभा उजागर करने हेतु सृजनात्मक सहयोग–2005**
  सौजन्यः सर्च फाउन्डेशन
  आयोजन स्थलः राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ
  प्रशिक्षक– वन्दना तिवारी

- **कुमाँऊनी लोक संस्कृति के संरक्षण हेतु लोक संस्कृति पर्व–2006**
  आयोजन स्थलः राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ
  निर्देशक– गिरीश जोशी

- **आहार्य अभिनय के महत्वपूर्ण अंग मुखौटों के निर्माण की कार्यशाला–2007**
  आयोजन स्थलः उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी परिसर, लखनऊ
  प्रशिक्षक– ललित सिंह पोखरिया

- **शास्त्रीय एवं लोक नृत्य–गीत में नवोदित प्रतिभाओं को प्रोत्साहन हेतु कार्यक्रम–2009**
  आयोजन स्थलः कुर्मांचल सामुदायिक केन्द्र प्रांगण, लखनऊ
  प्रशिक्षक– प्रद्युम्न सिंह बिष्ट, यवनिका पंत

- **विकलांगता निवारण हेतु मलिन बस्तियों और पुराने मोहल्लों में नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन–2009–10 (15 मंचन)**
  सौजन्यः स्पार्क इण्डिया एवं ज्योति किरण स्कूल– खदरा, लखनऊ
  नाटक– जब जागो तभी सवेरा
  लेखक–निर्देशक– ललित सिंह पोखरिया

साहित्य, लोक, पर्यावरण जैसे विषयों से सम्बन्धित गोष्ठियाँ तथा अन्य सृजनात्मक आयोजन

सन् 2005

दिनांक: 20 मई, 2005
मोहन राकेश की सुप्रसिद्ध नाट्यकृति "आधे-अधूरे" का अभिनयपरक पाठ
सौजन्य: भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ
प्रस्तुति स्थल: उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ

सन् 2007

दिनांक. 15 जनवरी, 2007 स्थान: राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ
बच्चों में नैतिकता, राष्ट्रीय एवं मानवीय चेतना जागृत करने के उद्देश्य से कवि- घन सिंह मेहता 'अंजान' के बाल कविता संग्रह 'महकी माटी भारत की' का विमोचन एवं परिचर्चा
चर्चाकार: पं0 लीलाधर शर्मा 'पर्वतीय' (प्रसिद्ध साहित्यकार एवं पूर्व निदेशक- उ0प्र0 हिन्दी संस्थान, लखनऊ
डॉ0 रंगनाथ मिश्र डॉ0 संगम लाल मालवीय, श्री उमेश जोशी एवं श्री गोविन्द पंत राजू

दिनांक: 11 मार्च 2007
'लोक संस्कृति के विद्रूपीकरण' विषय पर विचार गोष्ठी: उत्तराखण्डी भवन, विकास नगर, लखनऊ

सन् 2008

दिनांक: 06 जनवरी, 2008 स्थान: राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, लखनऊ
लोक कलाकार सम्मान एवं विचार गोष्ठी
नाट्यधर्मी वीरगाथा शैली 'भड़ौ के महागायक झुसिया दमाई की स्मृति में प्रख्यात लोक कवि, लोक चिंतक, रंगकर्मी-गिरीश तिवारी 'गिर्दा' और हुड़का वादक मोहन सिंह बिष्ट को सम्मान।
चर्चाकार: प्रख्यात साहित्यकार शेखर जोशी, वरिष्ठ पत्रकार-मदन मोहन बहुगुणा, गिरीश तिवारी 'गिर्दा', वरिष्ठ पत्रकार- नवीन जोशी एवं वरिष्ठ पत्रकार- गोविन्द पंत राजू आदि।

दिनांक: 05 जुलाई 2008 स्थान: निराला सभागार उ0प्र0 हिन्दी संस्थान, लखनऊ
प्रसिद्ध गीतकार एवं कवि श्री घन सिंह मेहता 'अंजान के काव्य संग्रह 'संवाद' का विमोचन एवं विचार गोष्ठी।

सन् 2010

दिनांक: 26 अप्रैल 2010
शेक्सपियर के नाटकों का पाठ
आयोजन स्थल: ऑडीमेक्स स्टुडियो, लक्ष्मणपुरी- लखनऊ

दिनांकः 09 सितम्बर 2010

जनकवि गिरीश तिवारी 'गिर्दा' की जयन्ती एवं विचार गोष्ठी।

आयोजन स्थलः निराला सभागार, उ0प्र0 हिन्दी संस्थान, लखनऊ

दिनांकः 04 अक्टूबर 2010

ललित सिंह पोखरिया के नाटक 'दिल्ली-6' का विमोचन एवं विचार गोष्ठी

विजय तेन्दुलकर के नाटक 'एक ज़िद्दी लड़की' और देवेन्द्र राज अंकुर की कृति 'दूसरे नाट्यशास्त्र की खोज' पर परिचर्चा।

आयोजन स्थलः राष्ट्रीय पुस्तक मेला बलरामपुर गार्डनः लखनऊ

सन् 2011

दिनांकः 12 जनवरी 2011

युवा दिवस (विवेकानन्द जयन्ती) पर गोष्ठीः 'रंगमंच, युवा वर्ग और नैतिक मूल्य'

आयोजन स्थलः उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ

दिनांकः 14 से 16 जनवरी 2011

समाजोपयोगी पुस्तकों की प्रदर्शनी,

दिनांकः 15 जनवरी, 2015

लोकगीत एवं लोकनृत्य कार्यक्रम

आयोजन स्थलः उत्तरायणी मेला, महानगर रामलीला मैदान, लखनऊ

दिनांकः 16 से 18 मार्च, 2011

राष्ट्रीय संस्कृत नाट्य संगोष्ठी

मुख्य वक्ताः पद्मश्री राज बिसारिया- संस्थापक निदेशक, भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ

प्रोफेसर राधा बल्लभ त्रिपाठी- कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान भारत सरकार, नयी दिल्ली

भारतरत्न भार्गव- वरिष्ठ रंगकर्मी एवं सेवानिवृत्त उपसचिव- केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी, नयी दिल्ली।

डॉ0 राजेन्द्र उपाध्याय- वरिष्ठ रंग निर्देशक, वाराणसी, (उ0प्र0)

डॉ0 कृष्णा जी श्रीवास्तव- विभागाध्यक्ष- हिन्दी, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ

दिनांक 27 अप्रैल, 2011

राजीव मिश्र के चित्रों की प्रदर्शनी

आयोजन स्थलः भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ

दिनांक 05 जून, 2011

चित्रकार मदन लाल नागर जी की जयन्ती पर विचार गोष्ठी

आयोजन स्थलः उत्तराखण्डी संग्रहालय, विकास नगर, लखनऊ

दिनांक 19 जून, 2011

नन्द कुमार उप्रेती जी के रचना संग्रह का विमोचन एवं विचार गोष्ठी

आयोजन स्थलः बी0एम0 शाह प्रेक्षागृह, भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ

सन् 2012

दिनांकः 12 फरवरी 2012

रश्मि बड़थ्वाल की पुस्तक 'बैताल प्रश्नों के बीच' पर विचार गोष्ठी

आयोजन स्थलः उत्तराखण्ड परिषद, कूर्मांचल नगर-लखनऊ

सन् 2013

दिनांकः 15 दिसम्बर 2013

नाटक- 'गुलाम रिश्ते' (लेखक-मो0 असलम खान) का विमोचन एवं विचार गोष्ठी

आयोजन स्थलः वाल्मीकि रंगशाला, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ

सन् 2015

दिनांकः 10 सितम्बर 2015

प्रख्यात जनकवि गिरीश तिवारी "गिर्दा" के जन्मदिवस पर विचार गोष्ठी

आयोजन स्थलः जयशंकर प्रसाद सभागार, लखनऊ

14

14

प्रारूप-9

नियम 8(2) देखिये

संख्या 03930/2021-2022

दिनांक 24/12/2021

सोसाइटी के नवीनीकरण का प्रमाण-पत्र

(अधिनियम संख्या 21, 1860 के अधीन)

नवीनीकरण संख्या:R/LUC/13335/2021-2022

पत्रावली संख्या:I-132567 दिनांक:2001-2002

एतदद्वारा प्रमाणित किया जाता है कि **निसर्ग, सी-136/14,शिवानी विहार,कल्याणपुर, लखनऊ, लखनऊ , 226022** को दिये गये रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र संख्या- 1297/2001-2002 दिनांक-26/09/2001 को दिनांक-26/09/2021 से पांच वर्ष की अवधि के लिए नवीनीकृत किया गया है ।

1150 रुपये की नवीनीकरण फ़ीस सम्यक् रूप से प्राप्त हो गयी है ।

Digitally Signed By
(VINAY KUMAR SRIVASTAVA)
37DB1857CADDAF8F210B104D9790F0BEF56E7C4A
Date: 24/12/2021 2:29:14 PM, Location: Lucknow.

जारी करने का दिनांक-24/12/2021

सोसाइटी के रजिस्ट्रार,
उत्तर प्रदेश ।

निरार्ग पता– सी–136/14, शिवानी विहार,कल्याणपुर, लखनऊ के प्रबन्धकारिणी समिति की सूची

वर्ष 2021–2022

क0सं0	नाम/पिता का नाम	पता	पद	व्यवसाय
1–	ललित सिंह पोखरिया पुत्र स्व0 चंचल सिंह पोखरिया	सी–136/14, शिवानी विहार,कल्याणपुर, विकास नगर, लखनऊ उत्तर प्रदेश–226022	अध्यक्ष	रंगकर्मी/ साहित्यकार
2–	श्री अभिषेक मिश्रा पुत्र श्री रविशंकर मिश्रा	ई–1/27,सेक्टर–बी,अलीगंज, लखनऊ पिन–226024	उपाध्यक्ष	रंगकर्मी/ अधिवक्ता
3–	श्री जय तिवारी पुत्र श्री राज कुमार तिवारी	17/864,सेक्टर–17,इन्दिरानगर,लखनऊ पिन–226016	सचिव	रंगकर्मी
4–	श्रीमती सीमा अग्रवाल पत्नी श्री राजेश कुमार अग्रवाल	सी–2192,राजाजीपुरम, लखनऊ पिन–226017	संयुक्त सचिव	रंगकर्मी/ शिक्षिका
5–	श्री गौरव तिवारी पुत्र श्री अरूणेश तिवारी	570/1158,गोपालपुरी,आलमबाग, लखनऊ	कोषाध्यक्ष	रंगकर्मी
6–	श्रीमती लक्ष्मी पोखरिया पत्नी श्री ललित सिंह पोखरिया	सी–136/14, शिवानी विहार,कल्याणपुर, लखनऊ	सदस्य	समाजसेवी
7–	श्री विकास दिवाकर पुत्र श्री राम प्रकाश	538ए/701ए, शिवपुरम, त्रिवेणीनगर–03 सीतापुर रोड,लखनऊ पिन–226020	सदस्य	रंगकर्मी

–सत्य प्रतिलिपि –

हस्ताक्षर–

1

2

3 लक्ष्मी

4. Vikas Diwaker

सत्य प्रतिलिपि

प्रधान सहायक
कार्यालय डिप्टी रजिस्ट्रार
फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स
लखनऊ मण्डल लखनऊ
30.12.2021

5 R$

INDIA

पाँच रुपये

पाँच रुपये

सत्यमेव जयते

FIVE RUPEES भारत FIVE RUPEES

[illegible] जनरल स्टाम्प पेपर [illegible]

[illegible] फाइल नं० / 132565

के [illegible] के साथ संलग्न है।

सत्य प्रतिलिपि

डिप्टी रजिस्ट्रार

[illegible] फर्म्स [illegible] सोसाइटीज

9/10/2001

कार्यालय रजिस्ट्रार फर्म्स [illegible]

सत्यमेव जयते

उत्तर प्रदेश लखनऊ

9– प्रबन्धकारिणी समिति के पदाधिकारियों व सदस्यों के नाम, पद, पते तथा व्यवसाय जिनको संस्था के नियमानुसार कार्यभार सौंपा गया है।

क्र.सं.	नाम	पता	पद	व्यवसाय
1.	श्री ललित सिंह पोखरिया पुत्र स्व0श्री चंचल सिंह पोखरिया	सी–136/14, शिवानी विहार कल्याणपुर, लखनऊ।	अध्यक्ष	रंगकर्म
2.	श्री भूपेश जोशी पुत्र श्री केशवदत्त जोशी	529के–82/41, खुर्रमनगर, लखनऊ।	उपाध्यक्ष	रंगकर्म
3.	श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र श्री उमराव सिंह चौहान	1/402, विकास नगर लखनऊ।	सचिव	रंगकर्म
4.	श्रीमती लक्ष्मी पोखरिया पत्नी श्री ललित सिंह पोखरिया	सी–136/14, शिवानी विहार कल्याणपुर, लखनऊ।	संयुक्त सचिव	गृहणी
5.	श्री संजय माथुर पुत्र स्व0श्री आर0बी0 लाल	309, ड्रीमविला, एल्डिकोग्रीन, गोमती नगर लखनऊ।	कोषाध्यक्ष	वृत्त–कथा चित्र निर्माण
6.	डा0 (श्रीमती) सारिका माथुर पत्नी श्री संजय माथुर	309, ड्रीमविला, एल्डिकोग्रीन, गोमती नगर, लखनऊ।	सदस्य	अध्यापन
7.	श्री दिगम्बर सिंह चौहान पुत्र श्री उमराव सिंह चौहान	ग्राम– अंगाऊँ, पोस्ट– खटीमा, ज़िला– ऊधमसिंह नगर (उ0)।	सदस्य	स्वरोजगार

हम निम्नहस्ताक्षरकर्ता उपरोक्त स्मृति पत्र के अनुसार इस संस्था को सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन एक्ट 21 सन् 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत कराना चाहते हैं।

सत्य प्रतिलिपि

डिप्टी रजिस्ट्रार
चिट फण्ड फर्म्स तथा सोसाइटीज

18

स्वास्थ्य आदि बुनियादी ज़रूरतों को केन्द्र में रखकर सृजनात्मक योजनाओं को संचालित करना।

9. फ़िल्म, टेलीविज़न एवं रेडियो जैसे प्राविधिक दृश्य–श्रव्य माध्यमों के लिए संस्था के उद्‌देश्यानुरूप कथा–चित्र, वृत्त–चित्र और कथा धारावाहिकों का निर्माण करना।

10. फिल्म निर्माण के सभी पक्षों के लिए विधिवत् प्रशिक्षण संचालित करना।

11. संगीत, नृत्य, चित्रकला, मूर्तिकला सहित समस्त शिल्पकलाओं के प्रचार–प्रसार एवं उत्थान के लिए सभी सम्भव प्रयास करना।

12. मानवीय संवेदना एवं दर्शन से उद्‌भूत भारत की लोककलाओं, परम्पराओं एवं अन्य लोक तत्वों के संरक्षण, प्रचार–प्रसार हेतु सभी सम्भव माध्यमों से सृजनात्मक कार्य तथा शोध, सर्वेक्षण एवं अभिलेखीकरण करना।

13. संस्था के उद्‌देश्यानुरूप नाटक, उपन्यास, कहानी, कविता, निबन्ध, प्रबन्ध, संदर्भ एवं शोध ग्रन्थों का तथा आध्यात्मिक ग्रंथों का संकलन, प्रकाशन एवं प्रचार–प्रसार करना।

14. संस्था के उद्‌देश्यानुरूप त्रैमासिक/अर्द्धवार्षिक पत्रिका का अव्यावसायिक प्रकाशन करना।

15. संस्था के कार्यों को आवश्यकतानुसार बृहदस्वरूप प्रदान करने हेतु प्रचार–प्रसार के सभी माध्यमों का सृजनात्मक उपयोग करना।

16. संस्था के समस्त सृजनात्मक पक्षों पर गोष्ठी, सेमिनार आदि आयोजित करना।

17. ऐसी राष्ट्रीय विभूतियों को जिन्होंने अपने व्यावहारिक या सृजनात्मक जीवन में संस्था के उद्‌देश्यानुसार मानवता के समग्र हित में उल्लेखनीय कार्य किया हो, उन्हें सम्मानित एवं पुरस्कृत करना।

18. सम्पूर्ण संसार में अद्वैतवाद की स्थापना के लिए उपरोक्त समग्र सृजनकर्म के अतिरिक्त योग एवं आध्यात्मिक सम्मेलन तथा कार्यक्रमों को आयोजित करना।

क्रमशः .....3..

सत्य प्रतिलिपि
डिप्टी रजिस्ट्रार
चिट फन्ड फर्म्स तथा सोसाइटीज
उ० प्र० लखनऊ

नियमावली

(1) संस्था का नाम : निसर्ग

(2) संस्था का पता : सी–136/14, शिवानी विहार
कल्याणपुर, लखनऊ।

(3) संस्था का कार्यक्षेत्र : सम्पूर्ण भारत।

(4) संस्था की सदस्यता तथा सदस्यों के वर्ग

संस्था की सदस्यता ग्रहण हेतु वही व्यक्ति पात्र हो सकता है जिसका चाल–चलन अच्छा हो, मस्तिष्क स्वस्थ हो व 21 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुका हो।

सामान्य सदस्य

जो व्यक्ति संस्था के उद्देश्यों में आस्था रखने के साथ साथ रू0 50/– (रूपया पचास मात्र) वार्षिक सदस्यता शुल्क निःस्वार्थ भाव से अदा करेंगे, वे संस्था के सामान्य सदस्य होंगे।

(5) सदस्यता की समाप्तिः

1– मृत्यु हो जाने पर।
2– पागल या दिवालिया हो जाने पर।
3– संस्था के उद्देश्यों के विपरीत कार्य करने पर।
4– किसी न्यायालय द्वारा नैतिक अपराध में दण्डित होने पर।
5– लगातार तीन बैठकों में अनुपस्थित रहने पर।
6– त्याग पत्र या अविश्वास प्रस्ताव पारित होने पर।
7– नियमित रूप से सदस्यता शुल्क न देने पर।
8– संस्था द्वारा निर्धारित शुल्क की अदायगी न करने पर।

(6) संस्था के अंगः

अ– साधारण सभा
ब– प्रबन्धकारिणी समिति

(7) साधारण सभा–

(अ) गठनः साधारण सभा का गठन सामान्य सदस्यों को मिलाकर किया जायेगा।

(ब) बैठकें:

1. सामान्य बैठक

साधारण सभा की सामान्य बैठक साल में एक बार हुआ करेगी।

सत्य प्रतिलिपि
डिप्टी रजिस्ट्रार
फर्म्स सोसाइटीज़ तथा चिट्स
उ0 प्र0, लखनऊ

क्रमशः .....2...

2. विशेष बैठक

साधारण सभा के दो–तिहाई सदस्यों के अनुरोध पर वर्ष में एक बार हुआ करेगी।

(स) सूचना अवधिः

साधारण सभा की सामान्य बैठक की सूचना डाक अथवा एजेण्डा द्वारा सभी सदस्यों को बैठक के 7 दिन पूर्व व विशेष बैठक की सूचना 24 घण्टे के भीतर दी जायेगी।

(द) गणपूर्तिः

साधारण सभा की गणपूर्ति के लिये कुल सदस्य संख्या का 2/3 सदस्यों का बहुमत आवश्यक होगा। सभी प्रस्ताव कुल उपस्थित सदस्यों के दो तिहाई बहुमत से पारित किये जायेंगे।

(य) विशेष वार्षिक अधिवेशनः

विशेष वार्षिक अधिवेशन प्रत्येक वर्ष आयोजित किया जायेगा जिसके स्थान, तिथि एवं समय की सूचना प्रबन्धकारिणी समिति द्वारा दी जायेगी।

(र) साधारण सभा के अधिकार एवं कर्तव्यः

1– प्रबन्धकारिणी समिति का निर्वाचन करना।

2– संस्था का वार्षिक बजट पास करना एवं गत वर्ष के आय–व्यय व कार्यकलापों की पुष्टि करना।

3– प्रबन्ध कारिणी के कार्यकलापों की समीक्षा करना।

(8) प्रबन्धकारिणी समितिः

(अ) गठनः साधारण सभा द्वारा निर्वाचित सदस्यों को मिलाकर प्रबन्धकारिणी समिति का गठन होगा, जिसमें अध्यक्ष–एक उपाध्यक्ष–एक, सचिव–एक, कोषाध्यक्ष–एक, संयुक्त सचिव–एक, और सदस्य–दो, इस प्रकार कुल संख्याः 07 (सात) होगी।

(ब) बैठकें:

1. सामान्य बैठक–

प्रबन्धकारिणी समिति की सामान्य बैठक साल में एक बार आयोजित की जायेगी।

सत्य प्रतिलिपि

डिप्टी रजिस्ट्रार
फर्म्स सोसाइटीज

क्रमशः .....3...

2. विशेष बैठक

विशेष बैठक प्रबन्धकारिणी के सदस्यों व पदाधिकारियों के अनुरोध पर कभी भी बुलाई जा सकती है।

(स) सूचना अवधिः

प्रबन्धकारिणी समिति की सामान्य बैठक की सूचना डाक अथवा एजेण्डा द्वारा सभी सदस्यों एवं पदाधिकारियों को 03 दिन पूर्व व विशेष बैठक की सूचना 24 घण्टे पूर्व दी जायेगी।

(द) गणपूर्तिः

प्रबन्धकारिणी समिति की गणपूर्ति के लिये कुल सदस्यों में से दो तिहाई सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक होगी।

(य) रिक्त स्थानों की पूर्तिः

प्रबन्धकारिणी समिति के अन्दर रिक्त स्थान होने पर उसकी पूर्ति साधारण सभा के 2/3 सदस्यों के बहुमत द्वारा शेष काल के लिये की जायेगी।

(र) प्रबन्धकारिणी समिति के अधिकार एवं कर्तव्यः

1— संस्था के विकास के लिये आवश्यक कार्य करना।

2— संस्था का वार्षिक बजट एवं वार्षिक रिपोर्ट तैयार करना।

3— संस्था के कार्यों हेतु धन की व्यवस्था करना।

(ल) कार्यकालः

प्रबन्धकारिणी समिति का कार्यकाल 5 साल का होगा।

(9) प्रबन्धकारिणी समिति के पदाधिकारियों के अधिकार एवं कर्तव्यः

अध्यक्षः

1— सभी प्रकार की बैठकों की अध्यक्षता करना।

2— बैठकों के लिये तिथियों का निर्धारण करना, परिवर्तन करना व बैठकों को स्थगित करना।

3— सभी प्रकार के सरकारी, गैर—सरकारी कार्यालयों में संस्था का प्रतिनिधित्व करना, सदस्यों/कर्मचारियों की भर्ती व निष्कासन की पुष्टि करना तथा सदैव समिति के हित में कार्य करना।

सत्य प्रतिलिपि

डिप्टी रजिस्ट्रार
चिट फण्ड फर्म्स तथा सोसाइटीज

क्रमशः .....4...

उपाध्यक्षः

अध्यक्ष की अनुपस्थिति में अध्यक्ष द्वारा प्रदत्त अधिकारों का निर्वहन करना व उसके कार्यों में सहयोग प्रदान करना।

सचिव

संस्था के सभी प्रकार के लेखों–जोखों का रख–रखाव करना, प्रत्येक बैठक की कार्यवाही को रजिस्टर में दर्ज करना, पिछली बैठक की कार्यवाही की पुष्टि करना, सभी सरकारी अथवा गैर सरकारी कार्यालयों में संस्था की ओर से पत्र व्यवहार करना।

संयुक्त सचिव

सचिव की अनुपस्थिति में सचिव के दायित्वों का निर्वहन करना।

कोषाध्यक्षः

सभी प्रकार के चन्दे, दान, अनुदान, शुल्क प्राप्त करना तथा उन्हें संस्था के नाम से खाता खोलकर उसका संचालन करना।

(10) संस्था के नियमों एवं विनियमों में संशोधन प्रक्रियाः

संस्था के नियमों एवं विनियमों में संशोधन, परिवर्तन एवं परिवर्धन साधारण सभा के 2/3 बहुमत द्वारा किया जायेगा।

(11) संस्था का कोषः

दान, चन्दा, अनुदान एवं सृजनात्मक कार्यों से अर्जित धन से संस्था का कोष बनाया जायेगा जिसे संस्था के नाम से राष्ट्रीयकृत बैंक में रखा जायेगा। बैंक में खाते का संचालन अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष द्वारा किया जायेगा। धनराशि को खाते से अध्यक्ष एवं कोषाध्यक्ष के संयुक्त हस्ताक्षर से निकाला जायेगा।

(12) संस्था के आय–व्यय का लेखा परीक्षण (आडिट):

संस्था के आय–व्यय का लेखा परीक्षण प्रति वर्ष सुयोग्य ऑडिटर द्वारा कराया जायेगा।

सत्य प्रतिलिपि

डिप्टी रजिस्ट्रार
फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स
उ० प्र०, लखनऊ

क्रमशः .....5...

निसर्ग पता– सी–139, शिवानी विहार,कल्याणपुर, लखनऊ के प्रबन्धकारिणी समिति की सूची

वर्ष 2020–2021

क0सं0	नाम / पिता का नाम	पता	पद	व्यवसाय
1–	ललित सिंह पोखरिया पुत्र स्व0चंचल सिंह पोखरिया	सी–136 / 14, शिवानी विहार,कल्याणपुर, विकास नगर, लखनऊ उत्तर प्रदेश–226022	अध्यक्ष	रंगकर्म
2–	श्री भूपेश जोशी पुत्र श्री केशव दत्त जोशी	124,शंकर मार्ग, सडक नं0 5, आंड, 7, मदर कान्वेन्ट विद्यालय, मंडावली,फजलपुर मंडावली, फाजलपुर, लक्ष्मीनगर,(पूर्वी डेल्ही) पूर्वी दिल्ली, दिल्ली, 110092	उपाध्यक्ष	रंगकर्म
3–	श्री भूपेन्द्र सिंह पुत्र श्री उमराव सिंह चौहान	अमाउ, खटीमा, उधम सिंह नगर, उत्तराखण्ड–262308	सचिव	रंगकर्म
4–	श्रीमती लक्ष्मी पोखरिया पुत्र श्री ललित सिंह पोखरिया	सी–136 / 14, शिवानी विहार,कल्याणपुर, लखनऊ	संयुक्त सचिव	गृहणी
5–	श्री संजय माथुर पुत्र स्व0आर0के0लाल	309,ड्रीमविला,एल्डिको ग्रीन,गोमतीनगर, लखनऊ	कोषाध्यक्ष	वृत्त कथा चित्रनिर्माण
6–	डा0(श्रीमती) सारिका माथुर पत्नी श्री संजय माथुर	309,ड्रीमविला,एल्डिको ग्रीन,गोमतीनगर, लखनऊ	सदस्य	अध्यापन
7–	श्री दिगम्बर सिंह चौहान पुत्र श्री उमराम सिंह चौहान	सी–136 / 14,शिवानी विहार, नियर–रामलीला मैदान, कल्याणपुर,कल्याणपुर, लखनऊ उत्तर प्रदेश, 226002	सदस्य	स्वरोजगार

–सत्य प्रतिलिपि –

हस्ताक्षर–

1

2

3

4. Digamber

सत्य प्रतिलिपि

प्रधान सहायक
कार्यालय जिला रजिस्ट्रार
फर्म सोसाइटीज तथा चिट्स
17.11.2020

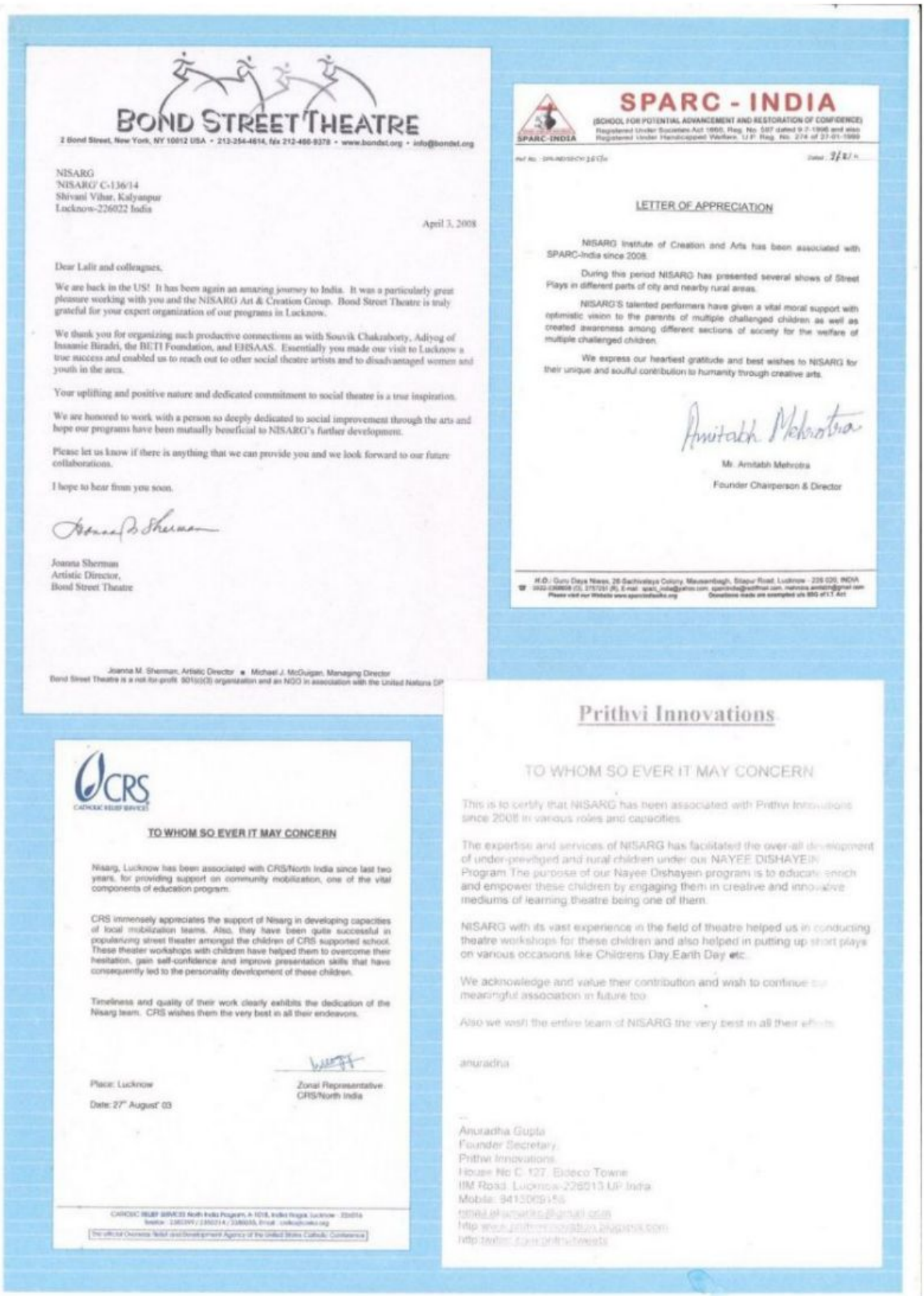

BOND STREET THEATRE

2 Bond Street, New York, NY 10012 USA • 212-254-4614, fax 212-460-9378 • www.bondst.org • info@bondst.org

NISARG
'NISARG' C-136/14
Shivani Vihar, Kalyanpur
Lucknow-226022 India

April 3, 2008

Dear Lalit and colleagues,

We are back in the US! It has been again an amazing journey to India. It was a particularly great pleasure working with you and the NISARG Art & Creation Group. Bond Street Theatre is truly grateful for your expert organization of our programs in Lucknow.

We thank you for organizing such productive connections as with Souvik Chakraborty, Adiyog of Insaanie Biradri, the BETI Foundation, and EHSAAS. Essentially you made our visit to Lucknow a true success and enabled us to reach out to other social theatre artists and to disadvantaged women and youth in the area.

Your uplifting and positive nature and dedicated commitment to social theatre is a true inspiration.

We are honored to work with a person so deeply dedicated to social improvement through the arts and hope our programs have been mutually beneficial to NISARG's further development.

Please let us know if there is anything that we can provide you and we look forward to our future collaborations.

I hope to hear from you soon.

Joanna Sherman
Artistic Director,
Bond Street Theatre

Joanna M. Sherman, Artistic Director • Michael J. McGuigan, Managing Director
Bond Street Theatre is a not-for-profit 501(c)(3) organization and an NGO in association with the United Nations DP

SPARC - INDIA

(SCHOOL FOR POTENTIAL ADVANCEMENT AND RESTORATION OF CONFIDENCE)
Registered Under Societies Act 1860, Reg. No. 587 dated 9-7-1998 and also Registered Under Handicapped Welfare, U.P. Reg. No. 274 of 27-01-1999

Ref. No.: SPK-IND/10-CH/ 16 (?) Dated: 9/2/1

LETTER OF APPRECIATION

NISARG Institute of Creation and Arts has been associated with SPARC-India since 2008.

During this period NISARG has presented several shows of Street Plays in different parts of city and nearby rural areas.

NISARG'S talented performers have given a vital moral support with optimistic vision to the parents of multiple challenged children as well as created awareness among different sections of society for the welfare of multiple challenged children.

We express our heartiest gratitude and best wishes to NISARG for their unique and soulful contribution to humanity through creative arts.

Mr. Amitabh Mehrotra
Founder Chairperson & Director

H.O.: Guru Daya Niwas, 28 Sachivalaya Colony, Mausambagh, Sitapur Road, Lucknow - 226 020, INDIA
0522-2368808 (O), 2757291 (R), E-mail: sparc_india@yahoo.com, sparcindia@rediffmail.com, mehrotra.amitabh@gmail.com
Please visit our Website www.sparcindiaolko.org Donations made are exempted u/s 80G of I.T. Act

CRS
CATHOLIC RELIEF SERVICES

TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN

Nisarg, Lucknow has been associated with CRS/North India since last two years, for providing support on community mobilization, one of the vital components of education program.

CRS immensely appreciates the support of Nisarg in developing capacities of local mobilization teams. Also, they have been quite successful in popularizing street theater amongst the children of CRS supported school. These theater workshops with children have helped them to overcome their hesitation, gain self-confidence and improve presentation skills that have consequently led to the personality development of these children.

Timeliness and quality of their work clearly exhibits the dedication of the Nisarg team. CRS wishes them the very best in all their endeavors.

Place: Lucknow

Date: 27th August' 03

Zonal Representative
CRS/North India

CATHOLIC RELIEF SERVICES North India Program, A-1018, Indira Nagar, Lucknow - 226016
Telefax: 2380399 / 2350214 / 2386035, Email: crslko@crslko.org

The official Overseas Relief and Development Agency of the United States Catholic Conference

Prithvi Innovations

TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN

This is to certify that NISARG has been associated with Prithvi Innovations since 2008 in various roles and capacities.

The expertise and services of NISARG has facilitated the over-all development of under-previliged and rural children under our NAYEE DISHAYEIN Program The purpose of our Nayee Dishayein program is to educate enrich and empower these children by engaging them in creative and innovative mediums of learning theatre being one of them.

NISARG with its vast experience in the field of theatre helped us in conducting theatre workshops for these children and also helped in putting up short plays on various occasions like Childrens Day,Earth Day etc.

We acknowledge and value their contribution and wish to continue our meaningful association in future too.

Also we wish the entire team of NISARG the very best in all their efforts.

anuradha

--
Anuradha Gupta
Founder Secretary,
Prithvi Innovations
House No C 127, Eldeco Towne
IIM Road, Lucknow-226013 UP India
Mobile: 9415069156
[illegible]@gmail.com
http://www.prithviinnovation.blogspot.com
http://twitter.com/prithvitweets

PRATIBHA SANSKRITIK SANSTHAN
DELHI

In Association With

NISARG, LUCKNOW

Presents

2nd BHASABHUMI RANG UTSAV

(International Festival, Seminar, Workshop & Award Ceremony)

15th to 17th March, 2021

B.M. SHAH AUDITORIUM - BNA, Gomti Nagar - Lucknow

15th March, 2021

Evening : 6:30

• Award Ceremony

PADMSHRI
NIRANJAN GOSWAMI
Life Time Achievement-
Mime

SUSHIL KUMAR SINGH
Life Time Achievement-
Playwright

RABINDRA RANGDHAR
Acting

• Mime Presentation by
Indian Mime Theatre KOLKATA

Performer-
NIRANJAN GOSWAMI
PRIYANKA MANDAL

• Play- Modal Vihar
Presented by
NISARG LUCKNOW
Writer- Director
LALIT SINGH POKHARIYA

16th March, 2021

Morning : 11:00AM to 1:00 PM

• Seminar

by Mime Guru
PADMSHRI
NIRANJAN GOSWAMI
on
Natyashastra
(Abhinaya)

Evening : 06:30 PM

• Manipuri Dance
by
Mujibur Rehman

• Play
Premchand k Patra
Premchand k Sath
Presented by -
Darpam Gorakhapur
Director-
Manvendra Tripathi

17th March, 2021

Morning : 11:00AM to 1:00 PM

• Mime Workshop

by
Mime Guru
PADMSHRI
NIRANJAN GOSWAMI

Evening : 06:30 PM

• Odissi Dance
Presented by
Guru Pratibha Jena Singh
&
Raudri Singh
Group : Nrityashilp Odissi Dance Foundation

• Play- Doot Vakyam
Presented by -
Pratibha Sanskritik Sansthan
Delhi
Writer- Mahakavi Bhas
Translator- Dr. Harivans Aneja
Director- Bhumikeshwar Singh

ONLINE Presentation by Abroad Groups - 15th To 17th March, 2021, Daily : 5:00 PM
(Online Link : https://www.facebook.com/PratibhaSanskritikSansthan)

Japan
Hiromi Hosokawa
(Mime)

Germany
FrankFurt Theatre (German Play)
Director- Frank Radug

Maxico
Raul Perez Mireles
(Mime)

प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान

प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान की स्थापना सन् 1987 में हुई जिसके संस्थापक / अध्यक्ष एवं निर्देशक श्री भूमिकेश्वर सिंह हैं। यह एक विशुद्ध रूप से अव्यावसायिक कला संस्थान है जो प्रदर्शनकारी कलाओं की विभिन्न विधाओं में कार्यरत है। संस्थान छऊ नृत्य, ओडिसी नृत्य, मूकाभिनय और शास्त्रीय नाटक में कार्यक्रमों को संचालित करती है। यह संस्था भारतीय सांस्कृतिक सम्बन्ध परिषद् में भी इम्पैनल्ड है और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से रंगमंडल अनुदान प्राप्त है।

संस्था का प्रमुख उद्देश्य भरतमुनि द्वारा प्रणीत नाट्य शास्त्र के विधान के अनुसार छऊ शैली में संस्कृत नाटकों का मंचन करना है। यह उत्तर भारत की एक मात्र संस्था है जो 1998 से निरन्तर पारम्परिक शास्त्रीय नाट्य पद्धति को लेकर संग्रह, अभ्यास, प्रशिक्षण व प्रदर्शन करती आ रही है। संस्कृत नाटक व छऊ नृत्य यूनेस्को के सूचि में एक अमूर्त कला धरोहर के रूप में संलग्न है।

संस्था अपने अनेक संस्कृत नाटकों का प्रदर्शन राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय समारोहों में किया है। जैसे– कालिदास अकादमी, उज्जैन, केरल संगीत नाटक अकादमी, त्रिचूर, त्रिवेन्द्रम, मदुरै, विजयवाडा, वाराणसी, पटना, जयपुर, जोधपुर, इन्दौर, कोलकाता, आगरा, छिन्दवाडा, जबलपुर, कोट्टायम, केरल, पश्चिम सांस्कृतिक केन्द्र–उदयपुर, केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली एवं साहित्य कला परिषद्, दिल्ली एवं जर्मनी में 28,29,30 फ्रैंकफर्ट थियेटर फेस्टिवल और इटली में टैक्ट इन्टरनेशनल थियेटर फेस्टिवल, त्रिएस्ते व एक्स एक्टर थियेटर फेस्टिवल, रोम में आयोजित किए हैं।

संस्थान कई वर्षों से भारतीय नाट्य परम्परा के अन्तर्गत नृत्य, संगीत व नाट्य विधाओं में कार्य कर रहे कलाकारों को प्रोत्साहन हेतु सम्मान प्रदान करना और संस्था अपने उद्देश्यों के तहत समय–समय पर देश भर में भारतीय नाट्य परम्परा भरतमुनि द्वारा प्रणीत नाट्य शास्त्र के विधान के अनुसार प्रशिक्षण कार्यशालाओं, संगोष्ठी एवं नाट्योत्सवों का आयोजन भी करती है।

भासभूमि रंग उत्सव

प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान पिछले 23 वर्षों से लगातार संस्कृत नाटकों का हिन्दी व संस्कृत में प्रदर्शन करते हुए यह अनुभव किया कि हर वर्ष एक ऐसा समारोह किया जाय जो कालिदास समारोह उज्जैन के तर्ज पर हो जिसमें नृत्य, नाट्य व संगीत से भरपूर हो और इसमें भाग लेने के लिए देश–विदेश से कलाकार आएं, जिसका नाम हमने "भासभूमि रंग उत्सव" रखा है, यह उत्सव इस वर्ष द्वितिय है, जिसमें विदेश से भी कलाकार भाग लेंगें। पिछले 5 वर्षों से हमारी संस्था इटली, जर्मनी में अंतरराष्ट्रीय थियेटर समारोहों में भाग लेते आ रही है। जिसमें हमारे संस्कृत के प्रथम नाटकार महाकवि भास के नाटकों के प्रस्तुति से समारोह का आरम्भ हुआ, जिसको देखकर गोष्ठी में बहुत सारे युवा कलाकारों ने चर्चाएं भी की, उस आधार पर बहुत से विदेशी युवा, रंग संस्थाएं जैसे इंटली, जर्मनी, ब्राजील, जापान मेक्सिको आदि से यहां आकर अपने नाट्य प्रदर्शन व भारतीय रंगमंच परम्परा को जानना चाहते हैं। देश–विदेश के प्रतिभाशाली युवा कलाकारों को भारतीय पद्धति के अनुसार नृत्य, नाट्य व संगीत कला का उचित जानकारी हो, इसलिए इस तरह के समारोह के समय ही परिचर्चा व कार्यशाला का आयोजन भी किया जाएगा जिससे सभी सम्भावनाओं पर प्रकाश डाला जा सके। इस वर्ष महामारी कोविड के कारण अन्तराष्ट्रीय कलाकारों के कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आनलाइन के द्वारा किये जाएंगे।

Pratibha Sanskritik Samman

1-Shri Niranjan Goswami (life time achievement for MIME Art-2016)

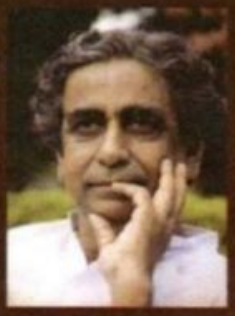

Padma Shri Niranjan Goswami is a dedicated mime artiste who gradually becomes National & Internationally renowned personality. He had been honored as a National Scholar & fellow by Department of Culture, Government of India in mime. He participated and performed in International Mime Festivals held in different countries of the world.

He regularly teaches in the theatre departments of different Indian Universities. He conducted Mukabhinaya Karmashalas in different states of our country by invitation. He is empanelled in the Sangee Natak Akademi, New Delhi, as a national expert in Mukabhinaya.

Shri Goswami received 'SNA AWARD 2002' for his contribution in the art of MUKABHINAYA, by the Sangeet Natak Akademi, New Delhi. Apart from this, he received many awards and recognition from different institutions and organizations of the country, for his contribution in mime theatre.

He has been awarded with one of the great Bharatiya (Indian) recognition 'Padma Shri' by the President of India. 2009,

2- Shri Sushil Kumar Singh(life time achievement for Play wright-2017)

श्री सुशील कुमार सिंह–नाट्य लेखक, निर्देशक एवं टी वी धारावाहिक के निर्माता निर्देशक हैं। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से निर्देशन में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। देश के विभिन्न भागों में 100 से अधिक नाटकों का निर्देशन, टेलीफिल्मों, वृत्तचित्रों का निर्माण निर्देशन एवं रंग शिविरों का आयोजन किया है।

सुशील कुमार सिंह के चर्चित पूर्णकालिक नाटक हैं– सिंहासन खाली है, नागपाश, मुडबाई स्वामी, चार यारों की यार, अंधेरे के साथी, बापू की हत्या हजारवीं बार, आज नहीं तो कल, आचार्य रामानुज, बेबी तुम नादान, अलख आजादी की, मौलश्रिया दीवान, वो सूरज था आदि।

देश के विश्वविद्यालयों में स्नातकस्तरीय पाठ्य–क्रमों में भी शामिल किये गये हैं। उत्तर से लेकर दक्षिण भारत के विश्वविद्यालयों के छात्र इनके नाटकों पर शोध करते रहते हैं। नाट्य लेखन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ एवं केन्द्रीय संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली से पुरस्कृत किया गया है। उ. प्र. के प्रसिद्ध नाटक संस्थान भारतेन्दु नाट्य अकादमी के निर्देशक एवं लखनऊ दूरदर्शन केन्द्र में उपनिदेशक(कार्यक्रम) पद पर भी कार्य किया है।

3- Shri Rabindra Rangdhar (Acting-2018)

रविन्द्र "रंगधर"–10 वर्ष की अवस्था से बाल रंगमंच कलाकार के रूप में एवं वर्ष 1985 से गंभीर रंगकर्म में सतत सक्रिय, अभिनय के साथ निर्देशन, रूप सज्जा, मंच सज्जा, लोक नृत्य, लोक गायन एवं लेखन में भी सक्रिय, लगभग 50 नाटकों में अभिनय, 15 पूर्णकालिक एवं 50 बाल नाटकों में निर्देशन का अनुभव प्राप्त है। वर्ष 2014 में बी एन ए रंगमंडल एवं 2008 में एन एस डी के टाई के साथ भी जुड कर अनेक प्रस्तुतियों में हिस्सा लिया। इनको सर्वश्रेष्ठ अभिनय के लिए स्व सुभाष चंद तिवारी स्मृति, द्विभाषीय नाट्य प्रतियोगिता में एवं अमृत महोत्सव में साहित्य सम्मान व रंगमंच के लिए कर्मयोगी आदि सम्मानों से भी सम्मानित किया गया है, वर्तमान में दर्पण गोरखपुर रंगमंडल के रंगप्रमुख पद पर सक्रिय हैं।

RSVP- (M)8130276585/9868112014,(E)- bhumiksingh@gmail.com

Daily 15th to 17th March 2021 on 5:pm Online Performance in face book page- https://www.facebook.com/PratibhaSanskritikSansthan

1st day- Japan- Ms. Hiromi Hosokawa- Solo Pantomime Artist, Theatre Director, Design Project mapping
Sound and Stage Lighting and Author of the work- Mitsuhiro Matsuda
Movie Shooting- Masahiro Ucida Photographer- Masami Gan Iwafune Planning Production- Tokyo Mime City From Tokyo Japan.
Summary of the Mime Play-1- THE SHOW TIME- A fun work that combines project mapping with the human body. 2- CAT- A domestic cat that goes out for the first time from inside the room. The cat gets into the human world. 3- "LIGHT"- A blind gairl is reading a Braille book. The world of imagination spreads in her head. The last person to come home is her dear person.

2nd Day- Germany- Mr. Frank Radüeg, German pedagogue, writer, director. Studied the sport science, pedagogy and direction. Later on, completed supplementary studies for theatrical education, psychology and psychodrama. In 1989, founded the present Theater Frankfurt and in 2006 – an acting school, both lead by him ever since. All these years given seminaries in many European countries.
The association Theater im Schuppen has been contributing to pedagogical and theatrical work with children and youth, to cultural offer of Frankfurt (Oder) and to social and economic development of the people in its surrounding for almost 30 years.

The Hare and the Hedgehog
The legendary race between the hare and the hedgehog! The piece of news spreads like wildfire everywhere within the forest. Some are surprised, some laugh about it. But, as an old proverb goes, he who laughs last, laughs longest!
Cast: Christina Hohmuth, Lidia Bielanczyk, Emma Stumpe, Charlotte Ringmann
Technician: Cythia Stollberg, Costumes and props: Lidia Bielanczyk, Text and Direction: Frank Radüg

3rd Day- Maxico- Mr. Raúl Pérez Mireles(Mime Kakool)-He began in the Pantomime in 1991 in the Department of Cultural Diffusion of the Autonomous University of Coahuila Torreón Unit; under the tutelage of the Dean of Mimos Laguneros Professor Gerardo Lira Castorena.
He specialized in non-verbal communication, did many workshop in various cultural centers. He also participated in various Children's Theater companies and thus tour the Mexican Republic participating in the first week of International Pantomime in Mérida Yucatan.Also performed in International Mime festival held in Kolkata in 2019,organized by Indian Mime Theatre.
Synopsis of Pantaclown(A Normal day)- The character is an office worker whom love does not smile, but he always hopes tomorrow is better, after a day at work and in the rain he shows us how it is a simply normal day in the life of any office worker.

Programs day-1, 15th March 2021, 6:30pm

1- Mime Presentation by Indian Mime Theatre, Kolkata

Performer- Shri Niranjan Goswami and Priyanka Mondal

2- Play Presentation"MODEL VIHAAR" by NISARG Group, Lucknow

About the Director- Shri Lalit Singh Pokhariya graduated in Dramatic Arts with one year internship from Bhartendu Natya Academy Lucknow (1984-87). He regularly involved in theatre as writer, director, teacher and actor since last 34 years. Have written over 80 plays, directed 85 theatre workshops and 120 plays, acted in over 500 shows of 86 plays.He is regular visiting Faculty of many Theatre Institutions. Has received Senior fellowship from HRD Govt of India, in the year 2003-2005. He has received more than 30 prestigious Awards like Kalanidhi, Sarvashreshth lekhak-nirdeshak Samman, Manjushri, BNA Rajat Jayanti Samman, Shikshak Samman, Pratibha Sanskrit Samman, Rang Guru Samman etc, Lalit Singh Pokhariya is Founder President & Director of NISARG Theatre Group.

DIRECTORIAL- The Play MODEL VIHAAR is a social comic satire. It exposes the hypocrisy of our so called higher society. Only being educated and being rich can't make us a gentle and civilized citizen. It is often seen around that highly educated and rich people are indulged in unfair deeds. They hide their evils, pretending themselves better than others.

ON STAGE- ARTISTS	
Sagar Sharma:	Sewak Ji
Menaka:	Kalawati Ji
Vikas Diwaker:	Balak Ram
Lalit Pokhariya:	Doctor, Prem Ranjan Shastri, Vakeel, C D A, Titu Chaudhary
Nishu Singh:	Devina Setli
Prashant Singh:	Chinmay Jetli

BACK STAGE	
Set	Shashank Gupta, Amitesh Vaibhav
Properties	Vikas Diwaker
Costumes	Nishu Singh, Menaka
Lights	Dewasheesh Mishra
Music	Ankur Saxena
Make Up	Shaheer Ahmed
Management Crew	Nishu Singh, Shivjit Verma, Jai Tivari Diwaker Giri & Pankaj Satyarthi

RSVP- (M)8130276585/9868112014,(E)- bhumiksingh@gmail.com

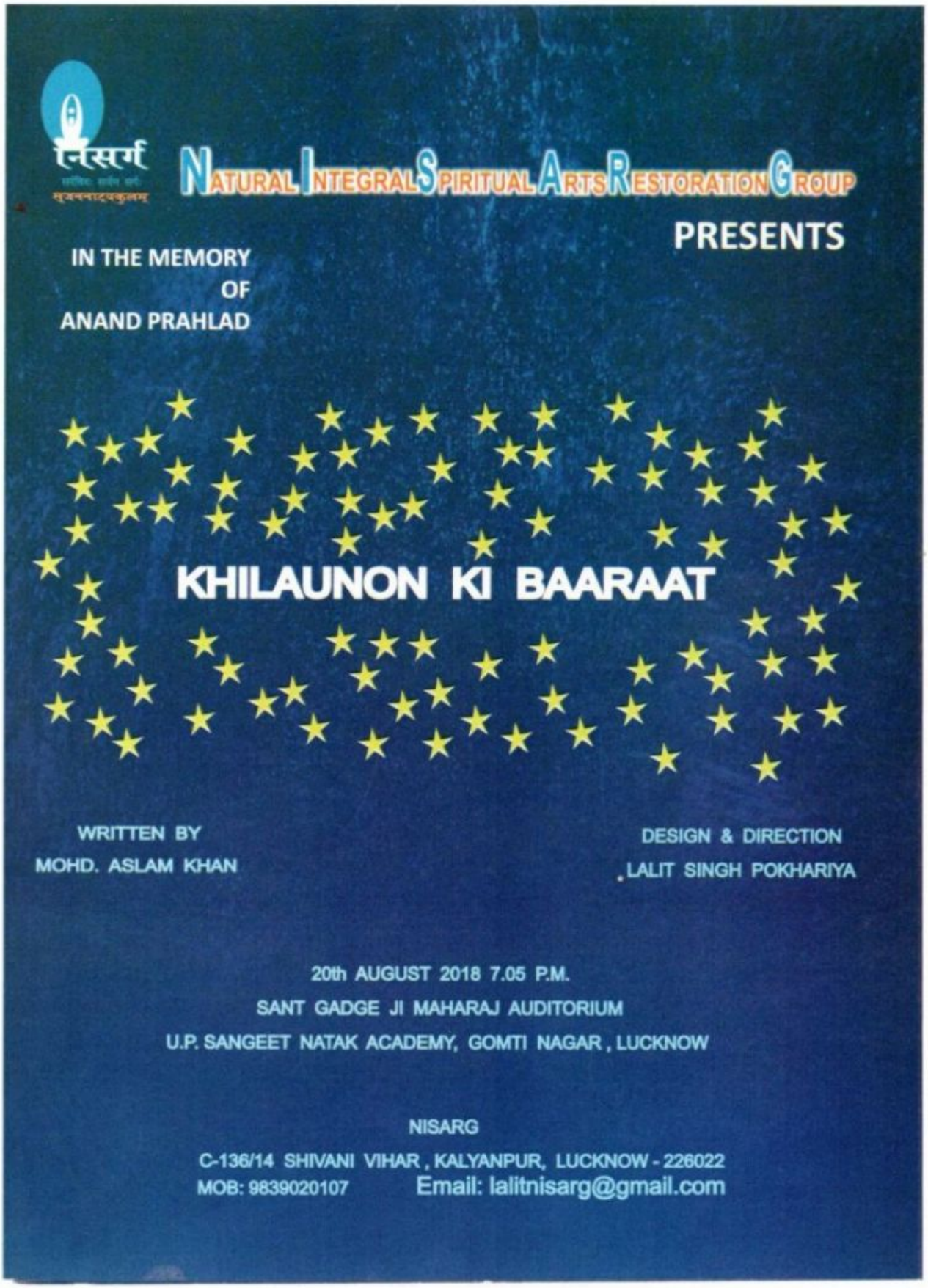
निसर्ग
NATURAL INTEGRAL SPIRITUAL ARTS RESTORATION GROUP
PRESENTS
IN THE MEMORY
OF
ANAND PRAHLAD
KHILAUNON KI BAARAAT
WRITTEN BY
MOHD. ASLAM KHAN
DESIGN & DIRECTION
LALIT SINGH POKHARIYA
20th AUGUST 2018 7.05 P.M.
SANT GADGE JI MAHARAJ AUDITORIUM
U.P. SANGEET NATAK ACADEMY, GOMTI NAGAR , LUCKNOW
NISARG
C-136/14 SHIVANI VIHAR , KALYANPUR, LUCKNOW - 226022
MOB: 9839020107
Email: lalitnisarg@gmail.com

दुखार्त्तानां श्रमार्त्तानां शोकार्त्तानां तपस्विनाम्।
विश्रान्तिजननं काले नाट्यमेतन्मयाकृतम्।।

भरतनाट्यशास्त्र १/११

For the people who are saddened, grieved and deppressed poor !
For the people who are devoted humanity server !
May my NAATYA provide them all in proper time
Comfort, peace prosperity and the pleasure.

BHARAT NAATYA SHAASTRA 1/11

NISARG - BRIEF INTRODUCTION

Nisarg is a group of trained and experienced creative persons in the field of Drama, Literature, Painting, Music, Dance and Audio-visual medium. In the field of theatre 'NISARG' has done a remarkable job to make a bridge between creation and human concerns as mentioned below:

- Given opportunities for acting and direction to young generation to discover and promote their talent and skill.
- Staged several plays in different schools to generate moral values and human sensivity among the students.
- Conducted children theatre workshop in several rural areas of Uttar Pradesh and Uttarakhand to help the children and women surviving in socio economical ironies.
- Organized theatre workshops for empowerment of women, farmers and labourers.
- Play presentations and theatre workshops to develop the skill and work culture among teachers and social workers.
- Seminars related with literary creations and activities to promote the social and human values.
- Over forty play presentations of mainstream theatre.
- Training courses in acting, personality development, music and dance.
- Collaborated with Bond Street Theatre, New York (U.S.A.); Exile Theatre, Kabul (Afghanistan) and Poorvabhas Theatre, New Delhi.
- Excellent play productions in National Sanskrit Drama Festival, Agartala (TRIPURA); Aadividrohi National Drama Festival, Bhopal (Madhya Pradesh) and Central Sangeet Natak Academy, North-East Centre Drama Festival, Guwahati (Assam).

समानि व आकूतिः समानाह्रदयानि वः।
समानमस्तु वो मनो यथा वः सुसहासति।।

ऋग्वेद १०-१८-१-२

United be everyone on the earth with each other
United be our goals, thoughts, deeds and desire.
May every heart possess a same spirit of greatness
United be our attempts for mankind's welfare.

RIGVEDA 10-19-1-2

LIGHT DESIGNER
GOPAL SINHA

ENGINEERING GRADUATE (IIT ROORKI)
CHIEF ENGINEER (ELECTRIC) RETD.

- Active on stage for last 45 years as an actor, director and as a light designer. Well known and established stage light designer at national level.
- Acted in some films, tele films, serials and ad films.
- Theatre related writing. Published book - 'AADHUNIK EVAM SANGATHIT LAKHNAU RANGMANCH KA ITIHAS'.

AWARDS

- U.P. SANGEET NATAK ACADEMY AWARD & several other awards by different organisation.

LIGHT ASSISTANT
MANEESH SAINI

GRADUATE

TRAINING AND EXPERIENCE

- Bording Workshop organised by Central Sangeet Natak Academy. Active in theatre for 15 years. Act in over 50 plays, directed over 30 plays and light designed for approximate 70 plays.

SET DESIGNER
AASHUTOSH VISHWAKARMA

Diploma in Electronic Media and Film Production

TRAINING AND EXPERIENCE

- Production oriented workshops organised by Bhartendu Naatya
- Academy, U.P. Sangeet Natak Academy & NISARG in acting, costume and properties.
- Active in the field of theatre and electronic media for 15 years.
- Professionally editing films, short films, ads and documentaries from 2010.
- For last 3 years working as Ast. Director for films and theatre.

MUSIC
ALOK SHRIVASTAV

Specially dedicated for innovative work in theatre music for last 25 years. Composed and directed music in over 1000 shows of 250 plays including live singing in several reputed national and international festivals.Worked as casual producer in Aakashvani lucknow for 10 years. At present P;rincipal of a reputed school.

MAKE UP ARTIST
SHAHEER AHMAD

TRAINING AND EXPERIENCE

- Trained under senior make up designer Shri Hem Singh (U.P.S.N.A. AWARDEE) for theatre and television both.
- Make up in over 500 stage plays, over 200 television programs of D.D.Lucknow, over 50 serials and many feature films.

ACKNOLEDGEMENTS

TRIVENI PRASAD (SANGAM) BAHGUNA

RAJESH JAISWAL

CLIMB CONSTRUCTIONS

SHAILENDRA YAADAV

SUMANT RAAJ SINGH

SHIVJEET VERMA

MANOJ VERMA

SAGAR SHARMA

STAFF

U.P. SANGEET NATAK ACADEMY

&

SANT GADGE AUDITORUM

Acting is a masochistic form of exhibition.
It is not quite the occupation of an adult.
- Laurence Olivier

ABOUT THE WRITER

MOHD. ASLAM KHAN, B.COM
Sales Executive in a reputed Pvt. Ltd. Company for ten years.
At present self employed in the field of construction.

THEATRE TRAINING AND EXPERIENCE

Selcted in Bhartendu Naatya Academy 1982. Due to some personal reasons could not continue the training after 4 months.

Acted in over ten plays. Some of them are directed by renowned theatre directors. Waah Re Taj Waah - Dinesh Khanna / Mujrim - Saleem Arif / Shav Yatra - Shakha Bandopadhyaay. One play was directed by - Ajay dubey.

Plays Written- Laung Ka Paan (not staged), Antim Praja, Ghulam Rishtey, Kothi Madhosh, Khilaunon Ki Baaraat.

Acting In Aakaashvani Programmes- Several Episodes of - Naya Yug Nayi Kranti, Ras Bharti.

Award - Bhartendu Harish Chandra Samman by Uttar Pradesh Hindi Sansthan (2014) for the play - Ghulam Rishtey.

WRITER'S WORDS

After 'LAUNG KA PAAN' (2008) I wrote four more plays. My second play ANTIM PRAJA was published before staging. I wanted it to be staged. After being dissappointed by so many directors I met Mr. Tarun Raj (Producer SNA) and Mr. Alok Shukla (PEX. D.D. Lucknow). Both advised and insisted me to contact Lalit Singh Pokhariya. Both persueded Mr. Pokhariya from their side also.

I gave a copy of ANTIM PRAJA to Mr. Pokhariya. He sent his reactions in written. "Theme and the plot is marvellous but play is not stageworthy at all". He sent me a long list of the reason behind it. Mr. Alok Shukla, a common friend of both of us persueded Mr. Pokhariya to make the play stageworthy and then direct it.

It happened. ANTIM PRAJA was hugely applouded by the audience. The same process was applied for every subsequent play up to this KHILAUNON KI BAARAAT. Ghulam Rishtey, Kothi Madhosh and the latest Khilaunon Ki Baaraat all the three plays are written by Lalit Singh Pokhariya before directing. He preserved the original soul and objective of every play. The central idea of the play KHILAUNON KI BAARAAT has been emerged from my own childhood school days. My father was an Army man. Inspite of his transfers, I always remained the student of Kendriya Vidyalaya throughout my schooling. I am still affectionate with Kendriya Vidyalaya. My music teacher in primary school became the mentor of my whole life. KHILAUNON KI BAARAAT is dedicated to her divine memories deeply sketched on my heart.

About the Director
LALIT SINGH POKHARIYA

Graduated in Dramatic Arts and Internship from Bhartendu Academy of Dramatic Arts (BNA) in 1984-87. Has been deeply and regularly involved in theatre for last 32 years. Acted in 500 shows of over 70 plays directed by internationally known Directors like Raj Bisaria, Fritz Bennewitz, Bhanu Bharti, B.M. Shah, Waman Kendre etc. As Play Writer, Director, Teacher and Workshop Director has vast experience in children & adult theatre. Has written over 70 plays, directed over 100 plays and conducted over 50 workshops. Working with rural children, deaf and dumb children, orphans, street children, children homes, women homes, prisoners to give them moral support and human upliftment. Visiting Faculty in Bhartendu Academy of Dramatic Arts (BNA), Lucknow, Himachal Cultural Forum Natya Academy, Mandi (H.P.), Garhwal University, Shrinagar (Uttarakhand) and many other institutes.

Experience as Director, Actor, Programme Coordinator in BNA Repertory- Lucknow, SRC Repertory- New Delhi and Yayawar Repertory- Lucknow.

Several article on theatre, arts and culture have been published in pioneering newspapers and magazines, like Vartman Sahitya, Kathakram, Bharat Rang, Samachar Times, Rashtriya Sahara, Hindustan, Dainik Jagran, Lamhi, Manav Sanskriti, Pakhi, Patrakar Sadan, Kala Vasudha, Uttar Ujala, Srijan Se, Samvartan, Times News etc.

Based on Shakespeare two gentlemen of Verona, has written an Indian Play Delhi-6 which is published by Vani Prakashan.

For the last 25 years, working to develop theatre of Kumaon and Tharu tribes of Uttarakhand to restablish the spiritual values of the old traditions of Madhya Himalaya and their spectacular grandeur. He has been honoured National Senior Feilowship by the Human Resource Development Ministry, Govt. of India.

Has written several documentaries for Lucknow Doordarshan based on culture, freedom movement, art crafts and environment aired by Lucknow Doordarshan Kendra and National Network. Has also written and directed some fictions and plays for Doordarshan and All India Radio.

Has scored following reputed awards. Mayur Pankh Kala Nidhi Award, Bhartendu Natya Academy Rajat Jayanti Award, Nitya Award, Manjushri Award, Sarvashreshtha Lekhak Nirdeshak Samman by U.P. Kalakar Association, Kadambri Nandan Smriti Samman, Late Devesh Chakravarti Samman, Uttarayani Samman, Josh Samman, Munal Samman, Mohan Upreti Lok Sanskriti Samman, Aacharya Narendra Dev Alankar-2010, Lokmat Samman-2013, U.P. Sangeet Natak Academy Samman 2005.

At present Founder-President and Director of Nisarg Lucknow. Freelance Theatre Teacher, Writer, Director and Actor.

DIRECTORIAL

I have been impressed with the theme, content and the imaginative plot of each of Mohd. Aslam Khan's plays brought to me to be directed. With every play writer gave me full liberty to make amendments and to restructure to make it stageworthy, without damaging its theme and genere. Same thing went with the play. " KHILAUNON KI BAARAAT ".

Since the writer himself possesses and advocates moral values for a healthy social structure. He is worried about day by day detoriation of moral values in the society.

Family bonding is being broken into self centred individuals. Instead of being a good human being our priorties are focused only to snatch all materialistic pleasure at any cost. This is a disasterous trend for the whole mankind.

I have chosen realistic - suggestive approch to mount the play. I am very much happy. that some of my senior decipies (now friends) are acting in this play. Even in her debue Preeti Singh has exhibited her tremendous talent of acting. We have also two almost fresh artists on the stage.

ON STAGE

Narrator/Ashfaaq	- Sandeep Yadav
Madhumita	- Preeti Singh
Sarjoo	- Harshit Singh
Anjoo	- Ankur Saxena
Murari	- Neha Verma
Kiran	- Ambareesh Bobby
Dheeraj	

BACK STAGE

Set	- Aashutosh Vishwakarma
Properties	- Harshit Singh, Shikha Dheeman
Costume	- Preeti Singh, Neha Varma
Lights	- Gopal Sinha
Light Assistant	- Maneesh Singh
Make up	- Shaheer Ahmed
Music	- Alok Shrivastav
Publicity	- Chandan Singh Pokhariya
Production team	- Anupam Varma, Sachin Patel, Sudhir A. Shrivastav, Harsh Shukla
Assistant Director	- Sanddep Yadav

SANDDEP YADAV

M.A. (Sociology), P.G. Diploma in Mass Comm. and Journalism.

THEATRE TRAINING & EXPERIENCE

- Production Oriented Workshops conducted by Bhartendu Academy of Dramatic Arts, National School of Drama, U.P. Sangeet Natak Academy.
- Worked with Habeeb Tanveer under the scholarship of dept. of Culture (Govt. of India).
- Worked and informal training under Lalit Singh Pikhariya as an actor, Assistant Director Productio Manager.
- Acting and backstage work in over 40 plays mostly directed by Habib Tanveer.
- Directed several children theatre workshops and street play organised by NISARG, Favor Foundation and P.G.I. FACULTY CLUB.
- Junior fellowship by H.R.D. (Govt of India) for the research on Habib Tanveer's complete theatre work.
- Acting in Films and Tele Serials.
- Associated with NISARG since 2004.

AMBARISH BOBBY

M.COM, GRADUATE, ADVANCE DIPLOMA IN FINANCIAL ACCOUNTIG

THEATRE TRAINING & EXPERIENCE

- Production Oriented Workshops Organised by Yuva Utthan Samiti directed by Lali Singh Pokhariya(2000).
- Active in theatre since 1996 acted in over 135 shows of 65 plays.
- Approved from Lucknow Doordarshan and Aakashvani Lucknow in grade B.
- Acted in many films, telefilms and serials.
- Achieved some reputed awards such as- Manchkriti Award,Mitwa Best Actor Award Help U Trust Award, Innovation Yuva Rang Samman.

ANKUR SAXENA

- Post Graduate Diploma in Hindi Literature and theatre science, P.G. Diploma in Mas Comm.

THEATRE TRAINING & EXPERIENCE

- Production Oriented Workshops Organised by U.P. Sangeet Natak Academy, NISARG
- Active n theatre for 16 years. Acting and backstage work in over 200 shows of over 60 plays staged all over India.
- Acted under the direction of the several senior directors.
- Approved by Aakashvani Lucknow Radio Jokey in F.M. Rainbow since 2014.
- Acted in 5 feature films, 6 short films, Ad films and 10 T.V. Serials.

PREETI SINGH

Graduate in commerce, Post Graduate in Business Management.

THEATRE TRAINING & EXPERIENCE

- Informal training under Lalit Singh Pokhariya for last 3 years in acting and children theatre workshop direction.
- Asaociate director in children theatre workshops conducted by NISARG, Favor Foundation & P.G.I. FACULTY CLUB.
- Radio Jokey course conducted by U.P. Sangeet Natak Academy Associated with NISARG from 2015.

NEHA VERMA

B.A.L.L.B, PGDCA

THEATRE TRAINING & EXPERIENCE

- Production Oriented Workshop Organised by Bhartendu Academy of Dramatic Arts, U.P. Sangeet Natak Academy.
- Most remarkable- participated in the workshop directed by Padma Shri Raj Bisaria.
- Acting and backstage work in over 15 plays.
- Associated with NISARG since 2010.

MUSIC AND DANCE

- 6 years course in kathak & tabla conducted by Prayag Sangeet Samiti.

HARSHIT SINGH

- Persuing graduation from L.U.

THEATRE TRAINING & EXPERIENCE

- 45 days production oriented workshop conducted by NISARG.
- Joined theatre only before one year. Acted in 2 plays directed by Mukesh Varma & Lalit Singh Pokhariya.
- Attended 5 month media acting class by Shubham Sonu Shrivastav.

SHIKHA DHEEMAN

- B.A. (Sanskrit)

THEATRE TRAINING & EXPERIENCE

- Two production oriented workshops directed by Anil K. Chaudhary in Kangra (H.P.)
- Joined theatre only before one year.
- At present learning theatre in Lucknow.

मंचकृति आयोजन

26वाँ बाबू हरदयाल वास्तव

हास्य नाट्य समारोह

मंचकृति प्रस्तुति

०८ जुलाई, २०१८

सूरज कहाँ से उगता है

लेखक : श्याम नारायण

गीत, संगीत एवं निर्देशन

डॉ0 उर्मिल कुमार थपलियाल

निसर्ग प्रस्तुति

०९ जुलाई, २०१८

खटर पटर की टक्कर

लेखन, परिकल्पना एवं निर्देशन

ललित सिंह पोखरिया

हौसला फाउन्डेशन प्रस्तुति

१० जुलाई, २०१८

लव इन दिसम्बर

लेखक : रिवाल्डो

परिकल्पना एवं निर्देशन

सादिक रज़ा ख़ान

०८ जुलाई से १० जुलाई २०१८ प्रतिदिन : सायं ०७ बजे

संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह

उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी, गोमती नगर-लखनऊ

मंचकृति 28, न्यू गोलमार्केट, महानगर, लखनऊ - 226006

ईमेल : manchkriti1990@gmail.com

खटर पटर की टक्कर

९ जुलाई, २०१८ (सोमवार)

निसर्ग प्रस्तुति

लेखन परिकल्पना एवं निर्देशन
ललित सिंह पोखरिया

निर्देशकीय

कला और कलाकार को व्यक्ति और समाज के गुणात्मक विकास तथा मानवता के संरक्षण का अद्वितीय माध्यम कहा जाता है। रंगमंच तो इसका ध्वजवाहक ही समझा जाता है। परन्तु इस "ध्वजवाहक" मुखौटे के पीछे प्रायः दुष्प्रवृत्तियों, विगलित मूल्यों और छुद्र स्वार्थों का मकड़जाल सा दिखाई पड़ने लगा है। जीवन के दुख और संघर्ष के बीच समाज को कुछ पल का "हास्य" प्रदान करने का दम्भ भरने वाले रंगकर्मी भी कभी-कभी स्वयं 'हँसी' के पात्र बन जाते हैं।

निर्देशक : संक्षिप्त परिचय

नाट्य कला स्नातक (भारतेन्दु नाट्य अकादमी)। बत्तीस वर्षों से रंगमंच में लेखक, प्रशिक्षक, निर्देशक और अभिनेता के रूप में सतत् सक्रिय। कतिपय राष्ट्रीय संस्थानों में अतिथि प्रशिक्षक। अद्यतन सत्तर मौलिक नाटकों का लेखन। आठ रूपान्तरण एवं अनुवाद। शताधिक नाटकों का निर्देशन। साठ कार्यशालाओं का निर्देशन। सत्तर नाटकों के लगभग पाँच सौ मंचनों में अभिनय। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार से सीनियर फेलोशिप (2003-05), मयूर पंख कलानिधि पुरस्कार, भारतेन्दु नाट्य अकादमी रजत जयंती सम्मान, मोहन उप्रेती स्मृति सम्मान, आचार्य नरेन्द्र देव अलंकार, स्व0 देवेश चक्रवर्ती स्मृति सम्मान, मंचकृति सम्मान, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी सहित अन्य सम्मान।

मंच पर

खटर	- त्रेहन राना
पटर	- हर्षित सिंह
डायरेक्टर	- ललित सिंह पोखरिया
बंटी	- फैज़ कुरैशी
संजय	- अनुपम मल्होत्रा
डम्पी	- विवेक अग्रवाल
सुलोचना आंटी	- नीशू सिंह
प्रोफेसर पुरातन	- नवीन वर्मा
परचम	- आदित्य पाण्डेय
सपना	- अनन्या वर्मा
दद्दा साहब, स्पॉन्सर	- सत्य प्रकाश

पार्श्व मंच

मंच सज्जा एवं सामग्री	- समस्त कलाकार
वेशभूषा अभिकल्पना	- नेहा वर्मा
वेशभूषा व्यवस्था	- समस्त कलाकार
प्रकाश संयोजन एवं संचालन	- मनीष सैनी
संयोजन-सहायक	- प्रज्ज्वल श्रीवास्तव सत्येन्द्र सिंह
संगीत संकलन एवं संचालन	- अंकुर सक्सेना
मुख सज्जा	- शहीर अहमद
प्रस्तुति दल	- नीशू सिंह, रहनुमा मंसूरी, शिवजीत वर्मा, सचिन पटेल, हर्ष शुक्ला, अनन्य सिद्धराज अवस्थी

पार्श्व मंच

मंच सज्जा, प्रकाश परिकल्पना एवं संचालन – आशुतोष विश्वकर्मा

मंच क्रियान्वयन सहायक – वैभव मिश्रा, सत्येन्द्र सिंह, प्रज्जवल श्रीवास्तव, रामकुमार

प्रकाश संयोजन सहायक – रजनीश कुमार, विपिन अटलानी, सचिन पटेल, प्रभाकर गौतम

वेशभूषा अभिकल्पना – नेहा वर्मा

वेशभूषा व्यवस्था एवं निर्माण – नीशू सिंह, मनीष सिंह, रहनुमा मंसूरी

मंच सामग्री निर्माण – मनीष सिंह

सहायक – नीशू सिंह, सीमा रंजन

बाह्य व्यवस्था – सागर शर्मा, आशुतोष श्रीवास्तव, शिवजीत वर्मा

प्रचार-प्रसार सामग्री – चन्दन सिंह पोखरिया

मुख सज्जा – शहीर अहमद

संगीत संकलन एवं संचालन – अंकुर सक्सेना

आभार

मंचकृति

संत गाडगे प्रेक्षागृह के समस्त कर्मचारीगण

Best compliments from-
DAAL CHAAWAL RESTAURANT
M.M.Maalveeya Marg Lucknow
Mob.9918941604
[Pratyaksham Kim Pramaanam]

सर्वविदः सर्जन सर्गः
सृजननाट्यकुलम्

NATURAL INTEGRAL SPIRITUAL ARTS RESTORATION GUILD

नाट्य प्रस्तुति

प्रेतशिशु

आलेख, परिकल्पना एवं निर्देशन
ललित सिंह पोखरिया

25 अप्रैल 2018
सायं 7.05

संत गाडगे महाराज प्रेक्षागृह
उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी
गोमती नगर, लखनऊ

मोबाइलः 9839020107 ई-मेलःlalitnisarg@gmail.com

निर्देशकीय

नाटक 'प्रेतशिशु' सन् २००० में लिखा गया था जिसे संस्कृति संस्था द्वारा प्रस्तुत किया गया था। ग्यारह साल के बाद यह इसकी दूसरी प्रस्तुति है।

आज नवोदित रंगकर्मियों या अभिनय की दुनिया में प्रवेश करने वाले युवाओं को संवेदना, विचार और सरोकार के स्तर पर वह नहीं मिल पा रहा है जो हमारी पीढ़ी को हमारे शुरुआती दौर में मिला था। आज समृद्धि और समस्त भौतिक सुखों को पा जाने के उन्माद ने मानवीय मूल्यों और कर्तव्यों को जीवन से विस्थापित कर दिया है। ऐसे परिदृश्य में रंगजगत अछूता कैसे रह सकता है!

इसीलिए अभिनय सीखने के लिए रंगमंच में आये अधिकतर युवाओं का उद्देश्य और लक्ष्य भी वही है। पर सीखने के लिए तो गहराई में जाना ही होगा। मानवीय संवेदना, मूल्य और सरोकारों से परिचित होना ही पड़ेगा। अपने भीतर बहन चिन्तनपरकता विकसित करनी ही पड़ेगी। कण के भीतर संसार और क्षण के भीतर युग देखने की प्रवृत्ति विकसित करनी पड़ेगी।

इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए नितान्त नये युवा रंगकर्मियों के साथ 'प्रेतशिशु' नाटक का मंचन किया गया। इसमें अभिनय के चारों आयामों - आंगिक, वाचिक, आहार्य और सात्विक का परिचय देने के साथ-साथ जीवन मूल्य और संवेदना पर गहन चिन्तनपरकता विकसित करने का प्रयास किया गया है। ताकि इन युवा रंगकर्मियों को उचित मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिल सके। इनके उत्साहवर्द्धन के लिए कतिपय अनुभवी रंगकर्मियों ने भी प्रस्तुत नाटक में अभिनय किया है।

इस नाटक के सभी युवा रंगकर्मियों ने प्रस्तुति के सभी उद्देश्यों को भली भाँति आत्मसात करते हुए पूरी निष्ठा और श्रद्धा के साथ काम किया। ये सभी प्रशंसा के पात्र हैं।

मंच पर (प्रवेशानुसार)

जिज्ञासु शिष्य	- सचिन पटेल
अमुक्त प्रेतशिशु समूह	- विपिन अटलानी, मनीष सिंह, रामकुमार, रजनीश कुमार, प्रभाकर गौतम, आशुतोष श्रीवास्तव, वैभव मिश्रा
गुरु	- अम्बरीश बॉबी
राजा	- ललित सिंह पोखरिया
मंत्री	- सत्येन्द्र सिंह
नेपथ्य स्वर	- विपिन अटलानी, रजनीश कुमार, प्रज्जवल श्रीवास्तव, मनीष सिंह, सचिन पटेल, नीशू सिंह, सीमा रंजन
वृद्ध एक	- रजनीश कुमार
युवती एक	- रहबुमा मंसूरी
युवक एक	- प्रज्जवल श्रीवास्तव
वृद्धा	- नीशू सिंह
युवती दो	- सीमा रंजन
युवक दो	- गौरव तिवारी
शिश्वागार के प्रेतशिशु	- वैभव मिश्रा, विपिन अटलानी, मनीष सिंह
पहरेदार एक	- आशुतोष श्रीवास्तव
पहरेदार दो	- प्रभाकर गौतम
वैज्ञानिक	- प्रज्जवल श्रीवास्तव
यम	- गौरव तिवारी

मंच पर

नवाब बालम – ललित सिंह पोखरिया
तमन्ना बेगम – अर्चना शुक्ला
नक्छेद – अंकुर सक्सेना
मायसा – अंकिता दीक्षित
दावेदार एक – मनीष कुमार सिंह
दावेदार दो – आशीष द्विवेदी
दावेदार तीन (जमशेद) – गौरव तिवारी
झूमर – अम्बरीश बॉबी
रज्जब – नीतीश भरद्वाज
शाही हकीम – अमरेश आर्यन
कोतवाल – आशुतोष विश्वकर्मा
हाजी जब्बार – सुमित श्रीवास्तव

मंच परे

मंच अभिकल्पना क्रियान्वयन : आशुतोष विश्वकर्मा
मंच क्रियान्वयन सहायक : मनीष कुमार सिंह, अंकित मिश्रा, शिवजीत वर्मा, अभियांचल, अमिताभ पोसवाल
मंच सामग्री : मनीष कुमार सिंह, गौरव तिवारी
वेशभूषा व्यवस्था : अर्चना शुक्ला, अम्बरीश बॉबी
प्रकाश अभिकल्पना एवं संचालक : मनीष सैनी
मुख सज्जा : शहीर अहमद
संगीत अभिकल्पना एवं संकलन : अंकुर सक्सेना
संगीत संचालन : नीशू सिंह
प्रचार–प्रसार सामग्री अभिकल्पना : नरेन्द्र सिंह बिष्ट
प्रचार–प्रसार व्यवस्था : आशीष द्विवेदी

आलेख मंचानुकूलन, परिकल्पना एवं निर्देशन
ललित सिंह पोखरिया

आभार
संगम बहुगुणा,
उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी,
संत गाडगे प्रेक्षागृह के समस्त कर्मचारी

निसर्ग
सर्वविद् सर्जन सर्ग
सृजननाट्यकुलम्

दुःखार्त्तानां श्रमार्त्तानां शोकार्त्तानां तपस्विनाम्।
विश्रान्तिजननं काले नाट्यमेतन्मयाकृतम्।।

NATURAL INTEGRAL SPIRITUAL ARTS RESTORATION GUILD

निसर्ग– सी 136/14, शिवानी विहार, कल्याणपुर, लखनऊ–226022
Nisarg-C-136/14, Shivani Vihar, Kalyanpur, Lucknow-226022
Phone : 9839020107 E-mail : nisargindia@rediffmail.com

निसर्ग
सर्वविद् सर्जन सर्ग
सृजननाट्यकुलम्
की प्रस्तुति

व्यंग्य नाटक

कोठी मदहोश

लेखक
मो० असलम ख़ान
परिकल्पना एवं निर्देशन
ललित सिंह पोखरिया

12 अप्रैल, 2017 सायं 7:05 बजे

संत गाडगे जी महराज प्रेक्षागृह, संगीत नाटक अकादमी परिसर, गोमती नगर, लखनऊ

सम्पर्क : 9839020107, 8574546421, 8896919895

कथा संक्षेप

ताड़ी के व्यापारी नवाब बालम अपनी बेगम तमन्ना, इकलौती बेटी मायसा और तमन्ना के मायके से आये मुँह लगे खादिम नक्छेद के साथ लखनऊ के पास कोठी मदहोश में रहते हैं। समाज, देश और इंसानियत के प्रति अपने बुनियादी कर्तव्यों के प्रति बिल्कुल उदासीन ये लोग हमेशा ताड़ी के नशे में वक़्त बिताते रहते हैं।

मायसा की शादी के लिए बेगम तमन्ना की परेशानी देखकर बालम नक्छेद से मायसा की शादी का इश्तहार चस्पा करने के लिए कहता है मगर नक्छेद शादी के लिए घर दामादी की डुग्गी पिटवा देता है। मायसा के लिए कई दावेदार आते हैं।

मायसा लखनऊ के नामी ठग झमर को पसन्द कर लेती है। झूमर घर दामाद बन जाता है। उसके साथ उसका दोस्त रज्जब भी रहने लगता है।

शादी के बाद झूमर बताता है कि वह नवाब झूमर अव्वल का नाजायज़ बेटा है। लाल कचहरी कैसरबाग़ में उसका विरासत का मुकदमा चल रहा है।

कुछ दिन बाद शाह ए अवध अपनी पूरी रियासत के जिस्मानी मुआयने के लिए पूरी अवाम कारूरा (पेशाब) का नमूना इकठ्ठा करते हैं। शाही हकीम कोठी मदहोश के लोगों का कोरूरा नमूना भी ले जाते हैं।

इधर शादी के कुछ दिनों के बाद झूमर की असलियत कुछ–कुछ सामने आने लगती है। क्योंकि उसके रूपये खत्म हो जाते हैं और वह मायसा पर खर्च करना बंद कर देता है। मायसा जब इसकी शिकायत बालम से करती है तो नक्छेद काकोरी की रवायत के मुताबिक मेहर दोयम मांगने का मशविरा देता है।

झूमर इस मेहर दोयम की रकम अदा करने की लिए रज्जब से मिलकर ताड़ी गोदाम से सौ पीपे ताड़ी की चोरी करता है। बालम कबूतर के जरिए चोरी की ख़बर शाह ए अवध को भेजता है। कोतवाल द्वारा की गयी तहक़ीक़ात से यह साबित हो जाता है कि चोरी झूमर और रज्जब ने की है मगर झूमर और रज्जब बड़ी चालाकी से साबित कर देते हैं कि चोर कोई और थे। फिर नीलामी के ज़रिए चुरायी गयी ताड़ी बालम को ही बेचकर मेहर दोयम अदा कर देता है। तभी वहाँ हाजी जब्बार आ जाते हैं। झूमर और रज्जब पर ठगी का इल्जाम लगाते हैं। झूमर किसी तरह उनको टाल देता है पर बालम के दिल में झूमर को लेकर शक़ पैदा हो जाता है। इसीलिए नवाब बालम नवाब झूमर अव्वल से मिलकर झूमर की असलियत जानने की कोशिश करते हैं। नवाब झूमर अव्वल बताते हैं कि झूमर का विरासत का दावा झूठा है।

इधर ताड़ी के नशे में मदहोश झूमर, रज्जब और नक्छेद की बातचीत से पता चलता है कि नक्छेद ही पैसे की लालच में झूमर को घर दामाद बनाने की योजना बनाकर झूमर और रज्जब को यहाँ लाया है। तभी लाल कचहरी से फैसला आ जाता है। शाही हक़ीम जो कारूरा नमूना ले गये थे उसके मिलान से साबित हो जाता है कि झूमर ही नवाब झूमर अव्वल का बेटा और वारिस है।

निर्देशकीय

नाटक कोठी मदहोश ऊपरी तौर पर एक ऐसा विचारविहीन नाटक लगता है जो केवल हास्य प्रधान मनोरंजन की दृष्टि से लिखा गया है। परन्तु इस प्रस्तुति में इसकी गहराई में जाकर इंसानी चरित्रों की विसंगतियों को खोजा गया है और उन्हें हास्य व्यंग्यात्मक शैली में चित्रित किया गया है। हमने सैमुअल बैकेट के वेटिंग फॉर गोडो की तरह कुछ महान नाटकों में संसार और समाज की हृदयविदारक विसंगतियों से जूझते क़िरदारों की घोर यन्त्रणा देखी है। परन्तु कोठी मदहोश में इसके पात्र अपनी ही विसंगतियों और अर्थहीनता का आनन्द भोग रहे हैं। एक समाज की इकाई होते हुए भी वे किसी भी प्रकार की सामाजिक, राष्ट्रीय और मानवीय ज़िम्मेदारी से पशुओं की तरह तटस्थ हैं। अर्थहीन बातचीत, वैचारिक शून्यता और कर्महीनता की मदहोशी में ताड़ी पीते हुए जीवन के पल–पल की हत्या करते रहते हैं। अपने वक़्त में हो रहे प्रथम स्वाधीनता संग्राम की छाया भी इनकी इस मदहोशी को विचलित नहीं कर पाती।

नाट्य प्रदर्शन
Theatrical Performances

शनिवार 20 अगस्त, 2016, सायं 6.30 बजे
युगावतार
परिकल्पना एवं निर्देशन : ललित सिंह पोखरिया

रविवार 21 अगस्त, 2016, सायं 6.30 बजे
नागर कथा (कहानी-कोलाज)
परिकल्पना एवं निर्देशन : चित्रा मोहन

Saturday 20 August, 2016, 6.30 p.m.
Yugavtar
Concept & Direction : Lalit Singh Pokhariya

Sunday 21 August, 2016, 6.30 p.m.
Nagar Katha (Story-Collage)
Concept & Direction : Chitra Mohan

स्थान : यशपाल सभागार, उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान
6, महात्मा गाँधी मार्ग
हजरतगंज, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)

Venue : Yashpal Auditorium, Uttar Pradesh Hindi Sansthan
6, Mahatma Gandhi Marg
Hazrat Ganj, Lucknow (Uttar Pradesh)

साहित्य अकादेमी
...न भवन, 35, फ़ीरोज़शाह मार्ग,
...ई दिल्ली 110 001
...011-23386626/27/28
...011-23382428
...secretary@sahitya-akademi.gov.in
...www.sahitya-akademi.gov.in

SAHITYA AKADEMI
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road,
New Delhi - 110001
Phone: +91 11 23386626-28
Fax: +91 11 23382428
Email: secretary@sahitya-akademi.gov.in
Website : www.sahitya-akademi.gov.in

Ministry of Culture
Government of India

Sahitya Akademi

अमृतलाल नागर
जन्मशतवार्षिकी समारोह
20–21 अगस्त 2016, लखनऊ

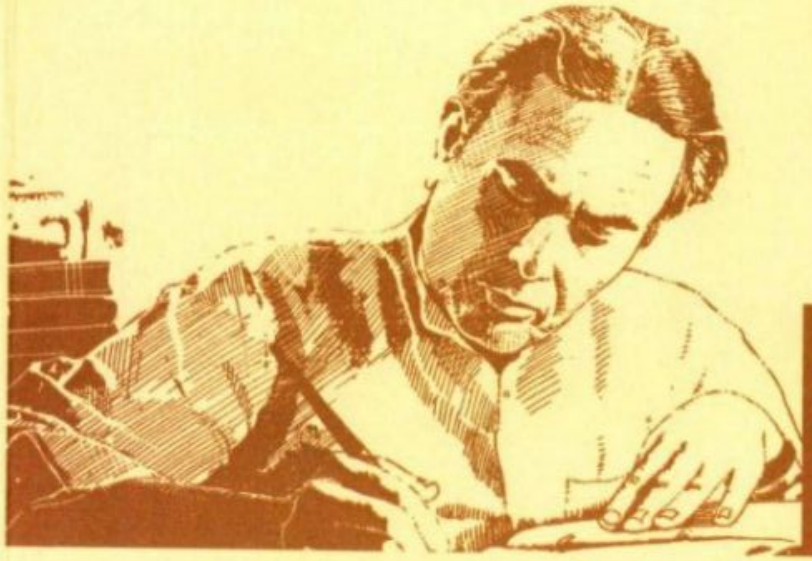

1916-1990

Birth Centenary Celebration of
Amritlal Nagar
20-21 August 2016, Lucknow

गुरूवर पद्मश्री राज बिसारिया द्वारा प्रदत्त
गुरूसूत्र, प्रेरणा एवं शाश्वत् आशीर्वाद से
अनुप्राणित रंगयात्रा .....

निसर्ग नाट्य समारोह 2016

दिनांक : 31 मई - 02 जून, 2016

31 मई 2016

दूत घटोत्कच

रचना : **महाकवि भास**

निर्देशन : **भूमिकेश्वर सिंह**

प्रस्तुति

प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान, दिल्ली

गौरवशाली भारतीय शास्त्रीय नाट्य परम्परा एवं यूनेस्को द्वारा घोषित विश्वधरोहर छाऊ नाट्य शैली का भव्य समन्वय

01 जून 2016

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली

शोध, आलेख एवं निर्देशन :

ललित सिंह पोखरिया

प्रस्तुति

निसर्ग, लखनऊ

भारतीय स्वतंत्रा आन्दोलन में विश्व प्रसिद्ध पेशावर काण्ड के महानायक वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली की महागाथा

02 जून 2016

दुःखवा में बीतल रतिया

कहानी : **रामेश्वर उपाध्याय**

नाट्य रूपान्तरण : **ललित सिंह पोखरिया**

निर्देशन : **बसन्त रावत**

प्रस्तुति

थियेटर फोरम, आगरा

लोक संगीत और नृत्य से ओतप्रोत एक लोक कलाकार की करूण गाथा

विनीत

ललित सिंह पोखरिया

अध्यक्ष, निसर्ग

गुरूवर पद्मश्री राज बिसारिया

The first initiative was taken by Raj Bisaria forming his **University Theatre Group in 1962.** Four years later, following a successful run of the University Productions Raj Bisaria founded the **Theatre Arts Workshop (TAW),** the premier training and performing group of its kind in the State.

The Bhartendu Natya Akademi (BNA): Bhartendu Academy of Dramatic Arts (BADA), when it was founded in 1975 (with Raj Bisaria as its founder director) become the first of its kind in the large Hindi belt of Bihar, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and Rajasthan. The only other being the Delhi based National School of Drama (NSD).

Also in 1975, the first ever theatre training workshop in Uttar Pradesh was held for the UP. Sangeet Natak Akademi and the Sangeet Natak Akademi, Delhi, **under his direction.**

As impresario Raj Bisarias widening interests had led to the introduction of **Irshad Panjatans** excellent mime in 1967 and next year the presentation of **Murray Louis Dance Company of USA.**

This broadening activity and involvement with the performing arts also saw a classical dance performacne by Sonal Mansingh, in 1970, the debut of Om Shivpuris Dishanter group in 1972' a painting exhibition of R.S. Bishts miniatures and, Richard Schechners modern American Theatre, both in 1976 and the **Annapolis Brass Quintet in 1981** - all arranged at the initiative of Raj Bisarias TAW, **and all for the first time in the state.**

As theatre actor - diractor Raj Bisaria took lead roles in several of TAW English productions. But also noticeable in 1972 was a major shift in his emphasis **from modern Euro-American productions**

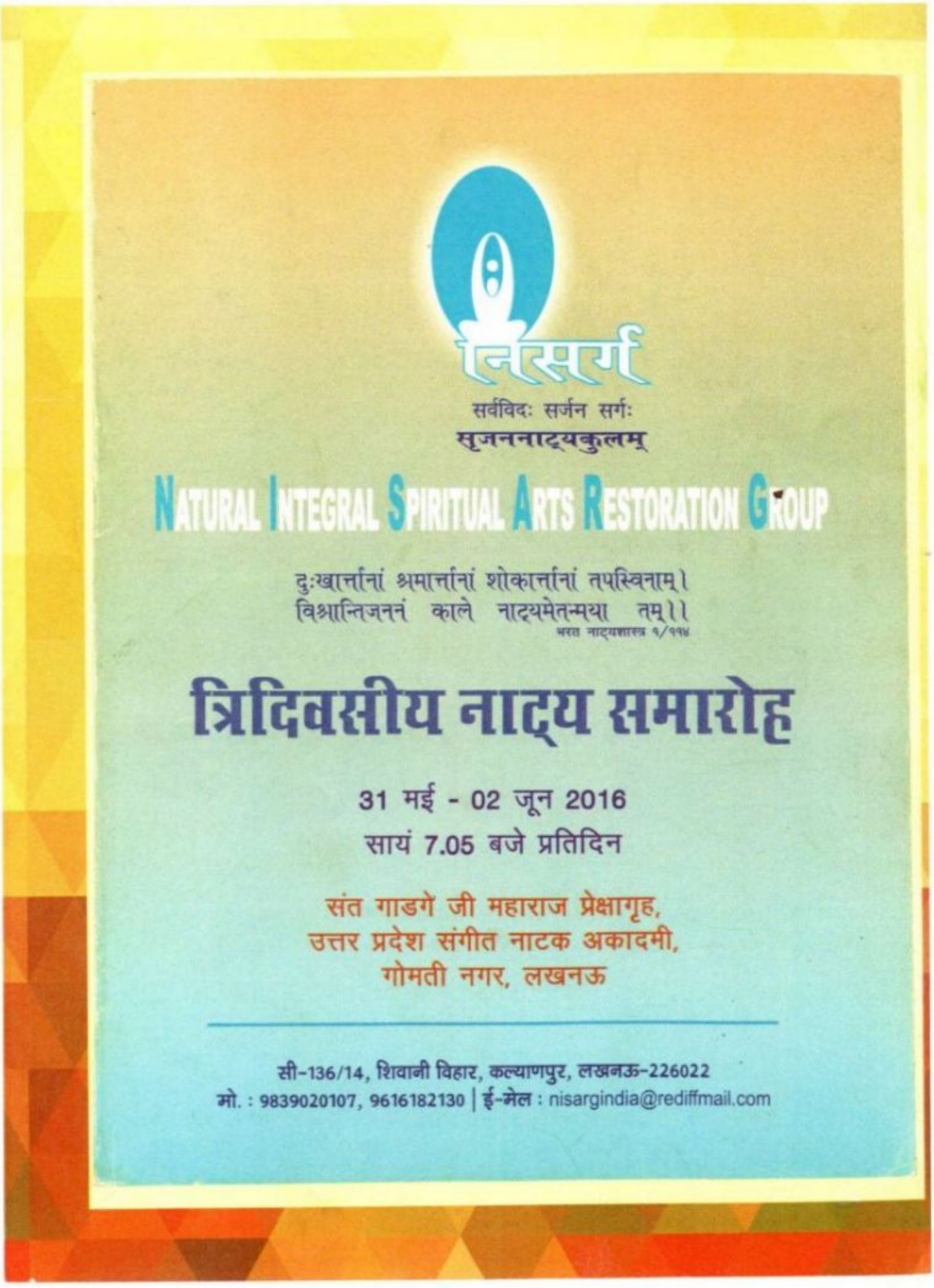
निसर्ग
सर्वविदः सर्जन सर्गः
सृजननाट्यकुलम्
NATURAL INTEGRAL SPIRITUAL ARTS RESTORATION GROUP
दुःखार्त्तानां श्रमार्त्तानां शोकार्त्तानां तपस्विनाम्।
विश्रान्तिजननं काले नाट्यमेतन्मया कृतम्।।
भरत नाट्यशास्त्र १/११४
त्रिदिवसीय नाट्य समारोह
31 मई - 02 जून 2016
सायं 7.05 बजे प्रतिदिन
संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह,
उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी,
गोमती नगर, लखनऊ
सी-136/14, शिवानी विहार, कल्याणपुर, लखनऊ-226022
मो. : 9839020107, 9616182130 | ई-मेल : nisargindia@rediffmail.com

to plays in **Hindi** of modern Indian playwrights: **Mohan Rakesh, Badal Sircar, Adya Rangacharya, Dharamvir Bharti, Shesh and Mohit Chatterjee.**

Theatre training for Raj Bisaria over the years, besides efforts on his own, included an invitation by the **British Council, London,** to visit **U.K.** and train at the **British Drama League (now the British Theatre Association) as a producer, drama-instructor, and adjudicatro, in 1969.**

He took up the examination of **the Education Board of the United Kingdom, and was awarede the Assocciate Drama Board (U.K.) Diploma in 1969.**

On both the T.V. and Radio, Raj Bisaria left his impress as an actor, moderator cum interviewer, both in India and abroad. He was interviewed by the **BBC,** London (during his 1969, 1980, 1986 and 1993 visits) as well as the New York Radio, USA in 1980.

As film & T.V. actor/teacher Raj Bisaria was associated as a **dialogue coach in Shyam Senegals Junoon** and as **an actor of Muzaflar Alls Aagman; Govind Nihalanis Aaghat, and Doordarshans own T.V. serial Bidi Natiyon Wali, and Amal Allanas Raj Se Swaraj,** and recently in, **Ret Par Likhe Naam,** written by Kamaleshwar. He acted regularly in TV plays. **Since 1978 he is rated as a top grade actor of the Doordarshan.**

AWARDS:

1. **In 1988, Sangeet Natak Akademi,** Uttar Pradesh Award, but he declined the award . 2. **PADMA SHREE by the Rashtrapati on 26 January, 1990,** for **contribution of Modern Indian Theatre.** 3. **YASH BHARTI** - 1994 - Life time achievemtn award 1994 by the **Government of Uttar Pradesh. 4. U.P. RATNA - 1996** - by all India Conference of Intellecutals **for THEATRE DIRECCTION AND CONSTRIBUTION MEDIA.** 5. **Distinguished Sevice Honour** - NGO **Helpage India** - 1997. 6. **Fan - Vibhushan,** NGO, Bhartiya Fankar Society, U.P. - 1998. 7. **Bhartendu Natya Akademi** - Recognition for his unique services and contribution as its founder-director - 2000AD. 8. **Centreal Sangeet Natak Akademi Award** for Direction - 2004. 9. **National School of Dramma Recognition** for composite contribution to Theatre in India - 2004. 10. **Aditya Vikram Birla Kalashikhar Puraskar - 2010 (Life Time Achievement Award).**

विलायत जाफरी

प्रिय ललित,

बहुत खुशी हुई यह जानकर कि आप फिर एक बार तीन नाटकों का एक फेस्टिवल कर कर रहे है। आपने हमेशा अपने नाटकों द्वारा बेहतरीन मनोरंजन के साथ-साथ जिन्दगी सुधारने का पैगाम भी दिया है। बधाई हो, यकीन है आपकी ये कोशिश कामयाब होगी और दर्शक आपके नाटकों में अपना चेहरा देख सकेंगे।

Vilayet Jafri

borned in an illustrious family of patriots, Vilayet Jafri is a reputed playwright, poet and short story writer & well known in the literary, theater and entertainment sector in India. He is well versed in 7languages ¹.à.; Hindi, Urdu, English, Sanskrit, Persian, Punjabi & Arabic. But writes in Hindi & Urdu.

He worked as Controller of Programmes Directorate General Doordarshan New Delhi & retired as Director Doordarshan. In 1993, a special programme was produced by BBC London, highlighting his contribution as a writer, theater worker and as the man who pioneered Light & Sound Programmes in India. He was an important part of various cultural bodies of the country; International Jury -Golden Prague Czechoslovakia (TV Festival-July, 1989), Member - India Council for Cultural Relations Ministry of External Affairs (India).

He has authored 9 books (of which 2 were awarded), 11 plays, 21 sound & light productions

अतुल श्रीवास्तव

प्रिय ललित,

बहुत ही खुशी हो रही है कि तुम व्यक्तिगत और संस्थागत रूप से लगातार काम करते जा रहे हो। इससे मुझे और हमारे बैच के सारे दोस्तों को दिली सुकून मिलता है। 31 मई - 02 जून 2016 तक आयोजित हो रहे इस नाट्य समारोह में भी तुमने पिछले वर्ष की तरह बहुत ही उम्दा नाटकों को रखा है। मुझे पक्का विश्वास है कि ये समारोह दर्शकों के दिल में एक यादगार बनके रहेगा। तुम्हे और निसर्ग के सारे साथियों को मेरी तमाम शुभकामनाएं और बधाई।

Atul Srivastava

A product of Bhartendu Academy of Dramatic Arts (1984-86). A good actor and teacher.

He has played minor roles in both movies and television shows. He is most popularly remembered for the role of P.K. Shrivatsav in Kareena Kareena. He has also appeared in films such as Munna Bhai M.B.B.S., Lage Raho Munna Bhai, Bunty Aur Babli and Gol Maal. He has also worked in bhootnath.he is also famous for his serial mrs and mr sharma allahabadwale bhagya vidhata and Service Wali Bahu (Running serial in Zee Tv).

राघव प्रकाश मिश्रा

प्रिय ललित

बेहतरीन नाटकों के एक और समारोह के लिये बधाई और शुभकामनाएं। मित्र आप लगातार पूरी शिद्दत से थियेटर मे लगे हुए हैं और निसर्ग के जरिये एक खास मुहिम चलाये हुए हैं। ईश्वर करे आपका सफर कभी न रुके।

Raghav Prakash Mishra

Hailing from Allahabad, the cultural and educational hub, Raghav was born with a passion of arts. The social, religious, educational and cultural characteristics of the city highly influenced him, he is a product of Bhartendu Natya Akademy, Lucknow (1984-86). He now freelances as a theatre actor and light designer. His experience includes working as an artist at the Shriram Centre Repertory Compan and as an Associate Art Director on the Hindi feature film Hazaro Khwahishey Aisi. He is currently working with Indira Gandhi National Open University as a Set Designer.

ज़ाकिर हुसैन

Mr. Lalit Singh is a wonderful man and a very old friend of mine..we worked togather in Sriram Center

& several radio & TV serials. His play Zeher Kaun Piye won the academy award (1989) & J&E Govt. award (1969). One of his sound & light production Badhte Kadam created the record of the longest running show by being exhibited for 482 nights in a row. In 1996, a research was commissioned at Lucknow University to study the Radio & TV plays created by him.

पद्म श्री निरंजन गोस्वामी

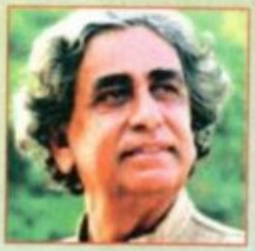

Dear Lalit Bhai,

It is my great pleasure to know that Nisarg is organizing a Three-day Drama Festival at SGM Audotorium from 31 May-02 June 2016 at Lucknow.

I congratulate you and convey my good wishes for the festival.

I wish your festival become a grand success and also wish that your creative journey continues to inspire all of us.

With warm regards

Niranjan Goshwami

Multi-award winning pantomime artist Padma Shree Niranjan Goswami has been a pioneer in bringing the art of mime to India. He is today instrumental in successfully developing the art of mime and elevating its status of an independent art form in India. He founded the Indian Mime Theatre in 1976, and through it, has been working for social causes like women empowerment, child development, vocational training for the rural and unemployed youth etc. He received the prestigious Padma Shree award in 2009, presented by the President of India.

राजेश शर्मा

मेरी तमाम शुभकामनाएँ हैं निसर्ग के साथ। आज जहाँ हमारा समाज मॉल कल्चर में डूब गया है वहाँ थियेटर ही ऐसा एकमात्र माध्यम है जो इस इनबॉक्स और मल्टीप्लेक्स कल्चर में डूबे समाज को बचा सकता है। रास्ता कठिन है पर यात्रा जारी रखने के लिए निसर्ग को बधाई। पाशकी की कुछ पंक्तियों में वो जद्दोजहद, वो दर्द है जो रंगमंच की बुनियाद में भी दिखाई पड़ता है -

भारत का अर्थ खेतों के उन बेटों से है जो आज भी
वृक्षों की परछाइयों से वक्त नापते हैं
और जिनके पास सिवा भूख के दूसरी समस्या नहीं है
आज जब कभी भी कोई भारत की कौमी एकता की बात करता है
तो जी करता है उसकी टोपी हवा में उछाल दूँ और
उसे बता दूँ कि भारत के मायने किसी दुष्यन्त से नहीं जुड़े वरन
खेतों में दायर हैं जहाँ अन्न उगता है, जहाँ सेंध लगती है।

राजेश शर्मा

प्रसिद्ध रंगमंच एवं फिल्म अभिनेता, जिन्होंने दशकों तक रंगमंच को शिद्दत से जिया और शिद्दत से किया। अभिनय के लिये उनके दिल में एक जुनून है और उसमें आनन्द की लहरें हमेशा दौड़ती रहती हैं।

Repertory Company delhi in 1988. He is very talanted as an actor, writer and director as well..I give him all the wishes for his theatre festival. All the very best dear Lalit...keep it up... you are reailly dedicated for the upliftment of the theatre.

Zakir Hussain

Zakir Hussain is an Indian film and television actor who is better known for his comic and negative roles. The actor started off with small time theater acting and further went on to National School of Drama to hone his skills.

With his impressive acting prowess, Hussain got quick recognition from serials such as Firdaus, Kitty Party, Gaatha. His first big step into the film industry was with Sriram Raghavans Ek Hasina Thi. It was after this that the actor got noticed and landed up with a plump role in Ram Gopal Vermas Sarkar. Ever since the actor has been a part of several films in both villainous and comic roles.

हेमन्त पाण्डेय

मुझे अत्यन्त प्रसन्नता है कि शुचितापूर्ण रंगकर्म के लिये पहचानी जानी वाली संस्था निसर्ग लगातार नाटकों का समारोह आयोजित कर रही है। 2016 के इस समारोह में बड़े उल्लेखनीय नाटक मंचित किये जा रहे हैं। मैं ललित दा, निसर्ग संस्था और समारोह से जुड़े सभी कलाकारों को समारोह की सफलता के लिये हार्दिक शुभकामनाएं देता हूँ। मैं ये भी कामना करता हूँ कि निसर्ग अपनी विशिष्ट पहचान बनाये रखे।

Hemant Pandey

is a film, theatre and television actor, most known for his role as Pandeyji in TV series, Office-Office (2000). Originally from Pithoragarh, Uttarakhand ,Hemant Pandey got his first break in Delhi by an NGO called Janmadhyam and Allaripu which is specially for women. Hemant has worked in all fields of acting in theatre, television shows and movies also.

डा. गोविन्द बल्लभ पाण्डेय

Dear Lalit Ji,

Thank you so much for the invitation and I wish best of luck to you and your group NISARG for your plays that are going to happen from 31st May - 02 June 2016. My best wishes are always with you and keep up the good work.

With regards

Dr. Govind Ballabh Pandey

Famous theatre, film and television actor, Govind Pandey (Ph.D. in Hindi Drama) has been associated with asias top most theatre institution National School of Drama as A Grade Director and Music Composer. He has proved his brillience of acting in over 1000 shows of 50 plays, 15 feature films and 25 serials. He also directed over 100 theatre workshops.

प्रतिमा कन्नन

ललित जी,
बेहतरीन नाटकों से सजे नाट्य समारोह 2016 की सफलता के लिये हार्दिक बधाई। श्रीराम सेन्टर रंगमण्डल, नई दिल्ली में कई नाटकों में साथ काम करने की यादें ताजा हो गई। आप तब से लगातार एक खास नजरिये के साथ थियेटर में लगे हुए हैं। हम सभी साथी आपके लिए बहुत दुआएं करते हैं।

सस्नेह,

प्रतिमा कन्नन

रंगमंच, फिल्म एवं टेलीविजन की प्रसिद्ध अभिनेत्री, दिल्ली आर्ट थियेटर, श्रीराम सेन्टर, नई दिल्ली और राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय रंगमण्डल, नई दिल्ली आदि देश की प्रमुखतम रंगमण्डलियों के सैकड़ों नाटकों में बेहतरीन अभिनय।

विभांशु वैभव

मुझे ये जानकर अति प्रसन्नता हुई कि निसर्ग 2016 में भी अपना तीन दिवसीय नाट्य समारोह करने जा रहा है! निसर्ग ने ललित सिंह पोखरिया के नेतृत्व में पूरे देश भर में नाट्य आन्दोलन चला रखा है। उन्होंने रंगकर्मियों की एक नयी पीढी तैयार कर रखी है। निसर्ग ने रंगमंच को एक नयी दिशा दी है। मैं इस संस्था से जुड़े समस्त लोगों को अपनी हार्दिक शुभकामना देता हूँ ! अपने इन रंगकर्मी साथियों के लिये बस्स इतना ही कहूँगा –

दयारे फन में जहाँ मंजिलें भी फानी हैं ,
तमाम उम्र भटकने का हौसला रखिये !!

सस्नेह...!!

Vibhanshu Vaibhav

Famous playwright a multifaceted personality imbibing in himself the qualities of an Actor, Director, Screenplay & dialogue writer , he was born in Allahabad in 1966. After graduating from Allahabad university , he took Diploma in Dramatics From Bhartendu Natya Academy, Lucknow. He had been chief of Shri ram Centre , Repertory , New Delhi. Where he also worked as an actor from 1987 to 1990. Having worked and experienced with several reputed drama directors of the country , mr. Vaibhav directed Dozens of plays and acted in over 50 of them. Among his most admired plays authored by him include: Maharathi , Babujee , Kaho to Boloon, Thumri , Manthan , Paanchali, Gunda , Chuttan dubey ke sapney , Naurangi pulav etc.

Mr. Vaibhav bags the experience of working with several renowned directors like Habib Tanveer , B.V. Karanth, B.M.Shah, Ranjeet Kapoor, M.K.Raina, Waman Kendrey Raj Bisaria, Fritz Bennewitz ,B.Jayshree, Anamika Haksar, Prasanna , K.V.Akshara, Rajinder Nath etc.

He is also famed as a successful writer in the world of television and films .

राजपाल यादव

बड़ी खुशी की बात है कि 'निसर्ग' पिछले कुछ वर्षों से सीमित संसाधनों के बावजूद नाट्य समारोह का आयोजन कर रहा है। अपनी रंगयात्रा में निसर्ग ने सदा रंगमंच की सृजनात्मकता और सामाजिक सरोकारों को अहमियत दी है। भारतीय रंगमंच का विकास भी निसर्ग का ध्येय रहा है।

मुझे इस बात की विशेष खुशी है कि निसर्ग के प्रमुख ललित भाई रंगमंच के क्षेत्र में आने वाले नये कलाकारों को सीधा–सच्चा रास्ता दिखाते हैं।

31 मई से 2 जून 2016 तक चलने वाले नाट्य समारोह की सफलता के लिए समारोह से जुड़े सभी लोगों को मेरह हार्दिक शुभमानाएँ।

राजपाल यादव

प्रसिद्ध रंगमंच एवं फिल्म अभिनेता, भारतेन्दु नाट्य अकादमी एवं राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय से लगातार 5 साल तक अभिनय का गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया और फिल्म जगत में अपनी विशेष पहचान बनायी। रंगमंच के लिये उनकी अगाध श्रद्धा ही उनकी कला को नित्य नवीन आयाम प्रदान करती है।

INSTITUTION FOR TRADITIONAL ARTS & CULTURE

Khurai Sajor Leikai, Imphal East, P.O. - Lamlong Bazar - 795010

Message

I am happy to know that Natural Integral Spiritual Arts Restoration Group, the National Theatre Festival, is being organized by Natural Integral Spiritual Arts Restoration Group from 31st May to 02nd June, 2016. It is heartening that a festival of Indian performing traditional art form. I wholeheartedly commend the theatre of the Natural Integral Spiritual Arts Restoration Group fori their creative endeavours in sustaining the interest in the field of theatre.

The Natural Integral Spiritual Arts Restoration Group festival have come to acquire a prominent place on the cultural scene of the capital and know it is being enthusiastically look forward not only by the participating theatre group but also by their viewer at large. This has immensely helped in catalyzing interest in theatre through creative programmes and activities. I hope this festival will be very successful event last year's festival.

I extend my best wishes for the success of the festival.

(GURU S. BISWAJIT SINGH)

Martial Arts Director

पुष्पिला बिष्ट

अधिवक्ता (हाई कोर्ट)

मुझे हार्दिक प्रसन्नता है कि निसर्ग द्वारा आयोजित नाट्य समारोह 2016 के तीनों नाटक भारतीय रंगमंच के सृजनात्मक आयामों और सामाजिक सरोकारों को बल प्रदान करने वाले नाटक हैं। समारोह से जुड़े सभी लोगों को साधुवाद और शुभमानाएँ।

पुष्पिला बिष्ट

जिन्हें सृजन और संवेदना माता–पिता से संस्कार रूप में मिले। हाईकोर्ट में एक ख्यातिलब्ध अधिवक्ता पुष्पिला जी 1998 से वकालत करते हुए भी कला, संस्कृति और समाज सेवा को अपने जीवन में प्राथमिक स्थान देती हैं। समाज के गरीब तबके के लोगों को भरपूर स्नेह और सहायता प्रदान करती हैं। विश्वविख्यात चित्रकार पिता पद्मश्री रणवीर सिंह जी की स्मृति में आर्ट्स एण्ड कल्चर वेबसाइट चला रही हैं।

अभिषेक मिश्रा

(एम.एससी.–एग्रीकल्चर, अधिवक्ता – हाईकोर्ट)

सामाजिक – मानवीय सरोकारों के लिए समर्पित निसर्ग का यह नवीनतम नाट्य समारोह 2016

एक बेहतरीन नाटकों का समन्वय है। समारोह की सफलता और निसर्ग की सतत् सृजन यात्रा के लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएँ।

अभिषेक मिश्रा

रंगमंच के प्रति बचपन से लगाव। कई नाटकों में अभिनय। निसर्ग द्वारा संचालित त्रैमासिक नाट्य प्रशिक्षण 2010 में प्रशिक्षित। रंगमंच को जीवन के आत्मिक पोषण का स्रोत मानकर अपनाया।

Ajit Sinha

Director of Wah Taj

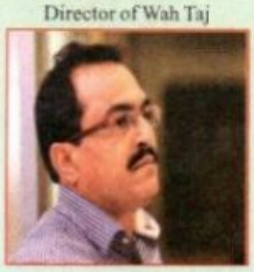

I heartily congratulate Mr. Lalit Singh Pokhariya and all his theatre colleagues for the successful launch of 3 day drama festival "Nisarg" from 31st May to 2nd June, 2016.

I wish from the bottom of my heat that this may lead to his great success, name, fame and fortune. May he have all the strength and power to keep driving this medium of theatre and art going with great pomp and show on a regular basis and henceforth retaining our rich art and cultural platform.

31 मई 2016

दूतघटोत्कच

प्रस्तुति - प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान, दिल्ली

Pratibha Sanskritik Sansthan was established in 1987, with Bhumikeshwar Singh as the Founder/ Director. It is a non-profitable organization working in various fields of performing arts. PSS conducts various training programs in Chhau Dance, Odissi Dance, Drama & Mime. The institution also organizes **Pratibha Sanskriti Award** ceremony to encourage and appreciate the Artists, who are working in the field of Theatre and dance. The institution is also empanelled in I.C.C.R.

The main objective of PSS is to experiment Sanskrit plays in Chhau style by using all the elements described in Natya shastra. Some of the major productions of PSS are: Dootvakyam, Karnabharam, Venisanharam, Nagmandal, Pancharatram, Mahaveercharitam, Dootghatotkacham, Bhagvadajjukam, Chrudattam, Meghdootam, MadhyamVyayogam, MattaVilas, Kurukshetra Pratigyayougandharayan and Avimarak.

Some of the productions participated in major National Theatre Festivals held in various parts of India, like National Theatre Festival Sept.98, Trissur, **Swarn Utsav** festival organized by Sangeet Natak Akademi Dec.2000 in Patna, Siddharth Kala Pitham Aug. 2001, Vijayawada, **Velvi** Theatre fest. Feb. 2000, Madurai , **Kalidas Samaroh and Sanskrit Drama** festival, Nov.2006 & 012 in Ujjain, **Natya Parva** by Sangeet Natak Akademi, Dec 05 in Varanasi, **Natya Smaroh** by W.Z.C.C. Aug 08, Jaipur & Jodhpur, **Bhartendu Natya Utsav** and **Yuva Natya samaroh** organied by Sahitya Kala Parishad, May 09, and Feb 013 in New Delhi. All these performances were highly appreciated by the audiences.

P.S.S has organized some major Sanskrit Drama festivals & Workshop in various cities of India like: **Bhas** Sanskrit Drama festival in Lucknow in 2011, **Rabindrotsav** Tagore Festival 2012 in Varanasi, Sanskrit Natya Samaroh **Nataraj** 2012 in Agra & **Residential National Theater workshop** in Mount Abu, Rajasthan in 2014, **Angik Abhinay Karmashala** Varanasi in 2015 (supported by Ministry of Culture , Govt. of India) .

The Institution has also organized Chhau workshops in abroad with collaboration with International groups like **Ratna** Group of Russia in various cities of Russia in 2009 and in Ukraine, Kiev in 013 organized by Oriental Dance Club.

About the Director

BHUMIKESHWAR SINGH
(Classical Drama Director)

Bhumikeshwar Singh completed his one year diploma in acting from Shri Ram Center for Performing Arts, New Delhi in 1990-91 after which he trained in Chhau Dance under Shri Shashidhar Acharya at Triveni Kala Sangam, New Delhi. He then acquainted himself with Indian martial art (Phari-Khand) traditions under Guru Krishna Nayak and also trained at the Govt. Chhau Dance Center, Seraikella, Jharkhanda. also learnt the art of Mask-Making in the Seraikella form under the tutelage of Shri Dhiro lal Bhol and Mime under the guidance of Shri Niranjan Goswami at the Indian Mime Theatre, Kolkata. He is the founder and Director of the Delhi based Classical Indian Theatre group **Prathibha Sanskritik Sansthan.** Bhumikeshwar was awarded scholarship by Sahitya Kala Parishad (91-93) and from Triveni Kala Sangam((98-2000) to undertake special training in Chhau dance and was awarded fellowship by the Department of Culture, Govt. of India from 1996-98. He has had the privilege to work with eminent theatre personalities like Hemant Mishra, Vigeesh Kumar Singh, K.S.Rajendran, Sheila Bhatia, Satyabrat Raut and Mohan Maharshi. Amongst the many Sanskrit plays that he has directed are: Dootvakyam, Karnabharam, Urubhangam, Venisamharam, Balcharitam, Mahavircharitam, Pancharatram, Charudattam,

Bhagvadajjukam, Meghdoota, Dootghatotkacham Mattavilas, MadhyamVyayog, Kurukshetra, Naagmandala, Avimarak and Pratigyayogandhrayan. Alongside this he has been conducting regular workshops on Chhau movements, Drama and Mime throughout the country with different art institutions and different Universities of India.

He also has to his credit the choreography of dance pieces with school children in Delhi, for Republic day celebrations from 1997, 98, 99 and 2004. He conducted a month long Chhau Dance performance and workshop at Ukraine(Kiev-Oct 2013) &Yekaterinburg, Russia(June 2009) that culminated in the dance-piece Meghdoot in 2009 and also gave Chhau performances at Anand Yog Center, Tumin and Puppet Theatre, Yekaterinburg, Russia. Presently Bhumikeshwar trains students in Classical Drama, Chhau, and Mime in Delhi.

कथासार -

प्रस्तुत नाटक में अभिमन्यु के मरणोपरान्त श्री कृष्ण की आज्ञा से हिडिम्बा पुत्र घटोत्कच श्री कृष्ण का दूत बनकर कौरव सभा में जाता है और श्री कृष्ण का सन्देश सुनाता है "एक पुत्र अभिमन्यु के मर जाने से अर्जुन को जो इतना संताप हुआ है तो सौ पुत्रों के मर जाने पर आप को कितना कष्ट होगा, अतः आप सम्पूर्ण सेना युद्ध से विरत कर दें।" श्री कृष्ण का इस सन्देश का मजाक उड़ाते हुए दुर्योधन, दुःशासन और शकुनि घटोत्कच की भर्त्सना करते हैं और राक्षस कुल पर व्यंगपूर्ण वचन कहते हैं जिससे घटोत्कच भी कहता है "आप लोग तो राक्षसों से भी निकृष्टतर है। राक्षस लाक्षागृह में सोए हुए भाइयों को नहीं जलाते हैं। वे अपनी भावज के सिर पर हाथ नहीं लगाते। राक्षसों को तो स्मरण भी नहीं होगा कि कभी उन्होंने अपने पुत्र को मारा हो" और अन्ततः घटोत्कच और दुर्योधन आदि के बीच वार्तालाप बढ़ते-बढ़ते युद्ध तक की नौबत आ जाती है। जिसको धृतराष्ट्र शान्त कराते हैं।

निर्देशकीय-

संप्रति, संस्कृत नाटकों को खेलना चुनौतीपूर्ण होता है। महाकवि भास द्वारा रचित नाटक दूतघटोत्कचम् शताब्दियों पहले लिखा गया महाभारत के घटोत्कच के प्रसंग पर आधारित है जो कि राक्षसी पुत्र था। इस नाटक में महाकवि भास ने अपने अन्य नाटकों की भाँति इसमें भी नाटकीय व्यंग्य की उपस्थापना की है जो अत्यन्त ही कारूणिक है। इस नाटक में राक्षस की मानवता तथा मानव को राक्षसी प्रवृत्ति में लिप्त होने का चित्रण किया है। जो कि आज भी हमारे समाज में जातीय हिंसा के रूप में परिलक्षित दिखती है। जो श्री भारत रत्न भार्गव के काव्यानुवाद तथा छाऊ नृत्य शैली के माध्यम से साकार किया गया है। इस नाटक में वीर, रौद्र, वीभत्स तथा करूण रस का अद्भुत सम्मिलन है।

मंच पर

धृतराष्ट्र - *रौनक सिंह*
गान्धारी - *चित्रा नेगी*
दुःशला - *अंजली*
जयत्रात - *रिन्कू*
अभिमन्यु / शकुनी - *परवेज आलम*
जयद्रथ / घटोत्कच - *अक्षय शर्मा*
दुर्योधन - *रोहित कुमार*
दुःशासन - *लवकेश*

मंच परे

प्रकाश - *रविन्द्र मिश्रा*
संगीत निर्देशन - *हरि नारायन दास*
वादन / ध्वनि - *भूमिकेश्वर सिंह व प्रतिभा जेना सिंह*
बांसुरी - *सुजीत कुमार गुप्ता*
आलेख - *महाकवि भास*
अनुवाद - *भारत रत्न भार्गव*

निर्देशन व दृश्य संरचना - *भूमिकेश्वर सिंह*

नाटककार महाकवि भास

(चौथी शताब्दी ईस्वी पूर्व के समीप का समय)

सन् 1909 ई0 के पूर्व विद्वानों की धारणा थी कि महाकवि कालिदास ही संस्कृत साहित्य के सर्वप्रथम नाटककार है। सन् 1909 ई0 में त्रावणकोर राज्य के तत्कालीन महाराजा की आज्ञा से स्वर्गीय महामहोपाध्याय श्री टी0 गणपति शास्त्री को पुराने हस्तलिखित ग्रन्थों की खोज करते समय तीन चार सौ वर्ष पूर्व के लिखे हुए तेरह रूपक मिले जिनको उन्होंने महाकवि भास की अमर कृतियों के रूप में घोषित किया।

Bhagvadajjukam, Meghdoota, Dootghatotkacham Mattavilas, MadhyamVyayog, Kurukshetra, Naagmandala, Avimarak and Pratigyayogandhrayan. Alongside this he has been conducting regular workshops on Chhau movements, Drama and Mime throughout the country with different art institutions and different Universities of India.

He also has to his credit the choreography of dance pieces with school children in Delhi, for Republic day celebrations from 1997, 98, 99 and 2004. He conducted a month long Chhau Dance performance and workshop at Ukraine(Kiev-Oct 2013) &Yekaterinburg, Russia(June 2009) that culminated in the dance-piece Meghdoot in 2009 and also gave Chhau performances at Anand Yog Center, Tumin and Puppet Theatre, Yekaterinburg, Russia. Presently Bhumikeshwar trains students in Classical Drama, Chhau, and Mime in Delhi.

कथासार -

प्रस्तुत नाटक में अभिमन्यु के मरणोपरान्त श्री कृष्ण की आज्ञा से हिडिम्बा पुत्र घटोत्कच श्री कृष्ण का दूत बनकर कौरव सभा में जाता है और श्री कृष्ण का सन्देश सुनाता है "एक पुत्र अभिमन्यु के मर जाने से अर्जुन को जो इतना संताप हुआ है तो सौ पुत्रों के मर जाने पर आप को कितना कष्ट होगा, अतः आप सम्पूर्ण सेना युद्ध से विरत कर दें।" श्री कृष्ण का इस सन्देश का मजाक उड़ाते हुए दुर्योधन, दुःशासन और शकुनि घटोत्कच की भर्त्सना करते हैं और राक्षस कुल पर व्यंगपूर्ण वचन कहते हैं जिससे घटोत्कच भी कहता है "आप लोग तो राक्षसों से भी निकृष्टतर है। राक्षस लाक्षागृह में सोए हुए भाइयों को नहीं जलाते हैं। वे अपनी भावज के सिर पर हाथ नहीं लगाते। राक्षसों को तो स्मरण भी नहीं होगा कि कभी उन्होंने अपने पुत्र को मारा हो" और अन्ततः घटोत्कच और दुर्योधन आदि के बीच वार्तालाप बढ़ते-बढ़ते युद्ध तक की नौबत आ जाती है। जिसको धृतराष्ट्र शान्त कराते हैं।

निर्देशकीय-

संप्रति, संस्कृत नाटकों को खेलना चुनौतीपूर्ण होता है। महाकवि भास द्वारा रचित नाटक दूतघटोत्कचम् शताब्दियों पहले लिखा गया महाभारत के घटोत्कच के प्रसंग पर आधारित है जो कि राक्षसी पुत्र था। इस नाटक में महाकवि भास ने अपने अन्य नाटकों की भाँति इसमें भी नाटकीय व्यंग्य की उपस्थापना की है जो अत्यन्त ही कारूणिक है। इस नाटक में राक्षस की मानवता तथा मानव को राक्षसी प्रवृत्ति में लिप्त होने का चित्रण किया है। जो कि आज भी हमारे समाज में जातीय हिंसा के रूप में परिलक्षित दिखती है। जो श्री भारत रत्न भार्गव के काव्यानुवाद तथा छाऊ नृत्य शैली के माध्यम से साकार किया गया है। इस नाटक में वीर, रौद्र, वीभत्स तथा करूण रस का अद्भुत सम्मिलन है।

मंच पर

धृतराष्ट्र - *रौनक सिंह*
गान्धारी - *चित्रा नेगी*
दुःशला - *अंजली*
जयत्राात - *रिन्कू*
अभिमन्यु/शकुनी - *परवेज आलम*
जयद्रथ/घटोत्कच - *अक्षय शर्मा*
दुर्योधन - *रोहित कुमार*
दुःशासन - *लवकेश*

मंच परे

प्रकाश - *रविन्द्र मिश्रा*
संगीत निर्देशन - *हरि नारायन दास*
वादन/ध्वनि - *भूमिकेश्वर सिंह व प्रतिभा जेना सिंह*
बांसुरी - *सुजीत कुमार गुप्ता*
आलेख - *महाकवि भास*
अनुवाद - *भारत रत्न भार्गव*

निर्देशन व दृश्य संरचना - *भूमिकेश्वर सिंह*

नाटककार महाकवि भास

(चौथी शताब्दी ईस्वी पूर्व के समीप का समय)

सन् 1909 ई0 के पूर्व विद्वानों की धारणा थी कि महाकवि कालिदास ही संस्कृत साहित्य के सर्वप्रथम नाटककार है। सन् 1909 ई0 में त्रावणकोर राज्य के तत्कालीन महाराजा की आज्ञा से स्वर्गीय महामहोपाध्याय श्री टी0 गणपति शास्त्री को पुराने हस्तलिखित ग्रन्थों की खोज करते समय तीन चार सौ वर्ष पूर्व के लिखे हुए तेरह रूपक मिले जिनको उन्होंने महाकवि भास की अमर कृतियों के रूप में घोषित किया।

कीथ का कथन है कि भास का प्रादुर्भाव दूसरी शताब्दी में हुआ। उनका एक श्लोक अश्वघोष के बुद्धचरित के समान का मिला है। एक अनुश्रुति के अनुसार भास ने तीस से अधिक ग्रन्थों की रचना की, परन्तु अभी तक खोज में केवल तेरह रूपक ही उपलब्ध हुए हैं। वे महाभारत, रामायण एवं कल्पना के आधार पर लिखे हुए हैं। जैसे महाभारत पर आधारित मध्यम व्यायोग, दूतघटोत्कच, कर्णभारम्, ऊरूभंग, पंचरात्र, दूतवाक्यम् और बालचरितम्। रामायण के आधार पर लिखे हुए रूपक हैं प्रतिमा नाटकम् व अभिषेक नाटकम् और कल्पना के आधार लिखे हुए रूपक हैं - अविमारक, दरिद्र चारूदत्त, प्रतिज्ञायौगन्धरायण एवं स्वप्नवासवदत्ता। महाकवि भास संस्कृत साहित्य के प्रथम उपलब्ध नाटककार हैं।

Bharat Ratan Bhargava
Translator

Is native of Rajasthan, post graduate in Hindi. He has done summer theatre course from RADA, London, short term theatre course from NSD, and production training from BBC, London.

Worked as announcer, script writer, programmer executive and producer with All India Radio and BBC, served as Deputy Secretary in S.N.A, New Delhi. To his credit there are many published worked of Drama, poem, article, essays and features which have formed place in the magazine of national repute.

Translated and adopted a good number of plays in different languages. Acted, directed and produced many plays in the panel of various Boards and committee related to the field of literature, art and culture.

संदेश

राधा बल्लभ त्रिपाठी

भूमिकेश्वर आज के रंगमंच पर सर्वाधिक संभावनाशील निर्देशकों में एक हैं। समकालीन रंगकर्म में उनकी उपस्थिति लाजगी का अहसास कराती है। उन्होंने सार्थक प्रयोगधर्मिता के द्वारा परंपरा को समकालीनता से जोड़ा है। उनके कार्य से भास के रंगमंच को नई सार्थकता मिली। विशेष रूप से छऊ के संयोजन से उन्होंने अपने नाट्यकर्म में अनोखी गत्यात्मकता और ऊर्जा का संधान किया है।

RADHAVALLABH TRIPATHI,
Former Vice Chancellor,
Rashtriya Sanskrit Sansthan, New Delhi.
Former Professor of Sanskrit,
Dr. Harisingh Gour University, Sagar.

Nataliya Belchenko
from Eketerinburg , Russia, Director of Santosh Ratna Indian Classical dance School.

Our ensemble of Indian dance had interesting and fascinate experience with Drama director and Chhau dancer Bhumikeshwar Singh in 2009. He had put dance drama Meghdoot with us. His explanations, demonstrations, directions were so clear and exact that all of us could feel themselves like heroes of Ancient India. We were so lucky to work with such a patient teacher, wise director and talented dancer.

01 जून 2016

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली

प्रस्तुति - निसर्ग, लखनऊ

About the Director

Graduate in Dramatic Arts and Internship from Bhartendu Academy of Dramatic Arts (BNA) in 1984-87. Has been deeply and regularly involved in theatre. Acted in 400 shows of over 60 plays directed by internationally known Directors like Raj Bisaria, Fritz Bennewitz, Bhanu Bharti, B.M. Shah, Waman Kendre etc. As Playwright, Director, Teacher and Workshop Director has vast experience in children and adult theatre. Has written over 60 plays, directed 100 plays and conducted over 50 workshops. Working with rural children, deaf and dumb children, orphans, street children, children homes, women homes, prisoners to give them moral support and human upliftment. Visiting Faculty in Bhartendu Academy of Dramatic Arts (BNA), Lucknow, Himachal Cultural Forum Natya Academy, Mandi (H.P.), IISE Lucknow, Garhwal University, Shrinagar (Uttarakhand) and many other Institutes.

Experience as Director, Actor, Programme Coordinator in BNA Repeertory- Lucknow, SRC Repertory- New Delhi and Yayawar Repertory-Lucknow.

Several article on theatre, arts and culture have been published in pioneering newspaper and magazines, like Vartman Shahity, Kathakram, Bharat Rang, Samachar Times, Rashtriya Sahara, Hindustan, Dainik Jagran, Lamhi, Manav Sanskriti, Pakhi, Patrakar Sadan, Kala Vasudha, Uttar Ujala, Srijan Se etc.

Based on Shakespeares two gentlemen of Verona, has written an Indian Play Delhi-6 which is published by Vani Prakashan.

For the last 21 years, working to develop theatre of Kumaun and Tharu tribes of Uttarakhand to re-establish the spiritual values of the old traditions of Madhya Himalaya and their spectacular grandeur. He has been honoured National Senior Fellowship by the Human Resource Development Ministry, Govt. of India.

Has written several documentaries for Lucknow Doordarshan based on culture, freedom movement, arts crafts and environment aired by Lucknow Doordarshan Kendra and National Network. Has also written and directed some ficctions and plays for Doordarshan and All India Radio.

Has scored following reputed awards. Mayur Pankh Kala Nidhi Award, Bhartendu Natya Academy Rajat Jayanti Award, Nitya Award, Manjushri Award, Sarvashreshth Lekhak Nirdeshak Samman by U.P. Kalakar Association, Kadambari Nandan Smriti Samman, Sahityakar Gopal Upadhyay Smriti Samman, Late Devesh Chakravarti Samman, Uttarayani Samman, Josh Samman, Munal Samman, Mohan Upreti Lok Sankriti Samman, Aacharya Narendra DevAlankar-2010, Lokmat Samman-2013 etc.

At present Founder-President and Director of Nisarg Lucknow. Freelance Theatre Teacher, Writer, Director and Actor.

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली

भारत के स्वाधीनता संग्राम में चन्द्र सिंह गढ़वाली ने जो योगदान दिया उसकी मिसाल पूरे विश्व में नहीं मिलती। मुझे लगता है कि यदि वे किसी पश्चिमी देश में पैदा हुए होते तो उन्हें केवल पेशावर काण्ड के लिए ही नोबल शान्ति पुरस्कार के लिए नामित तो किया ही जाता। जीवन के शेष कृतित्व की महानता का आकलन तो करना बहुत कठिन है।

सन् 1997 में लखनऊ दूरदर्शन के लिए हर्ष थपलियाल के निर्देशन में बनी "वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली" डाक्यूमेंट्री के लिए निर्देशक ने मुझे शोध व पटकथा लेखन का कार्य सौंपा। इसके लिए हम दोनों ने कोटद्वार, ध्रुवपुर,

भरत नगर, देहरादून, लैंसडोन, गढ़वाल राइफल हेड क्वार्टर लैंसडोन और चन्द्र सिंह गढ़वाली के गाँव रौणसेरा जाकर बहुत महत्वपूर्ण जानकारियाँ एकत्र की। कोटद्वार आदि जगहों से प्रकाशित कुछ पुस्तकों और पत्रिकाओं का अध्ययन किया। इतने सारे प्रयासों को मिलाकर हमें उतनी जानकारी नहीं मिल पायी जितनी अकेले महापण्डित राहुल सांकृत्यायन द्वारा लिखी पुस्तक "चन्द्र सिंह गढ़वाली" से मिली।

जिस तरह आइंसटीन ने महात्मा गाँधी के बारे में वक्तव्य दिया था कि ... आने वाली पीढ़ियों को ये मुश्किल से ही विश्वास हो पायेगा कि धरती पर ऐसा महापुरूष भी आया था।... ठीक ऐसा ही विचार मेरे मन में गढ़वाली जी के प्रति आया।

तब से लेकर एक हौल सा मन में उठता रहा कि मैं चन्द्र सिंह गढ़वाली जी को मंच पा लाऊँ। मगर गागर में सागर भरना केवल मुहावरे की सीमा तक ही सरल है। मुहावरे से बाहर निकलकर यह कार्य असंभव है। यह नाटक भी चन्द्र सिंह गढ़वाली जैसे तेजोमय सूर्य के सामने हमारी श्रद्धा का एक छोटा सा दीपक ही है।

निर्देशकीय

मेरे लिए इतने विराट व्यक्तित्व और कृतित्व को एक नाटक में समेट पाना असंभव था। इसलिए मैंने इसमें उत्तराखण्ड के लोकगाथा गायन परम्परा का प्रयोग किया है। खासतौर से पिथौरागढ़ जनपद के आठों उत्सव में रामकथा और महाभारत कथा के सामूहिक गायन की परम्परा है या गढ़वाल में "पण्डौ" की परम्परा है। उनके अभिव्यक्तिपरक तत्वों की सहायता ली गयी है। इसमें पूरे कथानक में कोरस और मुख्य गाथा गायक (वाचक) ही नायक होता है। बीच-बीच में प्रसंगानुसार कोरस द्वारा ही विभिन्न पात्रों का अभिनय किया जाता है। प्रारम्भ से लेकर अन्त तक सब एक ही वेशभूषा में रहते हैं।

हमने नाटकीय विविधता के लिए वेशभूषा में सूक्ष्म संकेतात्मक परिवर्तन किए हैं - प्रसंगानुसार। इसी प्रकार मंच सामग्री भी बहुत सूक्ष्म रखी है। मंच सज्जा में भी केवल गाथा प्रस्तुत किए जाने वाले स्थल को फार्मलिस्टिक अंदाज में रखा गया है।

मैं नाटक में अभिनय कर रहे युवा साथियों का बहुत आभारी हूँ जिन्होंने थियेटर को प्रदूषित कर रहे फिल्मी रियलिज्म के दौर में आँखे खोलते हुए भी एक लोकगाथा गायन-वाचन शैली की प्रस्तुति में अपनी ऊर्जा को समर्पित कर दिया।

मंचपर

सूत्रधार - *ललित सिंह पोखरिया*
कोरस - *शुभम दूबे, शिवम सिंह, आशीष द्विवेदी, गौरव सिंह, अमन वर्मा, शशांक सिंह, शौनक तिवारी, विनय मिश्रा, शुभम निगम, अंकुर वर्मा, रवि कुमार, भारतेन्दु मिश्र, दुर्गेश यादव*
जवाहर सिंह थौकदार - *अमन वर्मा*
जवाहर सिंह के पुत्र - *आशीष द्विवेदी, शिवम सिंह*
बालक / किशोर चन्द्र सिंह - *शौनक तिवारी*
जाथली सिंह - *शशांक सिंह*
चपरासी महाराज - *शुभम निगम*
रौणसेरा का ग्रामीण 1 - *भारतेन्दु मिश्र*
रौणसेरा का ग्रामीण 2 - *दुर्गेश यादव*
रौणसेरा का ग्रामीण 3 - *अमन वर्मा*
पंडित गौरी दत्त - *गौरव सिंह*
दिलीप सिंह - *शुभम दूबे*
मस्तु सिंह हवलदार - *निखिल सिंह*
युवा चन्द्र सिंह - *विनय मिश्रा*
क्रांतिकारी कैदी 1 - *अंकुर वर्मा*
क्रांतिकारी कैदी 2 - *भारतेन्दु मिश्र*
सैनिक - *सभी कलाकार*
कैप्टन रिकेट - *रविकांत तिवारी*

पार्श्व मंच

मंच सज्जा - *नीतीश भारद्वाज, सुजीत सिंह यादव*
वेशभूषा प्रभारी - *नीशू सिंह*
मंच सामग्री - *आशुतोष कुमार, शैलेन्द्र कुमार*
प्रकाश संयोजना - *मनीष सैनी*
मुख सज्जा - *शहीर अहमद*
संगीत संकलन - *उत्कर्ष पोरवाल*
संगीत संचालन - *अंकुर सक्सेना*
प्रस्तुति दल - *राहुल यादव, शिवम मिश्रा, अहमद रजा, अभिनव, प्रशान्त सिंह, आरव आर्यवंशी, मंजुला सिंह*
वाह्य व्यवस्था - *योगेन्द्र जोशी, शिवजीत वर्मा*

शोध, आलेख, परिकल्पना एवं निर्देशन
ललित सिंह पोखरिया

02 जून 2016

दुखवा में बीतल रतिया

प्रस्तुति - थियेटर फोरम, आगरा

About the Director

Basant Rawat started theatre around 1985 in Agra. He learned theatre's primary grammer and objectives from great theatre activist Rajendra Raghuvanshi Ji, the founder member of IPTA. Later Basant gained a glorious acting experience under the direction of great theatre legends like Padmshree Raj Bisaria, B.M. Shah and Bhanu Bharti. He has a deep indulgence in folk elements of theatre. This production 'Dukhwa Me Betal Ratiya' is a remarkable example of his specific dimension in folk theatre.

निर्देशकीय

झरेला है संवेदना पीढ़ा घुटन संघर्ष और वो सभी कुछ जो हमने उसे दिया है। वो शरमीला है संकोची है चुप है हर कोई अपनी संवेदना व्यक्त करना चाहता है किसी न किसी माध्यम से वो अभिव्यक्त करता है नाच से उसका नाच बोलता है, वो गुनता है नाच, वो जीता है सिर्फ नाच के लिए। हमारी खुशी के लिए वो रात दिन एक कर देता है। नाचते-नाचते बेहाल हो जाता है।

झरेलवा आपको मिल जाएगा गली मोहल्ले चौराहे नुक्कड़ गांव बड़ी-बड़ी बिल्डिंगों सड़कों पर शहर दर शहर भटकता .. वो जब नाचेगा तो हर चीज थम जायेगी। कानों के जोड़े खिंचे चले आएंगे आवाज की तरफ। आँखें तब तक पथरायी रहेंगी जब तक कि वो आँखों से ओझल नही हो जाता। उसके घुँघरू तब तक कानों में बजते रहेंगे जब तक कि मुसाफिर अपनी मंजिल तक नहीं पहुँच जाता। हम उसको पहचान तो लेते हैं, मेले में, हाट में, बाजार में लोगों की तालियों के बीच, पर जानते नहीं, उसे समझते नहीं, उसे समझने की कोशिश भी नहीं करते .. और वो आगे बढ़ जाता है।

उसके पास कोई दौलत नहीं पूंजी नहीं ताकत नहीं मोटर बंगला नहीं न ही किसी के आगे हाथ पसारता है। उसकी सारी दौलत तो उसका नाच है और वो चाहता है कि उसके घुँघरू सदा हमारे भीतर बजते रहें। उसने तो हमें इतना दिया पर हमने उसे क्या दिया ? अपनी ताकत के बल पर क्षणिक स्वार्थ के लिए उसके वाद्य यंत्र को चूर-चूर कर दिया। जिस नरक से निकलने के लिए उसने अथाह संघर्ष किया वापस उसी नरक में भेज दिया। सोचें अगर तो चेहरा कांपने, होठ चिपकने और कान सुन्न होने लगते हैं। लेकिन झरेलवा के साथ यही सब होता है। उसके घुंघरू चपटे हो जाते है और हम अपनी नजर घुमा लेते है लेकिन वो ताकत के हाथों दुःख के समन्दर में घुटता चला जाता है।

पात्र परिचय

झरेला - *डॉ. विजय शर्मा*
झुनिया - *दयालवती*
बुआ - *जूही तिवारी*
जालिम सिंह - *प्रशांत जैन*
बालमराय - *चंद्रशेखर*
गिरधारी बाबा - *बृजमोहन श्रीवास्तव*
रामेश्वर चाचा - *योगेन्द्र दुबे*
हारमोनियम मास्टर / मुख्य गवैया - *बसंत रावत*
महापातर - *मनोज सिंह*
सुरसतिया - *मंझरी जैन*
सहबाला - *ओशी*
बालक - *वाणी जैन*
लठैत 1 / ग्रामीण - *आशीष दधिचि / रोहित*
लठैत 2 / चोर - *शुभम सिंह जाखड़*
लठैत 3 / पंडित - *चिराग उपाध्याय*
लठैत 4 / ग्रामीण - *हरेन्द्र सिंह*
चेला / दूल्हा - *विशाल श्रीवास्तव*
निमंत्रणवाला / बालेसर / ग्रामीण - *राम शर्मा*
ग्रामीण / दुर्बल - *संदीप*
ग्रामीण - *अनिल कुमार, अमन, नवजोत*
ग्रामीण औरत - *निरूपमा, जया जैन*
बाराती - *पुनीत कपूर, नवजोत अमन*

पार्श्व मंच

प्रकाश परिकल्पना - *बसंत रावत*

सहयोग - *रूपेश कुमार, मनु शर्मा*

संगीत पक्ष -

हारमोनियम - *दीपक जैन*

ढोलक - *पुनीत कपूर 'बाबला'*

रूपसज्जा - *पं राजनारायण शर्मा*

वेशभूषा - *जूही तिवारी, मंझरी जैन एवं सभी कलाकार*

मंच सज्जा - *मधुबनी संयोजन - डॉ. विजय शर्मा*

सहयोग - *रोहित, राम, जूही, आशीष, शुभम, विराग, हरेन्द्र, विशाल, ओशी, वाणी*

गैलरी प्रदर्शनी प्रबंध सहयोग - *डॉ. संगीता सिंह, श्रीमती सुशीला शर्मा, अनिल कुमार, निरूपमा सिंह*

संगीत, परिकल्पना एवं निर्देशन

बसंत रावत

दुखवा की यात्रा

दुखवा में बीतल रतिया एक अनवरत यात्रा की तरह है जिसने अपना पहला पड़ाव तब लिया जब इसका रूपांतरण कथाकार रामेश्वर उपाध्याय की कहानी से नाटक के रूप में ललित सिंह पोखारिया ने किया। ये कहानी मुझे लगातार उद्वेलित करती रही और प्रथम पथ से ही अनेक दृश्य व् आकार मेरे मानस पटल पर बनते बिगड़ते रहे और फिर शुरू हुआ इसके मंचन का सिलसिला। पहली प्रस्तुति लखनऊ इप्टा के साथ करके मुझे बहुत मनोबल मिला। राकेश जी, अखिलेश दीक्षित जी और मेरे अग्रज जो अब हमारे साथ नहीं है दिवंगत रवि नागर जी और जुगल किशोर जी के साथ मेरे मित्र सुरेश काला जिन्होंने हमेशा मुझे इसको करने को उत्साहित किया और मेरे मानसिक और कभी-कभी आर्थिक साथी जयंत मुंशी जो मेरा बहुत ख्याल रखते थे उनका सहयोग कैसे भुला सकता हूँ। इसमें कबीर, अमीर खुसरो, बानो फैजाबादी के गीत हैं जिनमें मेरे लखनऊ के साथी सुशील गौतम ने कई अन्तरे जोड़ कर उनको और खूबसूरत किया।

आगरा में इसकी प्रस्तुति की कहानी अलग तरह से लिखी गयी मेरे आगरा के अग्रज और मित्र अनिल जैन विश्वनिधि मिश्र, उमेश अमल जी ने विशेष सहयोग करके इसका मंचन कराया। दो दिन तक टिकट्स लेकर लोगों ने इसका भरपूर आंनद लिया और साथ के साथ आगरा को युवा प्रतिभा से परिचित कराया। वही साथी आज भी इस प्रस्तुति का हिस्सा ही नहीं वरन अब उसके आधार बन चुके है। अपने दो साथियों आदरणीय जे. पी. शर्मा जी और अखिल शर्मा को हमने इस बीच खो दिया। आज हम इसको एक नए प्रयोग और विचार के साथ लेकर आये है। पुराने साथी और कुछ नए युवा कलाकारों ने कला और उसकी अभिव्यक्ति की आजादी के विचार से जो कारवां 2003 में शुरू किया था वो आज थिएटर फोरम के रूप में आपके सामने है। ये फोरम कला और उसके कलाकारों की अभिव्यक्ति की आजादी के सपने के साथ आगे बढ़ने और वैचारिक कट्टरता का सामना करने के अभियान का हिस्सा है। ये लेखक, रंगकर्मी, चित्रकार और सभी संगीतधर्मियों तथा परफरमिंग आर्ट्स के साथियों के सहयोग की अपील के साथ आपके सामने उपस्थित है।

ये नाटक कई सवालों के जवाब खुद देगा और उम्मीद है कि आप सहमत होंगे और कला विमर्श कि प्रकिया में शामिल होंगे।

दुखवा में बीतल रतिया की पूर्व प्रस्तुति - 2001, आगरा।

30 अगस्त 2001, अमर उजाला आगरा ।

अपने जनवादी नाटक 'दुखवा में बीतल रतिया' के सफल प्रदर्शन ने कई प्रश्नों के उत्तर स्वयं दे दिए हैं पहला प्रश्न कि हिंदी नाटक मर रहा है दूसरा यह कि हिंदी में मंचीय नाटक नही लिखे जा रहे हैं तीसरा ये कि नाटक के दर्शकों का हिंदी क्षेत्र में अभाव है और चौथा ये कि आगरा में नाटक प्रतिभा की कमी है।

दो दिन तक इस नाटक का टिकट खरीद कर बड़ी संख्या में लोगों ने भरपूर आनंद लिया जबकि जो कुछ प्रचार हुआ वो मौखिक ही था न तो नाटक के पर्चे बंटे न और न कोई विज्ञापन छपा।

इस बात की दर्शकों ने पुष्टि कर दी कि प्रस्तुति अच्छी और प्रभावशाली होगी तो लोग नाटक देखने आएंगे।

त्रिदिवसीय नाट्य समारोह

दिनांक : 24-26 मार्च, 2015

24 मार्च 2015

प्रतिज्ञायौगन्धरायण

रचना : **महाकवि भास**

निर्देशन : **भूमिकेश्वर सिंह**

प्रस्तुति

श्री नागरी नाटक मण्डली, वाराणसी

गौरवशाली भारतीय शास्त्रीय नाट्य परम्परा एवं यूनेस्को द्वारा घोषित विश्वधरोहर छाऊ नाट्य शैली का भव्य समन्वय

25 मार्च 2015

माडल विहार

रचना एवं निर्देशन :

ललित सिंह पोखरिया

प्रस्तुति

प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान, दिल्ली

तथाकथित उच्चवर्ग में निहित तुच्छ प्रवृत्तियों का हास्यव्यंगपूर्ण चित्रण

26 मार्च 2015

गुलाम रिश्ते

रचना : **मो. असलम खान**

निर्देशन : **ललित सिंह पोखरिया**

प्रस्तुति

निसर्ग, लखनऊ

भारत-पाकिस्तान के बँटवारे की पृष्ठभूमि पर लिखी मानवीय प्रेम की महागाथा

गुरूवर पद्मश्री राज बिसारिया द्वारा प्रदत्त गुरूसूत्र, प्रेरणा एवं शाश्वत् आशीर्वाद से अनुप्राणित रंगयात्रा .....

ललित सिंह पोखरिया

अध्यक्ष - निसर्ग

गुरूवर पद्मश्री राज बिसारिया

The first initiative was taken by Raj Bisaria forming his **University Theatre Group in 1962.** Four years later, following a successful run of the "University Productions" Raj Bisaria founded the **Theatre Arts Workshop (TAW)**, the premier training and performing group of its kind in the State.

The Bhartendu Natya Akademi (BNA): Bhartendu Academy of Dramatic Arts (BADA), when it was founded in 1975 (with Raj Bisaria as its founder director) become the first of its kind in the large Hindi belt of Bihar, Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and Rajasthan. The only other being the Delhi based National School of Drama (NSD).

Also in 1975, the first ever theatre training workshop in Uttar Pradesh was held for the UP Sangeet Natak Akademi and the Sangeet Natak Akademi, Delhi, **under his direction.**

As impresario Raj Bisaria's widening interests had led to the introduction of **Irshad Panjatan's** excellent mime in 1967 and next year the presentation of **Murray Louis Dance Company of USA.**

This broadening activity and involvement with the performing arts also saw a classical dance performacne by Sonal Mansingh, in 1970, the debut of Om Shivpuri's "Dishanter" group in 1972' a painting exhibition of R.S. Bisht's miniatures and, Richard Schechner's modern American Theatre, both in 1976 and the **Annapolis Brass Quintet in 1981** - all arranged at the initiative of Raj Bisaria's TAW, **and all for the first time in the state.**

As theatre actor - diractor Raj Bisaria took lead roles in several of TAW English productions. But also noticeable in 1972 was a major shift in his emphasis **from modern Euro-American productions**

created the record of the longest running show by being exhibited for 482 nights in a row. In 1996, a research was commissioned at Lucknow University to study the Radio & TV plays created by him.

पद्म श्री निरंजन गोस्वामी

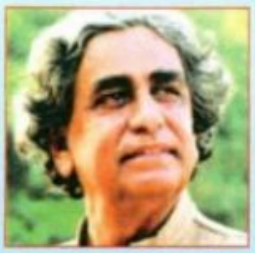

Dear Lalit Bhai,

It is my great pleasure to know that Nisarg is organizing a Three-day Drama Festival at SGM Audotorium from 24-26 March 2015 at Lucknow.

I congratulate you and convey my good wishes for the festival.

I wish your festival become a grand success and also wish that your creative journey continues to inspire all of us.

With warm regards

Niranjan Goshwami

Multi-award winning pantomime artist Padma Shree Niranjan Goswami has been a pioneer in bringing the art of mime to India. He is today instrumental in successfully developing the art of mime and elevating its status of an independent art form in India. He founded the Indian Mime Theatre in 1976, and through it, has been working for social causes like women empowerment, child development, vocational training for the rural and unemployed youth etc. He received the prestigious Padma Shree award in 2009, presented by the President of India.

राम गोपाल बजाज

प्रिय ललित जी,

निसर्ग के नाट्य समारोह के सन्दर्भ में आपका सूचना पत्र मिला। हार्दिक प्रसन्नता हुई मुझे भारतीय रंगमंच के सन्दर्भ में हिन्दी क्षेत्र को लेकर अक्सर चिन्ता हुई लेकिन धीरे-धीरे कम हो रही है। क्योंकि पिछले दस-पन्द्रह वर्षों में ड्रामा फेस्टिवल में दर्शकों के बीच अपनी जगह बनायी है। आपकी संस्था 'निसर्ग' का ये आयोजन इस दिशा में बढ़ता कदम साबित हो ऐसी मेरी भावना है।

उत्तर प्रदेश, खासकर लखनऊ संस्कृति और नाट्य को लेकर आगे रहा। वहाँ नाट्य प्रदर्शन हर दिन नहीं तो हर सप्ताह होना ही चाहिए। आशा करता हूँ हिन्दी, उर्दू और स्थानीय बोलियाँ और सोच के स्तर पर उदारता की ओर ऐसे समारोह इशारा करेगें। ऐसे में भारतेन्दु, अमानत, वाजिद अली शाह, प्रसाद, अश्क, राकेश, धर्मवीर भारती आदि का स्मरण सहज ही होता है।

सद्भावना समेत,

Ram Gopal Bajaj

Legendry Theatre Director. Ex-Director, National School of Drama, New Delhi; Ex-Chief, National School of Drama Repertory, New Delhi; An excellent theatre teacher. A pioneer of hindi theatre movement.

देवेन्द्र राज 'अंकुर'

प्रिय ललित,

मुझे यह जानकर बहुत खुशी हुई कि आपकी नाट्य मण्डली 'निसर्ग' द्वारा 24, 25, 26 मार्च 2015 को तीन दिवसीय नाट्य समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह में एक प्रस्तुति अतिथि निर्देशक की है और दो प्रस्तुतियाँ आपने स्वयं निर्देशित की हैं। तीनों नाटक तीन अलग-अलग नाटककारों ने लिखे हैं। मुझे आशा ही नहीं वरन पूर्ण विश्वास है कि आपके कुशल निर्देशन में प्रतिभागियों ने रंगमंच के सभी पक्षों का गहराई से प्रशिक्षण लिया होगा। जो अब इन प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों के सामने प्रतिफलित होगा। एक बार फिर आपको और आपके सभी प्रतिभागियों के लिए शुभकामनाओं सहित।

Dr. Devendra Raj Ankur

Dr. Devendra Raj Ankur is a name that every student, every lover of theatre is familiar with. Director of National School of Drama, this man of several acts has been a teacher, director, a critic, a playwright and an actor par-excellence. Having created a completely new genre of Modern Indian Theatre called KAHAANI KA RANGMANCH, he has penned over 400 stories and novels in all Indian languages. He feels that there is nothing in this world better than the thrill of performing live. A recipient of the Sangeet Natak Akademi Award in 2003, his depth of knowledge and breadth of vision is simply immense. His rich baritone voice reverberates the room when he speaks of his unconditional love for theatre.

रोबिन दासगुप्ता

To the team of NISARG my heartiest congratulations for the years of dedication to carry forward an exciting theatre ambience in Hindi Theatre.

Personal best wishes to the successful completion of the festival.

With regards and blessings

Robin Das
Theatre Director, Teacher,
Artistic Director of Adi Natya Drishi, Delhi

Robin Das joined the teaching faculty of the National School of Drama, New Delhi, India, in 1977. During a theatre career spanning nearly 4 decades he has been able to participate in the emergence of a national Modern Indian Theatre trying to found itself on the base of a strong and widespread traditional theatre. As a designer he has worked with many important directors of the country and has produced exciting designs for the changing scenario of theatre practice in India during this period. He has directed over 50 productions and brought forward many important aspects of contemporary Indian theatre. He has also worked as an art director and actor for films and media. A self-taught draughtsman and caricaturist, he continuously strives to renew teaching methodologies, apart from trying to assimilate the modern and the classical in dramatic presentations.

Important productions of last 3 years Edward the second (hindi),cherry orchard, king lear for 3rd year nsd .the Father (hindi) presented at Lima ,Peru. Charandas the thief (English) Boston, USA

Chha maan ath goonth in hindi with third year N.S.D june 2014

निसर्ग – सी 136 / 14, शिवानी विहार, कल्याणपुर, लखनऊ – 226022
Nisarg - C-136/14, Shivani Vihar, Kalyanpur, Lucknow-226022
Phone : 9839020107 E-mail : nisargindia@rediffmail.com

निसर्ग

एक संक्षिप्त परिचय

सृष्टि और जीवन के समन्वय हेतु प्रयासरत सृजन संस्थान।

सृजन को सामाजिक एवं मानवीय सरोकारों से जोड़ते हुये निम्न विशिष्ट कार्य–

- उदीयमान रंगकर्मियों को निर्देशन तथा सर्वेक्षण कार्य का अवसर देते हुये कई नाटकों का मंचन।
- बाल और किशोर विद्यार्थियों में नैतिकता एवं संवेदनशीलता के विकास हेतु प्रदेश के अनेक स्कूलों में नाट्य मंचन।
- रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों और सड़कों पर जीवन संघर्ष करते, अनाथालयों और बाल संरक्षण गृहों में रहने को विवश बालकों को मानवीय स्पर्श देने हेतु प्रस्तुतिपरक बाल नाट्यकार्यशालाएं।
- महिला सशक्तिकरण तथा दुर्बल किसानों और श्रमिकों के कल्याण हेतु प्रस्तुतिपरक नाट्यकार्यशालाएं।
- अध्यापकों, समाजसेवियों और विकास कार्यों से जुड़े लोगों की कार्यकुशलता के विकास हेतु नाट्यप्रशिक्षण एवं मंचन।
- संवासिनी गृह की महिलाओं में नारी सम्मान एवं शक्ति जागरण हेतु नाट्यकार्यशाला।
- विकलांगता, पोलियो और अन्य बीमारियों के निवारण तथा स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण और पेय जल संरक्षण हेतु नुक्कड़ नाटकों का मंचन।
- बॉण्ड स्ट्रीट थियेटर–न्यूयार्क, एक्जाइल थियेटर–काबुल और पूर्वाभ्यास–नई दिल्ली के कलाकारों को आमंत्रित कर शहरी मलिन बस्तियों के बच्चों और ग्रामीण महिलाओं के विकास एवं सशक्तीकरण हेतु नाट्यकार्यशालाएं एवं नाट्यमंचन।
- भारतीय शास्त्रीय नाट्य परम्परा पर राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं राष्ट्रीय संस्कृत नाट्य समारोह का आयोजन।
- सन् 2006 से प्रतिवर्ष त्रैमासिक नाट्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन।
- मुख्य धारा के रंगमंच में लगभग 30 नाटकों का मंचन एवं प्रस्तुतिपरक नाट्य कार्यशालाएं।
- बच्चों को लोकसंस्कृति से परिचित कराने हेतु समय–समय पर कार्यक्रमों का आयोजन।
- समाजोपयोगी साहित्य के प्रचार–प्रसार हेतु श्री धन सिंह मेहता 'अंजान' रचित बाल कविता संग्रह 'महकी माटी भारत की' और 'संवाद' का विमोचन–परिचर्चा। श्री देवेन्द्र राज अंकुर की पुस्तक 'दूसरे नाट्य शास्त्र की खोज' और ललित पोखरिया के नाटक 'दिल्ली छै' पर परिचर्चा और संगोष्ठी। स्व. विजय तेन्दुलकर के नाटक 'एक जिद्दी लड़की' और नन्द कुमार उप्रेती के 'कुमाऊँनी रचनाओं का संग्रह' का विमोचन और परिचर्चा।
- चित्रकार राजीव मिश्रा के चित्रों की प्रदर्शनी।

सम्पर्क सूत्रः– निसर्ग सी–136/14, शिवानी विहार, कल्याणपुर, लखनऊ–226022
मोबाइलः– 9839020107, फैक्सः– 0522–2338878, 2388617
e-mail: nisargindiarediffmail.com website: www.nisargarts.com

भारतीय सांस्कृतिक सम्बद्ध परिषद

(विदेश मंत्रालय भारत सरकार)

एवं

भारतेन्दु नाट्य अकादमी

(संस्कृति विभाग उ0प्र0)

के संयुक्त तत्वावधान में क्षितिज शृंखला के अन्तर्गत

निसर्ग

सर्वविद सर्जन सर्गः

निसर्ग सृजन संस्थान की हास्य नाट्य प्रस्तुति

मॉडल विहार

लेखक–निर्देशक

ललित सिंह पोखरिया

बुधवार, 25 जनवरी 2012, सायं 6.30 बजे

बी0एम0शाह प्रेक्षागृह, भारतेन्दु भवन,
विकास खण्ड–1, गोमती नगर, लखनऊ (उ0प्र0)

निर्देशकीय

यह आवश्यक नहीं है कि शिक्षित और सम्पन्न हो जाने से कोई व्यक्ति सभ्य, सुसंस्कृत और सज्जन भी होगा ही। यही बात पूरे समाज पर लागू होती है। वर्तमान समय में हमारे भीतर बहुत छोटी-छोटी बुराइयाँ स्थायी स्थान बना चुकी हैं। पढ़े-लिखे व्यक्ति भी निजी स्वार्थों के कारण बहुत सहजता के साथ छल-कपट और प्रपंच को जीवन में अपना लेते हैं।

एक नगर की आभिजात्य कालोनी 'मॉडल विहार' में रहने वाले लोग हमारे समाज में व्याप्त इन दुष्प्रवृत्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

उपरोक्त विषयवस्तु को आधार बनाकर नाटक 'मॉडल विहार' का ताना-बाना बुना गया है। आलेख की रचना हास्य-व्यंग को प्रधानता देते हुए की गयी है। प्रस्तुति में आलेख के हास्य व्यंग को दृढ़ रूप से रेखांकित किया गया है।

मंच पर

सेवक जी	:	विजय शुक्ला
कलावती	:	रोजी दुबे
बालकराम	:	अनिल चौधरी
डॉ0, वकील, प्रेमरंजन शास्त्री सी0डी0ए0, टीटू	:	ललित सिंह पोखरिया
चिन्नी	:	प्रशान्त सिंह
देवीना	:	नैन्सी आनन्द

मंच परे

मंच सज्जा	:	शकील अहमद
वेशभूषा	:	अनिल चौधरी
मंच सामग्री	:	प्रशान्त सिंह
प्रकाश अभिकल्पना	:	देवाशीष मिश्रा
प्रकाश सहायक	:	पीयूष वर्मा
संगीत संचालन	:	अंकुर सक्सेना
ध्वनि प्रभाव	:	ऑडीमेक्स स्टूडियो
मुख सज्जा	:	शहीर अहमद

आलेख, प्रस्तुति-परिकल्पना एवं निर्देशन

ललित सिंह पोखरिया

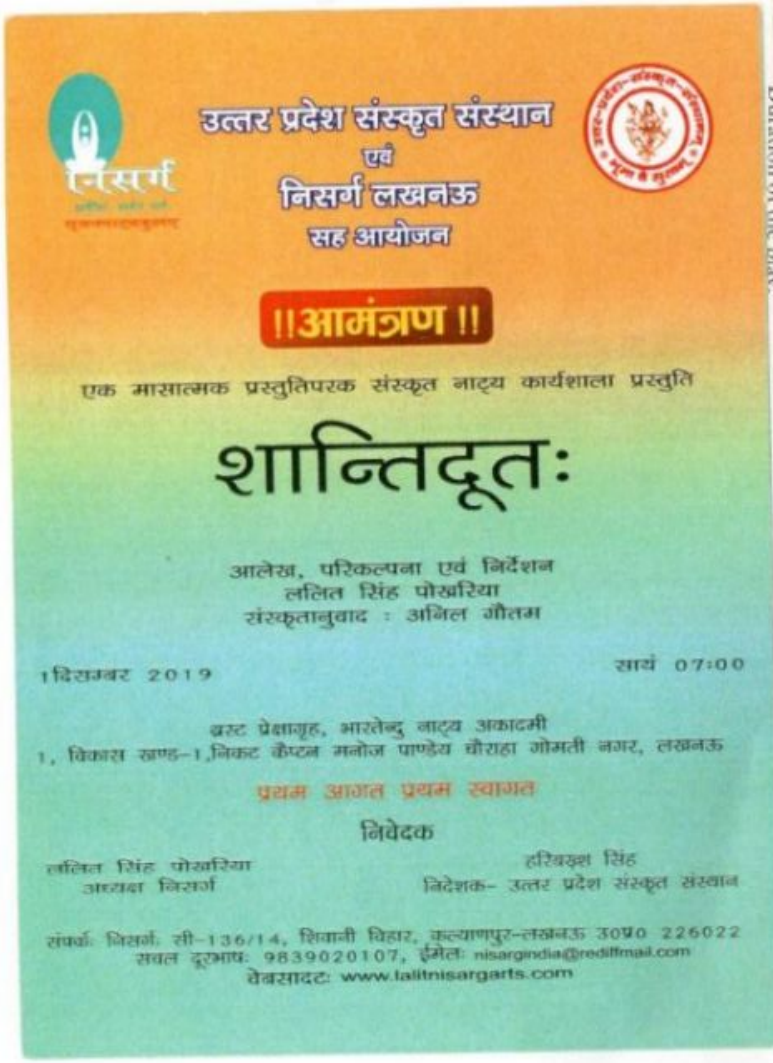

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान
एवं
निसर्ग लखनऊ
सह आयोजन
!!आमंत्रण !!
एक मासात्मक प्रस्तुतिपरक संस्कृत नाट्य कार्यशाला प्रस्तुति
शान्तिदूतः
आलेख, परिकल्पना एवं निर्देशन
ललित सिंह पोखरिया
संस्कृतानुवाद : अनिल गौतम
1दिसम्बर 2019
सायं 07:00
ब्रस्ट प्रेक्षागृह, भारतेन्दु नाट्य अकादमी
1, विकास खण्ड–1,निकट कैप्टन मनोज पाण्डेय चौराहा गोमती नगर, लखनऊ
प्रथम आगत प्रथम स्वागत
निवेदक
ललित सिंह पोखरिया
अध्यक्ष निसर्ग
हरिवंश सिंह
निदेशक– उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान
संपर्क: निसर्ग, सी–136/14, शिवानी विहार, कल्याणपुर–लखनऊ उ0प्र0 226022
सचल दूरभाष: 9839020107, ईमेल: nisargindia@rediffmail.com
वेबसाइट: www.lalitnisargarts.com

प्रवेश आमन्त्रण
PRESENTS
PHANSI SE BADHKAR
untold saga of freedom movement
Written & Directed by
Lalit Singh Pokhariya
CHIEF GUEST
Brigadier Naveen Singh
18 th March 2021
07:00 pm
VALMIKI RANGSHALA
Uttar Pradesh Sangeet Naatak Academy, Gomti Nagar- Lucknow
सहयोग राशि: आपकी इच्छानुकूल

निसर्ग
NATURAL INTEGRAL SPIRITUAL ARTS RESTORATION GUILD
नाट्य प्रस्तुति
सादर आमंत्रण
साहित्यिक नाटक
प्रेतशिशु
आलेख, परिकल्पना एवं निर्देशन
ललित सिंह पोखरिया
25 अप्रैल 2018
सायं 7.05
संत गाडगे महाराज प्रेक्षागृह
उ.प्र. संगीत नाटक अकादमी
गोमती नगर, लखनऊ
दिशा निर्देशः
1- 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों का प्रवेश निशेध है।
2- प्रेक्षागृह के भीतर कोई भी खाद्य व पेय पदार्थ लाना मना है।
3- कृपया कार्यक्रम के समय अपना मोबाइल बंद रखें।
मोबाइलः 9839020107 ई-मेलःlalitnisarg@gmail.com

INVITATION
निसर्ग
NATURAL INTEGRAL SPIRITUAL ARTS RESTORATION GROUP
IN THE MEMORY OF ANAND PRAHLAD
PRESENTS
KHILAUNON KI BAARAAT
WRITTEN BY
MOHD. ASLAM KHAN
DESIGN & DIRECTION
LALIT SINGH POKHARIYA
20th AUGUST 2018- 7.05 P.M.
SANT GADGE JI MAHARAJ AUDITORIUM
U.P. SANGEET NATAK ACADEMY, GOMTI NAGAR, LUCKNOW
NISARG
C-136/14 SHIVANI VIHAR, KALYANPUR, LUCKNOW-226022
MOB: 9839020107 Email: lalitnisarg@gmail.com

मंचकृति आयोजन
26 वाँ बाबू हरदयाल वास्तव हास्य नाट्य समारोह – लखनऊ
8 जुलाई से 10 जुलाई 2018
सहयोग– संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार
8 जुलाई 2018, दिन रविवार
मंचकृति प्रस्तुति
सूरज कहाँ से उगता है
लेखक
श्यामनारायण
परिकल्पना एवं निर्देशन
उर्मिल कुमार थपलियाल
9 जुलाई 2018, दिन सोमवार
निसर्ग प्रस्तुति
खटर पटर की टक्कर
आलेख, परिकल्पना एवं निर्देशन
ललित सिंह पोखरिया
10 जुलाई 2018, दिन मंगलवार
हौसला फाउन्डेशन प्रस्तुति
लव इन दिसम्बर
आलेख
रिवाल्डो
संगीत एवं निर्देशन
सादिक रज़ा खान
संगम बहगुणा
महासचिव– मंचकृति
सादर – आमंत्रण
इं.–गोपाल सिन्हा
अध्यक्ष– मंचकृति
प्रतिदिन – सायं सात बजे, संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, विपिन खण्ड गोमती नगर, लखनऊ (उ०प्र०)
सम्पर्क सूत्र – संगम बहगुणा, मंचकृति 28 न्यू गोल मार्केट, महानगर लखनऊ मो. 9415106084 ई : मेल – manchkriti1990@gmail.com

संगीत नाटक अकादेमी Sangeet Natak Akademi

Sangeet Natak Akademi
North -East Centre
in association with

Asom Natya Sanmilan
present

উত্তৰ-পূৰ নাট সমাৰোহ
Uttar Purba Nat Samaroh

RANG BHAWAN AUDITORIUM, MALIGAON, GUWAHATI
31 MARCH-7 APRIL, 2014

PROGRAMME

31 March - 7 April, 2014 Rang Bhawan Auditorium,Maligaon, Guwahati ❑ 06-30 pm daily

Date	Name of Play	Production	Direction
31st March, 2014	The Lesson	Rangapeeth, Guwahati	Dulal Roy
Ist April, 2014	Hum Hi Apna Aap	NSD,Sikkim Theatre Training Centre, Repertory Company	Bipin Kumar
2nd April, 2014	Ek Ananter Khoj	Natyabhumi, Agartala	Sanjoy Kar
3rd April, 2014	Krishnapurer Rupkatha	Nandipat, Kolkata	Bimal Chakraborty
4th April, 2014	Jahajin	Raaga, Patna	Randhir Kumar
5th April, 2014	Nagamandalam	Manipuri Ensemble, Imphal	Kshetri Jugindro
6th April, 2014	Model Vihar	Nisarg, Lucknow	Lalit Singh Pokhariya
7th April, 2014	Koina Konda Shil	Rangalaya, Nagaon	Mrinal Borah

Programme subject to change

❑ Please bring this card with you. ❑ Invitees should take their seats 15 minutes before the comemcement of the programme.
❑ For Security reasons briefcase, tape recorder, camera or any other objectionable aricles may not be allowed in the auditorium.
❑ Children below seven years old age are not allowe in the auditorium. ❑ Audio/video recording is prohibited.

31 मई, 2016

दूत घटोत्कच

यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित
छाऊ, मार्शल एवं शास्त्रीय शैली का
अभिनव प्रयोग

रचनाकार – महाकवि भास

निर्देशक
भूमिकेश्वर सिंह

भारतीय शास्त्रीय नाट्य एवं छाऊ, मार्शल आर्ट्स
के अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त निर्देशक

प्रस्तुति
प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान, दिल्ली

Acting is a masochistic form of exhibitionism.
It is not quite the occupation of an adult.

01 जून, 2016

वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली

भारतीय स्वतन्त्रता आंदोलन में
विश्व प्रसिद्ध पेशावर काण्ड के महानायक
वीर चन्द्र सिंह गढ़वाली की महागाथा

शोध, लेखन–निर्देशन
ललित सिंह पोखरिया

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
द्वारा सीनियर फेलोशिप (2003 – 2005)
उ० प्र० संगीत नाटक अकादमी सम्मान (2005)
भारतेन्दु नाट्य अकादमी रजत जयन्ती सम्मान
सहित अनेक सम्मानों से विभूषित

प्रस्तुति
निसर्ग, लखनऊ

If you want to create a masterpiece,
you must always avoid beautiful lies.

02 जून, 2016

दुःखवा में बीतल रतिया

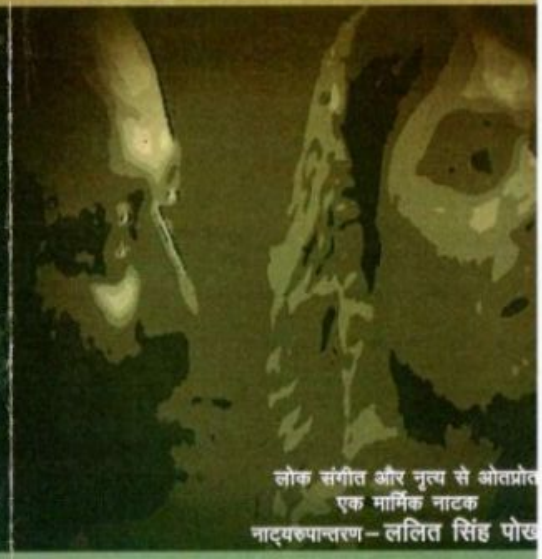

लोक संगीत और नृत्य से ओतप्रोत
एक मार्मिक नाटक
नाट्यरुपान्तरण – ललित सिंह पोख

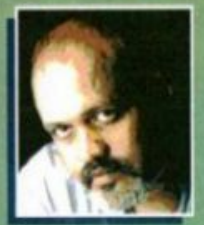

निर्देशक
बसन्त रावत

लोक एवं आधुनिक मंच के गहन चिंतक एवं प्रयोक्त

प्रस्तुति
थियेटर फोरम, आगरा

I don't know what is better than the work
that is given to the actor to teach the
human heart the knowledge of itself

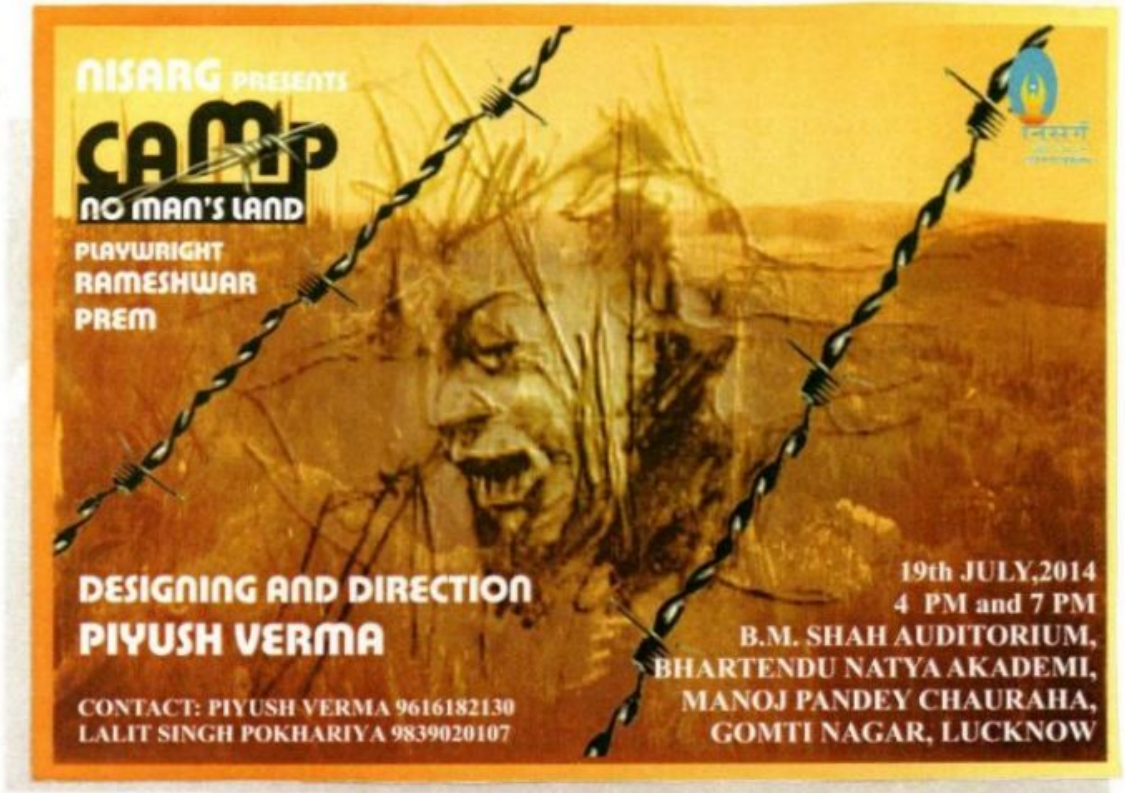
NISARG PRESENTS
CAMP
NO MAN'S LAND
PLAYWRIGHT
RAMESHWAR
PREM
DESIGNING AND DIRECTION
PIYUSH VERMA
CONTACT: PIYUSH VERMA 9616182130
LALIT SINGH POKHARIYA 9839020107
19th JULY,2014
4 PM and 7 PM
B.M. SHAH AUDITORIUM,
BHARTENDU NATYA AKADEMI,
MANOJ PANDEY CHAURAHA,
GOMTI NAGAR, LUCKNOW

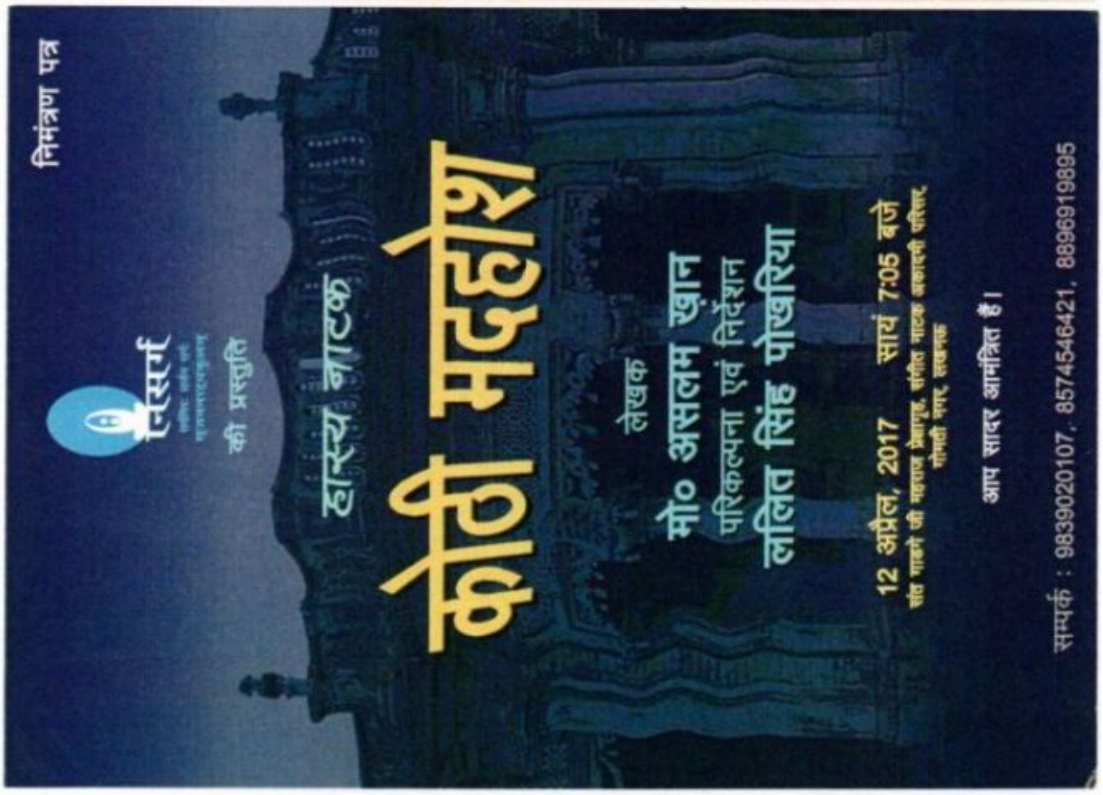
निमंत्रण पत्र
निसर्ग
की प्रस्तुति
हास्य नाटक
कौवा मदहोश
लेखक
मो० असलम खान
परिकल्पना एवं निर्देशन
ललित सिंह पोखरिया
12 अप्रैल, 2017 सायं 7:05 बजे
आप सादर आमंत्रित हैं।
सम्पर्क : 9839020107, 8574546421, 8896919895

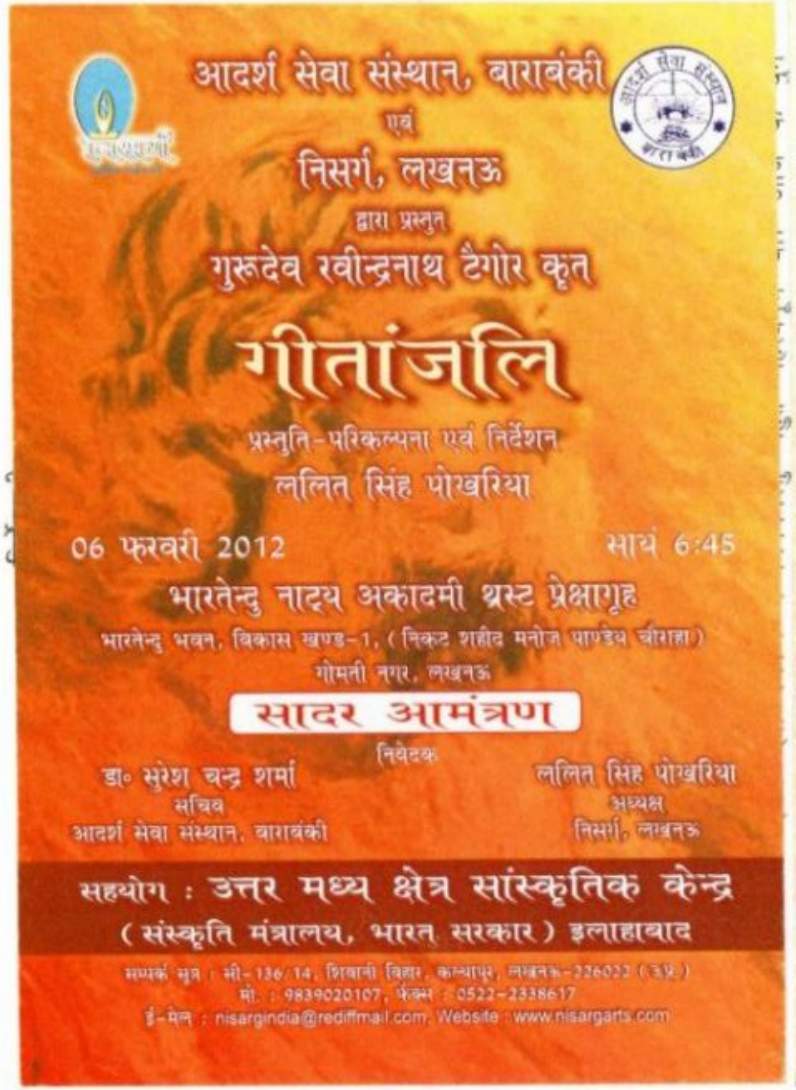
आदर्श सेवा संस्थान, बाराबंकी
एवं
निसर्ग, लखनऊ
द्वारा प्रस्तुत
गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर कृत
गीतांजलि
प्रस्तुति-परिकल्पना एवं निर्देशन
ललित सिंह पोखरिया
06 फरवरी 2012
सायं 6:45
भारतेन्दु नाट्य अकादमी थ्रस्ट प्रेक्षागृह
भारतेन्दु भवन, विकास खण्ड-1, (निकट शहीद मनोज पाण्डेय चौराहा)
गोमती नगर, लखनऊ
सादर आमंत्रण
निवेदक
डा० सुरेश चन्द्र शर्मा
सचिव
आदर्श सेवा संस्थान, बाराबंकी
ललित सिंह पोखरिया
अध्यक्ष
निसर्ग, लखनऊ
सहयोग : उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) इलाहाबाद
सम्पर्क सूत्र : सी-136/14, शिवानी विहार, कल्याणपुर, लखनऊ-226022 (उ.प्र.)
मो. : 9839020107, फैक्स : 0522-2338617
ई-मेल : nisargindia@rediffmail.com, Website : www.nisargarts.com

प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान दिल्ली
एवं
निसर्ग सृजन संस्थान लखनऊ
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
भास रचित नाट्य समारोह
16, 17 एवं 18 मार्च 2011
प्रतिदिन सायं 7.00 बजे
प्रथम दिवस
ऊरूभंग
निर्देशक
भूमिकेश्वर सिंह
प्रस्तुति
निसर्ग, लखनऊ
द्वितीय दिवस
मध्यम् व्यायोग
निर्देशक
भूमिकेश्वर सिंह
प्रस्तुति
प्रयोग, वाराणसी
तृतीय दिवस
चारूदत्त
निर्देशक
भूपेश जोशी
प्रस्तुति
गाथा, पिथौरागढ़
मुख्य अतिथि : पद्मश्री राज बिसारिया
संत गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह
उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी
विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ
आप सादर आमंत्रित हैं।
ललित सिंह पोखरिया
अध्यक्ष - निसर्ग
भूमिकेश्वर सिंह
निदेशक - प्रतिभा सांस्कृतिक संस्थान
सहयोग : संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
सम्पर्क सूत्र :-
निसर्ग - सी-136/14, शिवानी विहार, कल्याणपुर, लखनऊ-226022 (उ.प्र.) भारत
मो. : 9839020107, फैक्स : 0522-2338617,
ई-मेल : nisarginda@rediffmail.com, Website : www.nisargarts.com

।। नाट्य सर्ग प्रस्तुति ।।

दि मर्डर ऑफ जूडिथ शेक्सपियर

मूल कहानी
वर्जीनिया वूल्फ

रूपान्तरण एवं निर्देशन
अंकिता गुप्ता

10 अप्रैल 2008 सायं 6.45

वाल्मीकि रंगशाला
उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी
विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ

।। आप सादर आमंत्रित है ।।

प्रथम आगत प्रथम स्वागत
कृपया प्रेक्षागृह के भीतर मोबाइल फोन बंद रखें।

'निसर्ग', सी–136/14, शिवानी विहार,
कल्याणपुर, लखनऊ–226022
दूरभाष (मो) 09839020107,09989652638

।। नाट्य सर्ग प्रस्तुति ।।

मन्नू भंडारी
कृत

महाभोज (उपन्यास)

परिकल्पना एवं निर्देशन
अभिषेक तिवारी

30 मई 2008 सांय 7:00 बजे

स्थान
बाल्मीकि रंगशाला
उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी
विपिन खण्ड - गोमती नगर, लखनऊ

।। आप सादर आमंत्रित है।।

प्रथम आगत प्रथम स्वागत
कृपया प्रेक्षागृह के अन्दर मोबाइल फोन बंद रखें।

`निसर्ग`सी- 136/14, शिवानी विहार, कल्याणपुर
लखनऊ 226022 (मो०) 09839020107, 09989652638